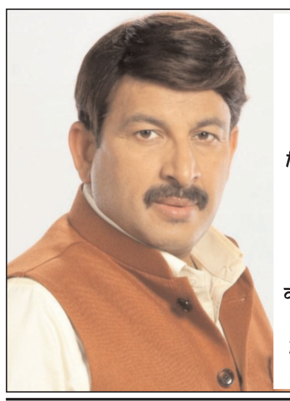

सत्य निकेतन हादसे के बीच मनोज तिवारी का 'हिंद के सितारा' कॉन्सर्ट टला, वापस किए जाएंगे टिकट के पैसे

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकत्तम - 36
न्यूनतम - 31

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 252 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 30 विक्रमी सम्वत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

लद्दाख को पहली बार मिला बड़ा ऑफर

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र उठाने जा रहा बड़ा कदम, पाकिस्तान की बढ़ेगी टेंशन

अनुच्छेद 371(के) जैसा संवैधानिक प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लद्दाख को अतिरिक्त सुरक्षा देने के लिए 'अनुच्छेद 371(के)' जैसा संवैधानिक प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। मीडिया सूत्रों से ये बात सामने आई है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में बुधवार को इसे लेकर लद्दाख सब-कमेटी और गृह मंत्रालय के बीच बैठक हुई। हालांकि, प्रतिनिधियों का कहना है कि अभी इसका कोई ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है और बातचीत जारी रहेगी। यह बातचीत तब हो रही है, जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आ रहे हैं। ये दौरा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर हो रहा है। ऐसे में इस दौरे की टाइमिंग के बीच लद्दाख को लेकर यह बड़ी पहल पाकिस्तान की भी टेंशन बढ़ा सकती है।

गृह मंत्रालय बोला-ये शक्तियां होंगी- बुधवार की बैठक में शामिल लोगों के अनुसार, एमएचए ने कहा कि टी-स्तर की जिस गवर्निंग बॉडी (प्रशासनिक निकाय) की मांग दोनों समूहों ने की थी, उसे सीधे चुनाव से चुना जाएगा। इस निकाय के पास जमीन, संस्कृति और भाषा, जंगल, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों और भारत के संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत टी के लिए आरक्षित अन्य विषयों पर कानून बनाने की शक्तियां होंगी। इस निकाय के पास जमीन, संस्कृति और भाषा, जंगल, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों और भारत के संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत टी के लिए आरक्षित अन्य विषयों पर कानून बनाने की शक्तियां होंगी।

गृह मंत्रालय से मुलाकात में सोनम वांगचुक भी थे

रिपोर्ट के अनुसार, पिछली बातचीत के महीनों बाद हुई इस बैठक में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाली सब-कमेटी ने गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधिकारियों से मुलाकात की। इनमें एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल थे। यह बैठक 22 मई और 3 जुलाई को हुई बैठकों में बनी 'सैद्धांतिक सहमति' को आगे बढ़ाने के लिए थी। दो अहम बैठकों में लद्दाख में लोकतंत्र बहाल करने और अनुच्छेद 371 के तहत विशेष प्रावधान के जरिए संवैधानिक सुरक्षा देने पर चर्चा हुई थी माना जा रहा है कि प्रस्तावित प्रावधान लद्दाख में एक चुनी हुई गवर्निंग बॉडी और स्थानीय प्रशासनिक स्वायत्तता स्थापित करने के लिए है।

संक्षिप्त समाचार

आज से लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज 11 सितंबर से अगले 4 दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। 11 सितंबर 2026 को देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जा सकते हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने विभिन्न मांगों को लेकर एक दिन की राष्ट्रव्यापी

हड़ताल का ऐलान किया है। ऐसे में कई बैंकों की शाखाओं और दफ्तरों में कामकाज प्रभावित हो सकता है।
हालांकि कई बड़े बैंकों ने कहा है कि उन्होंने शाखाओं और कार्यालयों को चालू रखने के लिए जरूरी इंतजाम किए हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने की स्थिति में बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

रेलवे टेंडर घोटाला

लालू यादव, राबड़ी और तेजस्वी समेत 9 के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने लालू यादव के दामाद राहुल यादव समेत सात लोगों को बरी करने का भी आदेश दिया।
कोर्ट ने इन तीनों के अलावा जिनके खिलाफ आरोप तय किया है, उनमें लारा प्रोजेक्ट्स, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, सुजाता होटल्स, विनय कोचर और विजय कोचर शामिल हैं।

चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। इस दौरान प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना है।

सीएम योगी का ऐलान

एक करोड़ दीदियों को मिलेगा एक लाख तक का ब्याज मुक्त लोन

लखनऊ (एजेंसी)। विधान सभा चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट योजना में महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं एक करोड़ दीदियों को एक लाख रुपये तक का क्रेडिट (ऋण) लाभ दिया जाएगा। हालांकि योजना के पहले चरण में 20,000 रुपये की पहली किश्त मिलेगी। इसके समय से भुगतान पर दो चरणों में 80 हजार रुपये का और क्रेडिट दिया जाएगा। सरकार, योजना को विधान सभा चुनाव से पहले जोर-शोर से लांच करने की तैयारी कर रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि भाजपा ने मध्य प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र में विधान सभा चुनावों से पहले ऐसा ही दांव चला था।

बिहार के 14 जिलों में बाढ़

पांच हजार स्कूल बंद

यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा, मप्र-राजस्थान में बारिश थमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं।

राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बाराबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए। इधर, एमपी और राजस्थान में फिलहाल बारिश का दौर थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है।

- **बिहार में बाढ़ से 43 लाख प्रभावित-** बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में करीब 43 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

एमपी: मानसून कमजोर, तेज बारिश का दौर थमा

- मध्य प्रदेश में फिलहाल बारिश का कोई सक्रिय सिस्टम नहीं है, जिसके चलते तेज बारिश का दौर थम गया है।

मप्र सागर में 29 मौतों के बाद सरकार का बुलडोजर एक्शन

जहरीली शराब कांड के मुख्य आरोपितों के घर पहुंचा प्रशासन

सागर (एजेंसी)। मप्र सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब पीने से 29 लोगों की मौत के बाद सरकार और प्रशासन ने अब आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। अवैध शराब के इस जानलेवा कारोबार से जुड़े मुख्य आरोपितों के घरों तक गुरुवार को प्रशासन का बुलडोजर पहुंच गया। राजस्व और पुलिस बल की भारी मौजूदगी के बीच प्रशासनिक टीम आबकारी ठेकेदार एवं मुख्य आरोपित मनीष लोधी उर्फ यशवंत सिंह ठाकुर के बंडा स्थित घर

पहुंची। वहीं ततरवारा सरपंच चंद्रभान उर्फ चंदू सिंह राजपूत के मकान पर भी कार्रवाई के लिए प्रशासनिक अमला पहुंचा।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा

भारत के पास 190 परमाणु बम, 225 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी

समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 23 दिसंबर 2025 को बंगाल की खाड़ी में के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। यह परमाणु हथियार ले जा सकती है। भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 160 से ज्यादा हथियार ऐसी मिसाइलों और दूसरे सिस्टम के लिए तैयार हैं, जो परमाणु हमला करने में सक्षम हैं। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पास 225 और परिमाणु हथियार बनाने लायक प्लूटोनियम भी है।

इसके अलावा समुद्र में 'न्यूक्लियर कवच' भी बना रहा है। भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं।

भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम

रिपोर्ट के अनुसार 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इस तरह यह 225 वॉरहेड तक बना सकता है। हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है।

बीजेपी का साथ छोड़ो तभी होगा एनसीपी का विलय: रोहित पवार

मुंबई (एजेंसी)। जनवरी के आखिर में जब महाराष्ट्र के तत्कलीन डिप्टी सीएम अजित पवार की बारामती प्लेन हादसे में मौत हुई थी तो इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार और शरद पवार) के दोनों खेमों के साथ आने की खूब चर्चा हुई थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विलय के मुद्दे पर शरद पवार की पार्टी के विधायक रोहित पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर अजीत पवार गुट भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़ देता है, तभी दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस गुटों के एक साथ आने की संभावना है। महाराष्ट्र में रोहित पवार लगातार महायुति सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने पुणे में एमपीएससी पेपर लीक के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की।

वंदे मातरम् के दो पैरा ही गाए जाएंगे, डीके सरकार का फरमान जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कार्यक्रमों और आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य कर दिया है, लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आदेश जारी करते हुए यह भी कहा है कि राजकीय कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के सिर्फ दो पद गाए जाएं।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में बच्चे पर हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- 'तुरंत कार्रवाई करें, कोई उसे डरा नहीं सकता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उन आरोपों को गंभीरता से लिया है जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक 14 साल की लड़की को धमकाया गया और उसके घर पर पत्थर फेंके गए। इस संबंध में कोर्ट ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और मामले की गंभीरता पर जोर दिया।

यह मामला सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के सामने आया। इस पर पीठ ने साफ किया कि नाबालिग को डराने-धमकाने के आरोप एक गंभीर मुद्दा है और किसी भी व्यक्ति को पीड़ित या उसके परिवार को आपराधिक केस चलाने के लिए डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सत्य निकेतन हादसा केस: हम हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को अपने पास ट्रांसफर नहीं कर रहा है।

- **हाईकोर्ट ने सीजेपी नेताओं से कहा- बीजेपी नेता गौरव भाटिया के खिलाफ पोस्ट हटाएं-** दिल्ली हाईकोर्ट ने काकरोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को बीजेपी नेता और वकील गौरव भाटिया के खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट को हटाने को कहा है। जस्टिस तुषार राव गडेला की बेंच ने कहा कि बिना वेरिफाई किए किसी पर हमला करना ठीक नहीं है।

बिहार में निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, 7 कर्मचारी घायल

पटना/वैशाली (एजेंसी)। बिहार के वैशाली में पुल का भारी लॉन्चर गिर गया है। गुरुवार को भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर पंचायत के इतवारपुर गांव के समीप निर्माणाधीन एनएच-139डब्ल्यू के एक पुल पर काम के दौरान लॉन्चर मशीन अचानक गिर गई। हादसे में करीब सात मजदूर घायल हो गए।

बंगाल सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी के पीए सुमित रॉय को गिरफ्तार किया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव (पीए) सुमित रॉय को गिरफ्तार कर लिया है। रॉय को पहले कोर्ट से गुरुवार तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत मिली थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आज उनकी अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने 6 अगस्त को सुमित रॉय को यह राहत दी थी।

पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट में पीएम मोदी ने बताया इसरो का मिशन

- **2035 तक अपना स्पेस स्टेशन, 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय**

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असीमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है। भारत 2025 तक अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय पहुँच जाएंगे।

स्पेस के क्षेत्र में कीर्तिमान रच रहा भारत- प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस में भारत की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा, चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया है। आदित्य एल1 सूरज के रहस्यों को उजागर कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) की टेक्नोलॉजी और पार्टनरशिप न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के काम आती हैं।

भाजपा के 7 मोर्चा प्रभारी घोषित, इनमें 2 एमपी से

हरीश द्विवेदी को युवा, सतीश पूनिया को एसटी की जिम्मेदारी, डी. पुरंदेश्वरी महिला विंग संभालेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, एससी,ओबीसी किसान, एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को एसटी मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने संजय भाटिया को एससी मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। इनमे हरीश द्विवेदी, डी. पुरंदेश्वरी, सतीश पूनिया, संजय भाटिया, बैजयंत पांडा, लाल सिंह आर्या, गजेंद्र सिंह पटेल।

अनमोल वचन

हमारी संस्कृति की विशेषता यह है कि हम सबके शुभ की कामना करते हैं। हमारी संस्कृति 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' के सिद्धान्त में आस्था रखती है। किसी को नष्ट करने की संस्कृति हमारी नहीं है, भले ही वह हमारे विचारों से सहमत हो अथवा असहमत हो, कितना कट्टर विरोधी भी हो। इतनी व्यापकता हमारी संस्कृति की ही देन है, जो हर चर-अचर में जीवन देखती है। हम पशु-पक्षियों को ही पूजते हैं, पत्थर भी पूज लेते हैं क्योंकि हमारी मान्यता यह है कि हमारी सृष्टि में जो भी है वह पूजनीय है। हमारे लिये जीवन के पंच तत्व - पृथ्वी, गगन, वायु, जल, अग्नि सब पूजनीय हैं। इन पंच तत्वों से ही हमारे शरीर की रचना हुई है। हम सबके सुख और नीरोगता की कामना करने वाले हैं। सब एक-दूसरे को अच्छी दृष्टि से देखें। सभी सन्मार्ग के गामी हों। प्रतिदिन प्रार्थना से यही कामना की जाती है। हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं–"हे रिद्धि-सिद्धि के दाता, हम सब को प्रेम से भरी आँखें देना, सहयोग करने वाले हाथ देना, सन्मार्ग पर चलने वाले पाँव देना। प्रभु का सुमिरण करने वाला तथा सत्य बोलने वाला मन देना, सत्य से जुड़ी जिह्वा देना।" हे प्रभु, अपने सभी भक्तों को अपनी कृपा दृष्टि से निहाल कर देना। ऐसी सुन्दर और सर्वहितैषी संस्कृति का संसार के प्रत्येक मनुष्य को सम्मान करना चाहिए।

सुप्रीमकोर्ट का नोएडा पुलिस पर बड़ा डंडा, एसीपी डॉ. रवि शंकर मिश्रा को किया सस्पेंड, डीजीपी ने लिया बड़ा एक्शन

कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल छात्र पर की गई थी कार्रवाई; डीजीपी ने दिए जांच के आदेश, सुप्रीम कोर्ट को दी गई जानकारी

लखनऊ/नई दिल्ली/नोएडा : दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक मामले को लेकर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के छात्र अक्षत त्रिपाठी को सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निदेशों के बावजूद नोटिस जारी किए जाने का मामला तूल पकड़ चुका है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए नोएडा के मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई है। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया है कि कार्रवाई करते हुए ग्रेटर नोएडा के एसीपी/कार्यपालक मजिस्ट्रेट को निलंबित कर दिया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने यह जानकारी रखी है, जबकि डीजीपी ने भी पूरे मामले की गहन जांच के निर्देश दिए हैं।सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई और चीफ जस्टिस की तीखी टिप्पणीः बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान उस वक्त तीखा मोड़ आया जब चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने मजिस्ट्रेट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील ने मौखिक रूप से मुख्य न्यायाधीश की बेंच के सामने इस पूरे घटनाक्रम को रखा। वकील ने अदालत को बताया कि किस तरह एक एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने छात्र को नोटिस भेजकर 5 लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड भरने का जवाब तलब किया था। सीनियर एडवोकेट पीवी दिनेश ने जुलाई में हुए छात्र विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े दूसरे मामलों की सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने यह याचिका पेश की। सीनियर वकील ने बेंच से याचिका पर विचार करने का आग्रह करते हुए कहा, "अधिकारियों तक एक कड़ा संदेश जाना चाहिए।" दिनेश ने इस

बात पर जोर दिया कि नोटिस में कहा गया था कि वह छात्रों के बीच सरकार-विरोधी और गुमराह करने वाली बातें कर रहे थे और उनसे एक बॉन्ड भरने के लिए कहा गया था।इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी हैं और भविष्य में किसी भी छात्र के खिलाफ जबरदस्ती की कार्रवाई पर पूरी तरह रोक लगा दी है, ऐसे हालात में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने आखिर किसी छात्र को नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे जुटाई? अदालत ने दो टूक कहा कि देश का कोई भी मजिस्ट्रेट शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन करने का हकदार नहीं है। वकील ने इसे कोर्ट की गरिमा की अवमानना बताते हुए कहा कि अधिकारी छात्रों के मन में डर का माहौल नहीं बना सकते। इस पर अदालत ने जिला प्रशासन से स्पष्ट जवाब मांगने का भरोसा दिलाया है।पूरा घटनाक्रम और 5 लाख के बॉन्ड का विवादः यह पूरा विवाद 4 सितंबर को सामने आया, जब नोएडा कमिश्नरेट के अंतर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जीबू के छात्र और प्रयागराज (झूंसी) के रहने वाले अक्षत त्रिपाठी के खिलाफ बीएनएसएस (BNSS) की धारा 130 के तहत नोटिस जारी किया गया। अक्षत त्रिपाठी स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) की यूपी स्टेट कमेटी के सदस्य भी हैं। नोटिस का आधारः इको-टेक प्रथम थाने के एसआई शिवा पांडेय की रिपोर्ट के आधार पर यह नोटिस भेजा गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि छात्र ने विश्वविद्यालय के छात्रों को उखढ के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और सरकार-विरोधी व भ्रामक बातें फैलाईं, जिससे शांति भंग होने की आशंका थी। नोटिस की शर्तेंः छात्र से जवाब मांगा गया था कि क्यों न उसे आगामी 6 महीने तक शांति बनाए रखने के लिए पाबंद किया जाए और इसके एवज में 5 लाख रुपये का निजी मुचलका तथा उतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश किए जाएं। नोटिस की वापसीः सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख और संभावित अवमानना को भांपते हुए पुलिस ने अगले ही दिन यानी 5 सितंबर को यह नोटिस वापस ले लिया था। छात्र का पक्ष और वीडियो बयानः कार्रवाई के घेरे में आए छात्र अक्षत त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपना पक्ष रखा था। उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या इस देश के लोकतंत्र में सरकार की नीतियों के खिलाफ बोलना या पेपर लीक जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना अपराध है? छात्र ने बताया कि उनकी कोई व्यक्तिगत आय नहीं है, ऐसे में 5 लाख रुपये की शर्त व्यावहारिक रूप से असंभव है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे पिछले 3 महीने से विश्वविद्यालय गए ही नहीं हैं और 20 जुलाई के प्रदर्शन से डेढ़ महीने पहले ही अपने घर इलाहाबाद आ चुके थे, इसलिए उनका उस प्रदर्शन या छात्रों को उकसाने से कोई लेना-देना नहीं था।

खतौली में महिला से लूटे सोने के कुंडलः सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, आरोपी फरार

बैंक से रुपये निकालकर लौट रही महिला को लूटने के लिए सूंघाया नशीला पदार्थ

खतौली। नगर के मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी (श्यामपुरी) में दिनदहाड़े टप्पेबाजी और लूट की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बैंक से रुपये निकालकर अपने घर लौट रही एक महिला को बातचीत में उलझाकर शातिर युवक-युवती ने नशीला पदार्थ सुंघा दिया और उनके कानों से सोने के कुंदन उतारकर रफूचक्कर हो गए। घटना के बाद से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। बातचीत में उलझाकर सुंघाया नशीला पदार्थ प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी श्यामपुरी निवासी विमलेश पत्नी जोगिंदर गुरुवार को स्थानीय बैंक से रुपये निकालने के बाद पैदल ही अपने घर लौट रही थीं। रास्ते में अचानक एक अज्ञात युवक और युवती उनके पास आए और किसी बहाने से उनसे बातचीत शुरू कर दी। आरोप है कि बातचीत के दौरान शातिर ठगों ने महिला को कोई नशीला या सम्मोहक पदार्थ सुंघा दिया, जिससे वह अर्धबेहोशी की हालत में आ गईं। कानों के कुंदन लेकर फरार हुए आरोपी महिला के अचेत होते ही आरोपियों ने बेहद सफाई से उनके कानों में पहने सोने के भारी कुंदन उतार लिए और मौके से फरार हो गए। महिला को जब कुछ होश आया और कुंदन गायब होने का अहसास हुआ, तो उन्होंने शोर मचाया। पीड़िता की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर एकत्र हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई घटना, जांच में जुटी पुलिस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पीड़िता व आसपास के लोगों से मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि पूरी वारदात गली में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उनकी जल्द गिरफ्तारी की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त होते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भोपा क्षेत्र में लापता युवा किसान का नाले में मिला शवः सुबह खेत पर गया था, परिजनों में मचा कोहराम

संदिग्धावस्था में मौत, पुलिस तहरीर मिलने पर करेगी कार्रवाई

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव भोपा में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सुबह से घर से लापता 30 वर्षीय किसान का शव देर शाम उसी के खेत के पास स्थित एक नाले से बरामद हुआ। नाले में शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। किसान की अचानक हुई मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सुबह खेत पर गया था युवा किसान प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव भोपा निवासी भीम (30 वर्ष) पुत्र स्व. धर्मपाल गुरुवार की सुबह अपने खेत पर काम करने के लिए घर से निकला था। शाम तक जब वह वापस घर नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने आसपास और गांव में उसकी काफी तलाश की, लेकिन भीम

का कोई सुराग नहीं लग सका। खेत के पास नाले में तैरता मिला शव

देर शाम परेशान परिजन कुछ ग्रामीणों को साथ लेकर दोबारा खेतों की तरफ भीम की तलाश में निकले। खोजबीन के दौरान जब परिजन खेत के समीप पहुंचे, तो पास ही स्थित एक नाले में एक युवक का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। ग्रामीणों की मदद से जब शव को नाले से बाहर निकाला गया, तो उसकी पहचान भीम के रूप में हुई। भीम को अचेत व मृत अवस्था में देखकर परिजनों के होश उड़ गए और कोहराम मच गया। परिजन गमगीन माहौल में शव को उठाकर तुरंत अपने घर ले आए।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

युवक की असमय और संदिग्धावस्था में हुई मौत से उसकी वृद्ध मां इंद्रेश, भाई अजय और भूरा का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक के दोनों भाई गांव से बाहर रहकर मजदूरी व कार्य करते हैं, जबकि उसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी है। घर में भीम ही खेती-बाड़ी संभालता था। पुलिस को नहीं दी गई आधिकारिक सूचना

इस संबंध में जब थाना भोपा पुलिस से बात की गई तो उन्होंने बताया कि परिजनों की ओर से घटना के संबंध में अभी तक पुलिस को कोई लिखित या मौखिक सूचना नहीं दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सूचना मिलने या तहरीर प्राप्त होने पर मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर में बढ़ा स्वाइन फ्लू का प्रकोपः बझेड़ी में मिला नया मरीज, जिले में संक्रमितों की संख्या 15 पहुंची

स्वाइन फ्लू का संकट से स्वास्थ्य विभाग में मचा हडकंप

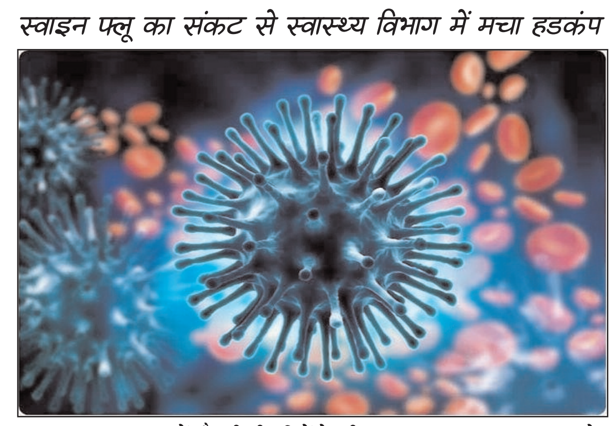

मुजफ्फरनगर। जनपद में मौसमी बीमारियों के बीच स्वाइन फ्लू (H1N1) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ाई गई सतर्कता, निगरानी और सैंपलिंग के बावजूद नए मरीज सामने आने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला बझेड़ी क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति में स्वाइन फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इस नए केस के साथ ही जिले में स्वाइन फ्लू के कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जिससे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

शहर से लेकर देहात तक फैला संक्रमण

जिले में स्वाइन फ्लू लगातार अपने पैर पसार रहा है। बझेड़ी से पहले शनिवार को शहर के जानसठ रोड और प्रकाश चौक निवासी दो अधेड़ उम्र (50 वर्ष से अधिक) के व्यक्तियों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी। वहीं बुधवार को मोरना ब्लॉक क्षेत्र में भी एक मामला दर्ज किया गया था। अब तक शहर के प्रमुख इलाकों के अलावा खतौली, जानसठ, मोरना और बझेड़ी जैसे ग्रामीण इलाकों में भी स्वाइन फ्लू के मरीज मिल चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ाई स्क्रीनिंग

नया मामला सामने आते ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (उटड) डॉ. सुनील कुमार तेवतिया के निदेशों पर स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर निगरानी तेज कर दी है। टीमों ने मरीजों की सेहत का हाल जाना, उनके परिजनों व आसपास के लोगों की स्क्रीनिंग की और दवाएं वितरित कीं।

सितंबर-अक्टूबर का महीना संवेदनशील, सभी मरीज स्थिरः सीएमओ

सीएमओ डॉ. सुनील कुमार तेवतिया ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर का महीना मौसमी बदलाव और संक्रामक बीमारियों के लिहाज से काफी संवेदनशील होता है, जिसके कारण वायरस के प्रसार में तेजी देखी जा रही है। उन्होंने राहत व्यक्त करते हुए कहा कि फिलहाल जिले में मिला कोई भी मरीज गंभीर स्थिति में नहीं है और सभी का उनके घरों पर ही उचित उपचार व मॉनिटरिंग जारी है।

स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि तेज बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें।

अतिक्रमण हटाने पहुंची पालिका टीम, सिर्फ छत की दीवार तोड़कर लौटी !

नगर मजिस्ट्रेट के आदेश के चार महीने बाद पुलिस फोर्स के साथ हुई कार्रवाई, सड़क पर कथित पक्का अतिक्रमण जस का तस, तहसील कर्मचारी पर टीम से अभद्रता और अधिकारियों को धमकाने के आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका की कार्रवाई एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नुमाइश कैंप कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका की टीम गुरुवार को पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने हथौड़े से कार्रवाई शुरू भी की, लेकिन कुछ देर बाद केवल छत के ऊपर बनी एक दीवार तोड़कर वापस लौट गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिस पक्के अतिक्रमण की शिकायत की गई थी, वह सड़क पर नीचे मौजूद होने के बावजूद जस का तस छोड़ दिया गया। कार्रवाई के इस तरीके को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

चार महीने पहले जिलाधिकारी से हुई थी शिकायत

बताया गया कि नुमाइश कैंप कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार ने करीब चार महीने पहले जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि एसडीएम सदर के यहां रसोइया के रूप में कार्य कर चुके तहसील कर्मचारी चंदन सिंह ने बंद गली के रास्ते पर मंदिर की आड़ में पक्का निर्माण कर कथित रूप से अतिक्रमण कर लिया है। शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने मामले की जांच के निर्देश नगर मजिस्ट्रेट को दिए थे।

जांच के बाद नगर पालिका को मिला अतिक्रमण हटाने का आदेश

जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट स्तर से मामले की जांच की गई। जांच के बाद नगर पालिका को कथित अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता का कहना है

कि आदेश जारी होने के बावजूद करीब चार महीने तक मौके पर कार्रवाई नहीं हुई। गुरुवार को आखिरकार नगर पालिका की टीम पुलिस फोर्स के साथ नुमाइश कैंप कॉलोनी पहुंची।

संकरी गली में बुलडोजर नहीं पहुंचा, हथौड़े से शुरू हुई कार्रवाई

मौके पर पहुंची टीम के सामने गली संकरी होने के कारण बुलडोजर ले जाने की स्थिति नहीं थी। इसके बाद पालिका कर्मचारियों ने हथौड़े से निर्माण तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। लेकिन कुछ ही देर में कार्रवाई का रुख बदल गया। टीम ने छत के ऊपर बनी एक दीवार को तोड़ा और इसके बाद मौके से लौट गई।

सड़क पर मौजूद कथित पक्का अतिक्रमण नहीं टूटा

शिकायतकर्ता प्रमोद कुमार का आरोप है कि जिस अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद टीम पहुंची थी, उसमें सड़क पर मौजूद पक्का निर्माण भी शामिल है, लेकिन उसे नहीं हटाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि केवल ऊपर की दीवार तोड़ने से गली का कथित अतिक्रमण खत्म नहीं हुआ और मुख्य हिस्सा अभी भी मौके पर मौजूद है।

कार्रवाई के दौरान तहसील कर्मचारी पर अभद्रता के आरोप

मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है। शिकायतकर्ता और स्थानीय लोगों का आरोप है कि मौके पर कार्रवाई के दौरान तहसील कर्मचारी चंदन सिंह ने नगर पालिका की टीम और अधिकारियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि उन्होंने अधिकारियों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उंगली दिखाकर बात की। इतना ही नहीं, शिकायतकर्ता का दावा है कि कर्मचारी ने अधिकारियों को नौकरी खा जाने तक की धमकी दी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि चंदन सिंह वर्तमान में सदर तहसील में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात हैं और तहसील में नौकरी करने के कारण नगर पालिका तथा पुलिस अधिकारियों पर अपना प्रभाव दिखाने का प्रयास करते हैं।

भोपा में मूकबधिर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तारः भोपा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल

मोरना (मुजफ्फरनगर)।। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव में मूकबधिर युवती के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है।

घर में अकेली पाकर दरिंदे ने बनाया शिकार

थाना भोपा क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, मंगलवार को परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने काम के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे। घर पर उनकी मूकबधिर पुत्री अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव का ही रहने वाला आरोपी गुड्डू

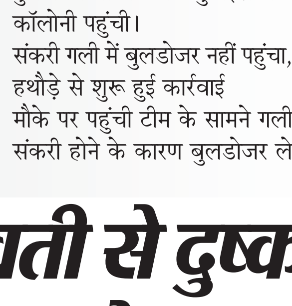

मौके का फायदा उठाकर जबरन घर में घुस आया और असहाय युवती को अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया। शाम को जब परिजन काम से वापस घर लौटे, तो पीड़ित युवती ने इशारों के माध्यम से अपने साथ हुई इस दरिंदगी की पूरी जानकारी दी। बेटी की आपबीती सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। इसके बाद परिजन तुरंत थाना भोपा पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई।

पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने बुधवार को आरोपी गुड्डू के खिलाफ संबंधित संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा की गई कड़ाई से पूछताछ के बाद गुरुवार को आरोपी गुड्डू का चालान कर उसे सक्षम न्यायालय में पेश किया गया,

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत मान स्पोर्ट्स क्लब, अधिकृत हस्ताक्षरी, श्री सन्दीप सिंह मान पुत्र श्री त्रिलोचन सिंह मान, श्री मनजीत सिंह मान पुत्र श्री सतपाल सिंह मान, निवासी 160, भोपा रोड, नईमण्डी, तहसील - सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0:- MZDA/BP/COMP/25-26/0578 के द्वारा अपनी भूमि खसरा नं0-502/2, ग्राम-मुस्तफाबाद, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के कुल क्षेत्रफल 2215.00 वर्गमी0 (कुल नेट क्षेत्रफल 2215.00 वर्गमी0) पर 'विद्यमान/शमन स्विमिंग पूल एवं स्पोर्ट्स ग्राउण्ड' के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल खसरा नं0-502/2, ग्राम-मुस्तफाबाद, जनपद-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार 'बाग एवं उद्यान' भू-उपयोग में दर्शित है।

अवगत कराना है कि उ0प्र0 विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेग्युलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेग्युलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 7.1 के अनुसार 'बाग एवं उद्यान' भू-उपयोग के अन्तर्गत 'स्विमिंग पूल एवं स्पोर्ट्स ग्राउण्ड' की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेग्युलेशन/महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेग्युलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत निदान फाउण्डेशन, डायरेक्टर महन्त शांतमुनि, संदीप सेठ बिडकर उर्फ महन्त माधव व्यास शेवलीकर, पुत्र श्री जगदीश सेठ, निवासी श्रीकृष्णाज्ञान मन्दिर, एन ब्लॉक, रघुवीरनगर, टौरोग गार्डन, दिल्ली हाल निवासी श्री कृष्ण मन्दिर, मौहल्ला-दुर्गापुरी, कस्बा खतौली, परगना व तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0:-MZDA/BP/26-27/0064 के द्वारा अपनी भूमि ग्राम-मुबारिकपुर, तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के कुल क्षेत्रफल 353.02 वर्गमी0 (कुल नेट क्षेत्रफल 353.02 वर्गमी0) पर "धर्मशाला / आश्रम" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल ग्राम-मुबारिकपुर, तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग खतौली महायोजना-2021 के अनुसार 60 मीटर चौड़े महायोजना मार्ग का विस्तार/मार्गाधिकार छोड़ने के उपरान्त "बस अड्डा / कार्यशाला" भू-उपयोग में दर्शित है।

अवगत कराना है कि उ0प्र0 विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेग्युलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेग्युलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 5.12(a) के अनुसार "बस अड्डा / कार्यशाला" भू-उपयोग के अन्तर्गत "धर्मशाला / आश्रम" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेग्युलेशन/महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेग्युलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर

पत्रांक 1672/8ए | दिनांक 27-8-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर द्वारा प्रतिशत दर पर टी-1 के द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में रजिस्टर्ड श्रेणी कॉलम संख्या-8 के अनुसार (जैसा लागू हो) कार्य हेतु अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग (http://etender.up.nic.in) के माध्यम से निविदा मांगी जाती है। निविदादाता किसी अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

2.

क्र० सं०	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु लाख में)	धरोहर धनराशि (रु लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर कॉस्ट + स्टेशनरी चार्ज + जीएसटी)	ठेकेदार के वांछित पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मुजफ्फरनगर	मीरापुर से खेड़ी कुरेश मार्ग के पुनः निर्माण का कार्य।	11.00	1.10	06 माह	500.00 + 225.00 + 132.00 = 857.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी
2	मुजफ्फरनगर	नरा से दौलतपुर मार्ग प्रथम भाग के पुनः निर्माण का कार्य।	29.00	2.90	06 माह	500.00 + 300.00 + 144.00 = 944.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी
3	मुजफ्फरनगर	जीवना पुरा से खुब्बापुर मार्ग के पुनः निर्माण का कार्य।	27.00	2.70	06 माह	500.00 + 300.00 + 144.00 = 944.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी
4	मुजफ्फरनगर	जलालपुर नीला से सिख डेरा तक मार्ग के पुनः निर्माण का कार्य।	23.00	2.30	06 माह	500.00 + 300.00 + 144.00 = 944.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी
5	मुजफ्फरनगर	रामराज हाशमपुर रोड से हाशिमपुर शिव मन्दिर की ओर मार्ग के पुनः निर्माण का कार्य।	13.00	1.30	06 माह	500.00 + 225.00 + 132.00 = 857.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी
6	मुजफ्फरनगर	नन्हेड़ी से नन्हेड़ा मार्ग तक पुनः निर्माण का कार्य।	33.00	3.30	06 माह	500.00 + 300.00 + 144.00 = 944.00	मार्ग श्रेणी ए, बी, सी एवं डी

- कार्य के अनुरक्षण की अवधि पांच वर्ष है। पाँच वर्षीय अनुरक्षण हेतु भुगतान की प्रक्रिया प्रमुख अभियन्ता उ०प्र०, लो०नि०वि०, लखनऊक के पत्रांक 3689सी०/आर0एम0एल0/मूल-23-24 दिनांक 17.02.2024 में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में समय-समय पर किया जायेगा।
- बिल ऑफ़ क्वान्टीटी में लगायी गयी दरें सभी करों को जोड़ते हुए तथा जी०एस०टी० को छोड़ते हुए लगायी गयी है।
- निविदा में मांगी गयी निविदा धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य (कॉलम नं० 5 एवं 7 के अनुसार) ऑन लाईन केवल नेट बैंकिंग द्वारा भुगतान के पश्चात् यू०टी०आर० प्राप्ति रसीद के रूप में ही मान्य होगा।
- शासनादेश संख्या 14/2020/879/तेईस-7-2020-176(सा)/06, दिनांक 25.08.2020 के अनुसार निविदाएं प्रहरी एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त की जायेगी।
- निविदा ऑन लाईन दिनांक 19.09.2026 को प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 26.09.2026 की अपराह्न: 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी विड दिनांक 26.09.2026 की अपराह्न: 02:30 बजे खोली जायेगी। अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिडें कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
- शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018/42 आई०टी०/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
- उक्त निविदाओं के अन्तर्गत उ०प्र० लोक निर्माण अनुभाग-7 का शासनादेश संख्या 86/2026/649/2026/ 23-709/106/2025 दिनांक 23-05-2026 द्वारा दिये गये निर्देश एवं शर्ते लागु होगी एवं धरोहर धनराशि उक्त शासनादेश के अनुसार ही ली जायेगी।
- निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर
pdpwdmzn@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शुक्रवार 11 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

तीन बच्चों की मां को तीन तलाक देकर किन्नर के साथ फरार हुआ पति, इंसाफ के लिए एसएसपी कार्यालय पहुंची पीड़िता

छह साल पहले हुई थी शादी, दहेज के लिए मारपीट का आरोप, पति पर किन्नर से संबंध रखने और उसे घर लाकर पत्नी के साथ मारपीट करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। तीन बच्चों की मां को कथित रूप से तीन तलाक देकर पति के किन्नर के साथ फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने, प्रताड़ित करने तथा जान से मारने की कोशिश करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम प्रार्थना पत्र सौंपा और मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शामली की रहने वाली महिला की छह साल पहले हुई थी शादी

पीड़िता के मुताबिक वह जनपद शामली की रहने वाली है। करीब छह वर्ष पूर्व उसका निकाह मुजफ्फरनगर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला आर्यपुरी निवासी इस्तिखार बैग के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। महिला का कहना है कि शादी के समय उसके मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज और घरेलू सामान दिया था, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग उससे खुश नहीं थे और शादी के कुछ समय बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट का आरोप

पीड़िता ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ आए दिन मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। महिला के मुताबिक उसने परिवार बचाने के लिए काफी समय तक ससुराल पक्ष की प्रताड़ना सहन की, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इस दौरान उसके तीन बच्चे भी हुए।

पति पर किन्नर से संबंध रखने का आरोप

पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में पति पर शादी से पहले से ही जोया नाम की किन्नर से कथित संबंध होने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसके पास पति और उक्त किन्नर से संबंधित कुछ वीडियो भी सुरक्षित हैं। आरोप है कि पति कई बार जोया किन्नर को घर भी लेकर आया। महिला द्वारा इसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई।

दो जून की घटना ने बढ़ाई परेशानी

पीड़िता के मुताबिक दो जून को उसके पति, नन्दोई और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने उसके साथ कथित रूप से जान से मारने की नीयत से मारपीट की। महिला का आरोप है कि इसी दौरान दुपट्टे से उसका गला घोंटने की कोशिश की गई, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने के बाद उसने घटना की जानकारी अपने मायके पक्ष के लोगों को दी।

मामा के पहुंचने पर पति ने दिया तीन तलाक

पीड़िता ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद मीमलाना रोड निवासी उसके मामा उसकी ससुराल पहुंचे और पति व अन्य ससुरालियों से बातचीत की। आरोप है कि इसी दौरान उसके पति इस्तिखार बैग ने उसे कथित रूप से तीन तलाक दे दिया और घर से निकल जाने के लिए कह दिया। इसके बाद महिला अपने तीनों बच्चों के साथ ससुराल से अलग रहने को मजबूर हो गई।

तीन बच्चों को लेकर मामा के घर रह रही पीड़िता

महिला का कहना है कि पति द्वारा घर से निकाले जाने के बाद से वह काफी समय से अपने मामा के घर रह रही है। तीन बच्चों की जिम्मेदारी भी उसके ऊपर है। पीड़िता का आरोप है कि पति की ओर से उसके और बच्चों की देखभाल के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की जा रही है, जिसके चलते वह बच्चों को लेकर दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

पति के किन्नर के साथ फरार होने का आरोप

पीड़िता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसका पति अब जोया किन्नर के साथ फरार हो गया है और वर्तमान में यहां मौजूद नहीं है। महिला का कहना है कि पति के इस तरह चले जाने के बाद उसकी और उसके तीनों बच्चों की परेशानी और बढ़ गई है।

एसएसपी से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गुहार

पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की और पति समेत ससुराल पक्ष के आरोपित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। महिला ने पुलिस अधिकारियों से अपने साथ हुई कथित मारपीट, दहेज उत्पीड़न, तीन तलाक और अन्य आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की भी गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि वह अपने तीन बच्चों के साथ इंसाफ की उम्मीद लेकर पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रही है। उसने मांग की है कि उसकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे और उसके बच्चों को न्याय दिलाया जाए। पुलिस जांच के बाद ही लगाए गए आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खतौली में ट्रक और छोटे हाथी की जोरदार टक्कर, दो लोग गंभीर घायल

जावन कांटे के पास हुआ हादसा, घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई पुलिस; हालत गंभीर होने पर दोनों को किया गया रेफर

खतौली। खतौली क्षेत्र में जावन कांटे के पास गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ट्रक और छोटे हाथी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि छोटे हाथी में सवार दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया।

जावन कांटे के पास अचानक हुई भिड़ंत

जानकारी के अनुसार खतौली क्षेत्र में जावन कांटे के समीप ट्रक और छोटे हाथी के बीच किसी समय जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर होते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे की आवाज सुनकर बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

दो लोग हुए घायल

दुर्घटना में छोटे हाथी में सवार अंती गांव

निवासी अक्षय (22) पुत्र बृजेश और बिलाल (13) पुत्र अनवर घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को तत्काल मदद पहुंचाई गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली भेजा।

गंभीर हालत में दोनों को किया गया रेफर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। बताया गया कि चोटें गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। पुलिस ने घायलों के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी, जिसके बाद परिजन भी अस्पताल और घटनास्थल की ओर रवाना हो गए।

हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़

ट्रक और छोटे हाथी की भिड़ंत की जानकारी आसपास के क्षेत्र में फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। भीड़ के कारण कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और दुर्घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई।

पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच

पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मौके पर मौजूद लोगों से जानकारी ली। दोनों वाहनों की स्थिति और घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दुर्घटना किसकी लापरवाही या किन परिस्थितियों में हुई। हादसे के बाद पुलिस ने यातायात व्यवस्था को भी संभाला, ताकि मौके पर जाम की स्थिति न बने। फिलहाल दोनों घायलों का उपचार जारी है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डॉ. सत्येंद्र पाल की पांच दिन से नजरबंदी पर सपा में उबाल, जिया चौधरी ने सरकार पर लगाया तानाशाही का आरोप

बुढ़ाना में प्रस्तावित दलित बोधिसत्व धम्म यात्रा की तैयारियों के बीच पुलिस कार्रवाई से गरमाया राजनीतिक माहौल, आवास पर पहुंचे सपा जिलाध्यक्ष और कार्यकताओं ने जताया विरोध

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष (शिक्षक सभा) डॉ. सत्येंद्र पाल को पुलिस द्वारा पिछले पांच दिनों से नजरबंद किए जाने का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। डॉ. सत्येंद्र पाल की नजरबंदी की जानकारी मिलने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं में नाराजगी बढ़ गई है। पार्टी नेताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश बताते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने के संकेत दिए हैं। डॉ. सत्येंद्र पाल के शाहपुर स्थित आवास पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। नेताओं ने उनसे मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली और पुलिस कार्रवाई पर विरोध जताया। इस दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

धम्म यात्रा की तैयारियों को लेकर गरमाया मामला

डॉ. सत्येंद्र पाल ने अपनी नजरबंदी को बुढ़ाना में प्रस्तावित दलित बोधिसत्व धम्म यात्रा की तैयारियों से जोड़ते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यात्रा की तैयारियों को लेकर सरकार घबराई हुई है और इसी वजह से उन्हें गैर लोकतांत्रिक तरीके से नजरबंद किया गया है।उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की आवाज को दबाने के लिए इस तरह की कार्रवाई उचित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सामाजिक न्याय और समानता की आवाज उठाने वाले कार्यकताओं को दबाव में लाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इससे आंदोलन और मजबूत होगा।

ह्यजितना जुल्म कर लो, समाज की आवाज नहीं रुकेगीह्ल

नजरबंद डॉ. सत्येंद्र पाल ने कहा कि कार्यकताओं और लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए चाहे जितना जुल्म किया जाए, समाज की आवाज को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकताओं से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहने का आह्वान किया और कहा कि किसी भी दबाव के आगे समाज के अधिकारों की लड़ाई को झुकाया नहीं जा सकता।

आवास पर पहुंचे जिया चौधरी, कार्यकताओं ने जताया विरोध

डॉ. सत्येंद्र पाल की नजरबंदी की सूचना मिलने के बाद सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ उनके आवास पर पहुंचे। जिया चौधरी ने डॉ. सत्येंद्र पाल से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने पुलिस कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई। सपा नेताओं का कहना था कि राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को इस प्रकार नजरबंद करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। कार्यकताओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया।

जिया चौधरी बोलीं–सरकार तानाशाही पर उतारू

सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार कार्यकताओं और लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए तानाशाही पर उतारू है। उन्होंने कहा कि समाज की आवाज को किसी भी दबाव से नहीं रोका जा सकता। जिया चौधरी ने कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान की लड़ाई समाजवादी पार्टी मजबूती के साथ जारी रखेगी। उन्होंने डॉ. सत्येंद्र पाल की नजरबंदी पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं की आवाज सुननी चाहिए, न कि उन्हें रोकने के लिए पुलिस कार्रवाई का सहारा लेना चाहिए।

जिले में राजनीतिक हलचल तेज

डॉ. सत्येंद्र पाल की लगातार पांच दिन से नजरबंदी के मामले ने जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं में इस कार्रवाई को लेकर आक्रोश दिखाई दे रहा है।

4.10 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबोचा

शहाबुद्दीनपुर रोड भट्टे के पास कार्रवाई, राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में हुई जामा तलाशी, हाईवे पर ट्रक चालक से स्मैक खरीदने का पुलिस के सामने किया दावा

मुजफ्फरनगर। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने एक आरोपी को 4.10 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शहाबुद्दीनपुर रोड स्थित भट्टे के पास घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा। कार्रवाई के दौरान आरोपी की जामा तलाशी राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में कराई गई, जिसमें उसकी जेब से स्मैक बरामद होने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार बुधवार के अस्पताल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सोनू कुमार, कांस्टेबल विनीत कुमार और कांस्टेबल अकरम मंसूरी के साथ थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग और अपराधों की रोकथाम के लिए गश्त पर थे। पुलिस टीम रामपुरी से शहाबुद्दीनपुर रोड भट्टे की ओर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास ने सूचना दी कि शहाबुद्दीनपुर रोड भट्टे से मिमलाना की

ओर जाने वाले रास्ते पर एक व्यक्ति अवैध स्मैक बेचने के लिए खड़ा है।

पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास

सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सोनू कुमार ने टीम को जानकारी दी और पुलिसकर्मी बताए गए स्थान की ओर रवाना हो गए। पुलिस के मुताबिक जैसे ही टीम शहाबुद्दीनपुर रोड भट्टे के पास पहुंची, मुखबिर ने दूर से काले कपड़े पहने एक व्यक्ति की ओर इशारा कर उसे स्मैक के साथ खड़े होने की जानकारी दी और वहां से चला गया। पुलिस को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति सकपका गया और पीछे मुड़कर वहां से जाने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे करीब रात 10 बजे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए युवक से खड़े होने का कारण पूछा गया तो उसने कथित रूप से माफी मांगते हुए बताया कि उसके पास नाजायज स्मैक है और इसी कारण वह पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था। आरोपी ने अपनी दाहिनी जेब से पन्नी की एक पुड़िया निकालकर पुलिस को दिखाई और उसमें स्मैक होने की बात कही। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के प्रावधानों से अवगत कराया। आरोपी ने अपनी जामा तलाशी राजपत्रित अधिकारी के समक्ष कराने की इच्छा जताई।

वॉशिंग मशीन में कपड़े धोते समय करंट की चपेट में आई महिला, मौत

शुक्रताल की शिवधाम कॉलोनी में दर्दनाक हादसा, महिला की मौत से परिवार में मचा कोहराम, तीन बच्चों और भतीजी के सिर से उठा मां का साया

मोरना । मोरना ब्लॉक क्षेत्र के शुक्रताल स्थित शिवधाम कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। घर में वॉशिंग मशीन से कपड़े धोते समय 35 वर्षीय मनदीप कौर पत्नी गुरजंट सिंह अचानक करंट की चपेट में आ गईं। गंभीर रूप से झुलसी महिला को परिजन आनन-फानन में मोरना के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरी कॉलोनी में शोक की लहर दौड़ गई।

कपड़े धोते समय अचानक लगा करंट

बताया गया कि गुरुवार सुबह मनदीप कौर रोजाना की तरह घर के कामकाज में जुटी थीं। वह वॉशिंग मशीन से कपड़े धो रही थीं। इसी दौरान अचानक मशीन में करंट उतरने से वह उसकी चपेट में आ गईं। करंट लगते ही मनदीप कौर झुलस गईं और उनकी चीख सुनकर पति गुरजंट सिंह दौड़कर मौके पर पहुंचे।

पति ने तुरंत निकाला मशीन का प्लग

हादसे के बाद गुरजंट सिंह ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल वॉशिंग मशीन का प्लग निकालकर बिजली का संपर्क काटा और मनदीप कौर को मशीन से अलग किया। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए मोरना स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मनदीप कौर को मृत घोषित कर दिया।

कुछ ही पलों में खुशियों वाले घर में छाया मातम

मनदीप कौर की मौत की खबर जैसे ही परिवार और आसपास के लोगों को लगी, घर में चीख-पुकार मच गई। कुछ देर पहले तक जिस घर में रोजमर्रा के कामकाज की आवाजें गूंज रही थीं, वहां अचानक मातम और सन्नाटा पसर गया। पति गुरजंट सिंह सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। असमय हुई इस मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया

मनदीप कौर अपने पीछे 14 वर्षीय बेटी शगुन, 12 वर्षीय बेटी अवनीत और 10 वर्षीय बेटे अगम सिंह को छोड़ गई हैं। मां की अचानक मौत से तीनों बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बच्चों को इस बात का एहसास भी नहीं था कि जिस मां के साथ वह रोजमर्रा की जिंदगी बिता रहे हैं, वह कुछ ही देर बाद हमेशा के लिए उनसे दूर हो जाएंगी।

भतीजी कुदरत को भी अपनी संतान की तरह पाल रही थीं

मनदीप कौर केवल अपने बच्चों की ही देखभाल नहीं करती थीं, बल्कि अपनी भाभी की मौत के बाद पांच वर्षीय भतीजी कुदरत का भी अपनी संतान की तरह पालन-पोषण कर रही थीं। कुदरत के लिए भी मनदीप कौर मां जैसी थीं। उनके अचानक चले जाने से इस मासूम बच्ची से भी मातृ-स्नेह का सहारा छिन गया है। परिवार के लोगों के लिए यह दुख और भी गहरा है कि एक साथ चार बच्चों की जिंदगी से उनका सबसे बड़ा सहारा चला गया।

परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में आगे रहती थीं मनदीप

परिजनों के अनुसार मनदीप कौर बेहद जिम्मेदार और परिवार के प्रति समर्पित महिला थीं। बच्चों की परवरिश से लेकर घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक वह पूरी निष्ठा से निभाती थीं। परिवार में उनकी मौजूदगी सभी के लिए सहारे जैसी थी। ऐसे में अचानक हुई उनकी मौत ने पति, बच्चों और बुजुर्ग माता-पिता को गहरे सदमे में डाल दिया है।

ससुराल पक्ष में पसरा गम, क्षेत्रवासियों ने जताई संवेदना

मनदीप कौर की मौत से उनके ससुर हरदयाल, सास गुरमीत कौर और पति

चार युवतियों के लापता होने से मचा हड़कंप

चरथावल, रामराज, मंसूरपुर और बुढ़ाना में अलग-अलग मुकदमे दर्ज, दो मामलों में युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप; पुलिस ने तलाश तेज की

मुजफ्फरनगर। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चार युवतियों और किशोरियों के लापता होने के मामले सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। चरथावल, रामराज, मंसूरपुर और बुढ़ाना थाना क्षेत्रों में परिजनों की ओर से दी गई तहरीरों के आधार पर पुलिस ने मुकदमे दर्ज किए हैं। लापता होने वाली युवतियों में एक की उम्र करीब 16 वर्ष, एक की करीब 15 वर्ष, एक की करीब 20 वर्ष और एक की करीब 18 वर्ष बताई गई है। रामराज और बुढ़ाना के मामलों में युवतियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप लगाए गए हैं और आरोपियों के नाम भी मुकदमों में सामने आए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू करते हुए लापता युवतियों की तलाश के प्रयास तेज कर दिए हैं।

चरथावल में शाम को घर से निकली 16 वर्षीय किशोरी, तलाश के बाद भी नहीं मिली

चरथावल थाना क्षेत्र में करीब 16 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार 8 सितंबर 2026 की शाम करीब सात बजे किशोरी घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी समय तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास के इलाकों में उसकी तलाश शुरू की। संभावित स्थानों के अलावा रिश्तेदारों और परिचितों से भी जानकारी की गई, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका। काफी तलाश के बाद भी जब किशोरी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजन चरथावल थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब किशोरी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर जानकारी जुटा रही है और मामले की जांच की जा रही है।

रामराज में 15 वर्षीय किशोरी लापता, अमरेश पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

रामराज थाना क्षेत्र के गांव स्याली में करीब 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला गंभीर रूप ले गया है। परिजन की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में गांव के ही अमरेश पुत्र बुद्ध प्रकाश निवासी गांव स्याली पर किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया है। तहरीर के मुताबिक 8 सितंबर को किशोरी अचानक लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिवार की ओर से थाने में सूचना दी गई। तहरीर में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और किशोरी की बरामदगी के साथ आरोपी अमरेश की तलाश शुरू कर दी है। किशोरी की उम्र 18 वर्ष से कम होने के कारण पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि किशोरी किन परिस्थितियों में घर से निकली और उसके बाद वह कहां गई।

मंसूरपुर में 20 वर्षीय युवती 31 अगस्त से लापता

मंसूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सन्धावली में करीब 20 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार युवती 31 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजनों ने अपनी रिश्तेदारियों, परिचितों और आसपास के संभावित स्थानों पर युवती के बारे में जानकारी की,

मुकदमा दर्ज होते ही महिला पर केस वापस लेने का दबाव, जान से मारने की धमकी का आरोप

भोपा के शुक्रतारी गांव की सविता ने जेठ समेत चार ससुरालियों पर लगाया मारपीट का आरोप

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के गांव शुक्रतारी की एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के चार लोगों पर मारपीट करने, घर से निकालने और मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद से उस पर लगातार केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। मुकदमा वापस नहीं लेने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। परेशान महिला गुरुवार दोपहर अपने परिजनों के साथ पुलिस कार्यालय पहुंची और एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर मामले में सख्त कार्रवाई तथा सुरक्षा की गुहार लगाई।

जेठ समेत चार लोगों पर मारपीट का आरोप

पीड़िता सविता पत्नी बिजेंद्र के अनुसार 8 सितंबर 2026 को उसके जेठ जोगेंद्र, जेठ के बेटे अंकित व दीपक तथा देवर राजीव ने उसके साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि चारों लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर थाना भोपा में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया।

मुकदमा दर्ज होने के बाद बढ़ा दबाव

सविता का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी पक्ष उससे केस वापस लेने का दबाव बना रहा है। महिला के मुताबिक आरोपी उसे तरह-तरह से धमका रहे हैं और कह रहे हैं कि यदि उसने मुकदमा वापस नहीं लिया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। पीड़िता ने जान का खतरा बताते हुए पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मुकदमा वापस नहीं लिया तो जान से मारने की धमकी

महिला ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र

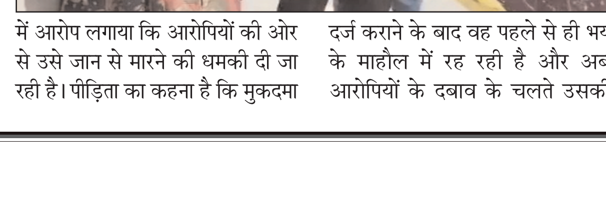

में आरोप लगाया कि आरोपियों की ओर से उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़िता का कहना है कि मुकदमा दर्ज कराने के बाद वह पहले से ही भय के माहौल में रह रही है और अब आरोपियों के दबाव के चलते उसकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। उसने पुलिस अधिकारियों से अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

पीड़िता ने ससुराल पक्ष पर उसे और उसके बेटे को जबरन घर से बाहर करने का भी आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसे अपने ही घर में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग उसे और उसके बेटे को घर से बेदखल कर बेघर करने की कोशिश कर रहे हैं।

अपने ही घर में प्रवेश से रोकने की शिकायत

सविता ने कहा कि वह अपने बेटे के साथ अपने घर में रहना चाहती है, लेकिन आरोपी पक्ष कथित रूप से उसे घर में घुसने नहीं दे रहा है। महिला ने पुलिस अधिकारियों से मांग की कि उसे जबरन घर से निकालने की कोशिश को रोका जाए और उसके साथ किसी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

गुरुवार दोपहर करीब एक बजे पीड़िता सविता अपने परिवार के साथियों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराते हुए लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा। महिला ने आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने, मुकदमा वापस लेने के लिए बनाए जा रहे दबाव पर रोक लगाने और उसे जान-माल की सुरक्षा देने की मांग की।

पीड़िता का कहना है कि पहले उसके साथ मारपीट की गई और शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन अब आरोपी पक्ष मुकदमा वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है। ऐसे में उसे आशंका है कि उसके साथ दोबारा कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उसने पुलिस अधिकारियों से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

संपादकीय

बुजुर्गों की उपेक्षा- क्या भारतीय समाज से खत्म हो रही है सामाजिक संवेदना?

पारिवारिक उपेक्षा और वृद्धाश्रमों की बदहाली बुजुर्गों के प्रति गिरती सामाजिक संवेदना दर्शाती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से वृद्धाश्रमों की रिपोर्ट मांगकर वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण पर जोर दिया है। किसी भी समाज और देश में अगर बुजुर्गों का जीवन मुश्किलों तथा चुनौतियों से दो-चार हो, तो यह न केवल वहां के कल्याण कार्यक्रमों में उनके हित से जुड़े प्रावधानों की विफलता है, बल्कि एक तरह से सामाजिक संवेदनाओं पर भी सवाल है।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि परिवार से उपेक्षित बुजुर्ग जब किसी वृद्धाश्रम में पहुंचा दिए जाते हैं, तो वहां भी उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर वृद्धाश्रमों में भी उनकी देखभाल को लेकर जैसी उपेक्षा या उदासीनता बरती जाती है, वह बुजुर्गों के प्रति समूचे समाज के रवैये में गिरावट का उदाहरण है।शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के सभी राज्यों को यह निर्देश दिया है कि वे वृद्धाश्रमों की स्थापना और वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति के बारे में ताजा रिपोर्ट दाखिल करें। शीर्ष अदालत दरअसल करीब दस साल पहले दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बुजुर्गों के कल्याण और संरक्षण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने का अनुरोध किया गया है। कहने को भारतीय समाज में बुजुर्गों को बेहद सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। ज्यादातर परिवारों में कमोबेश उनका इतना खयाल जरूर रखा जाता है, ताकि वे अपना जीवन संतोषजनक तरीके से गुजार सकें। हालांकि ऐसे लोग भी हैं, जो घर के वृद्धों की खुशी और सेहत के लिए हर संभव कोशिश करते हैं।कई बुजुर्ग अगर लंबी उम्र तक जी पाते हैं या अपना आखिरी दौर खुशी और संतोष के साथ बिता पाते हैं, तो उसमें उनका खयाल रखने वाली संतानों की बड़ी भूमिका होती है। मगर इसके बरक्स ऐसे लोग भी होते हैं, जो माता-पिता या घर के किसी भी बुजुर्ग को बोझ मानने लगते हैं। कई दंपति सिर्फ इसलिए माता-पिता से अलग रहने लगते हैं, ताकि उनकी सुविधाजनक जिंदगी में कोई दखल न हो।ऐसे लोग भूल जाते हैं कि अपनी संतान को जन्म देने से लेकर उन्हें पाल-पोस कर बड़ा करने और अपने बूते खड़ा होने लायक बनाने के लिए माता-पिता ने अपने सारे सुख की अनदेखी करके अपना पूरा जीवन झोंक दिया होता है।इसके बावजूद ऐसी नौबत क्यों आती है कि एक सुरक्षित स्थिति में जाते ही कुछ लोग माता-पिता को अपने हाल पर अकेले रहने के लिए छोड़ देते हैं। यहां तक कि किसी बीमारी से उपजी पीड़ा और बच्चों के प्रति उनकी संवेदनात्मक भूख का भी खयाल रखना जरूरी नहीं समझते। कई परिवार घर में बुजुर्गों की देखभाल नहीं करने या उपेक्षा करने से आगे जाकर उन्हें किसी ऐसे वृद्धाश्रम में पहुंचा देते हैं, जहां वे अपने जीवन का बचा हुआ वक्त किसी तरह काटते हैं।इस संदर्भ में उन कानूनी तकाजों का भी खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता, जिनमें माता-पिता या बुजुर्गों की देखभाल को लेकर संतानों की कुछ जिम्मेदारी तय की गई है।

ब्रिक्स की खास उपलब्धियां - ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तार- ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। पार्टनर देशों का संस्थागतकरण- मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।

ब्रिक्स 2026- भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48 प्रतिशत आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39 प्रतिशत हिस्सा थे।

2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।

मल्टीपोलर दुनिया में ब्रिक्स का महत्व - ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48 प्रतिशत आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39 प्रतिशत हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए।

ब्रिक्स की खास उपलब्धियां - ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं- स्ट्रेटेजिक विस्तार- ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं- ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। पार्टनर देशों का संस्थागतकरण- मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ- एन

डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर। इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ- मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में 84 बिलियन से 2024 में 1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज़्यादा है।

भविष्य की चुनौतियाँ - भारत के लिए अलग-अलग चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को आगे ले जाना आसान नहीं होगा। उनमें से कुछ ये हैं-

ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करना- भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल ब्रिक्स कनेक्ट्स का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फ़ोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है।

अंदरूनी सोच में विभिन्नता- यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। इसमें बहुत अलग-अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राज़ील) के साथ मज़बूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं।

इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्तार- ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज़्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेज़ी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है।

अलग-अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँ- फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेज़ी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर ज़ोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं।

ब्रिक्स विरोधी कोशिशों और बातों पर ध्यान देना

ब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे पश्चिम-विरोधी क्लब या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता है-

नैरेटिव को नए सिरे से पेश करना- 2026 में भारत की अध्यक्षता में नेतृत्व ने टकराव वाली छवि को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। आधिकारिक राजनयिक रुख इस बात पर ज़ोर देता है कि ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी नहीं है; यह संतुलन का पक्षधर है और ब्रिक्स देशों को प्रतिशत7-विरोधी नहीं बनना चाहिए, और प्रतिशत7 को ब्रिक्स -विरोधी नहीं बनना चाहिए। यह समूह खुद को स्वाभाविक रूप से विरोधी के बजाय गैर-पश्चिमी और सुधारवादी के तौर पर पेश करता है।

डी-डॉलरलाइज़ेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोण- गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी-डॉलरलाइज़ेशन से जुड़ी अपनी बयानबाज़ी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजाय—जिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया है—यह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है। समावेशी बहुपक्षवाद पर ध्यान- ब्रिक्स लगातार व्यापक ह सुधार, बहुपक्षीय व्यापार सुधार और समावेशी वैश्विक शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। मौजूदा संस्थानों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उनमें सुधार की वकालत करके, ब्रिक्स कई उदारवादी देशों का समर्थन हासिल करता है।

स्कूली किताबों के एक सवाल ने खोली लैंगिक समानता और साझा जिम्मेदारियों की नई राह

(वंदना तिवारी)

बच्चों को बचपन से ही लैंगिक संवेदनशीलता और साझा जिम्मेदारियों की सीख देना बेहद जरूरी है। घर-बाहर के कामों में बराबरी और रूढ़ियों को तोड़ना ही एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज का निर्माण करेगा। हमारे समाज में लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि घर का काम मुख्य रूप से महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना पुरुषों का दायित्व। मगर बदलते समय के साथ परिवार की यह तस्वीर तेजी से बदल रही है। जब कक्षा छह के सामाजिक विज्ञान के एक पाठ में बच्चों से पूछा गया कि 'क्या पिता खाना बना सकते हैं' और 'क्या मां घर के बाहर काम कर सकती हैं', तो चर्चा केवल एक पाठ तक सीमित नहीं रही। बातचीत बच्चों को परिवार, जिम्मेदारी और साझेदारी के नए अर्थ समझाने लगी। दरअसल, बच्चे परिवार और समाज को देखकर ही स्त्री और पुरुष की भूमिकाओं को समझना शुरू करते हैं। अगर वे बचपन से यह देखते और सुनते हैं कि घर का काम केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है और बाहर जाकर कमाना केवल पुरुषों का दायित्व है, तो यही धारणाएं उनके भीतर सामान्य और स्वाभाविक मान्यता के रूप में स्थापित हो जाती हैं। बाद में यही धारणाएं लैंगिक असमानता, महिलाओं पर दोहरे बोझ और घर के काम के असमान बंटवारे को बनाए रखती हैं। आज के बदलते परिवेश में जब परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी साझा है, तो घरेलू जिम्मेदारियां भी साझा क्यों नहीं होनी चाहिए? खाना बनाना, बच्चों की देखभाल करना, सफाई करना या परिवार के अन्य सदस्यों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना केवल स्त्री का काम नहीं माना जा सकता। पिता खाना बना सकते हैं और मां घर के बाहर काम कर सकती हैं। परिवार की भूमिकाएं स्थिर नहीं होतीं, बल्कि सहयोग, संवेदनशीलता और परिस्थितियों के अनुसार साझा की जा सकती हैं। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक की जानकारी देने का माध्यम नहीं है। वह बच्चों को समाज में उपस्थित असमानताओं को पहचानने, उन पर प्रश्न करने और अधिक न्यायपूर्ण संबंधों की कल्पना करने का अवसर भी देती है। विद्यालय में बच्चों को लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में पढ़ाना इसलिए जरूरी है, ताकि वे समझ सकें कि किसी कार्य को केवल स्त्री या पुरुष से जोड़ना उचित नहीं है। जब बच्चों को यह समझाया जाएगा कि पारिवारिक भूमिकाओं में सहयोग और लचीलापन एक संतुलित और सहयोगी वातावरण का निर्माण करते हैं, तो उनकी धारणा भी अलग जमीन पर विकसित होगी। भूमिका-अभिनय यानी रोल-प्ले सामाजिक विज्ञान के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है, क्योंकि इससे बच्चों में सहानुभूति और समझ का विकास संभव हो पाता है। जब बच्चे विभिन्न पारिवारिक भूमिकाएं निभाते हैं, तो उन्हें विविध दृष्टिकोणों की समझ प्राप्त होती है और वे पारिवारिक अंतर्क्रियाओं की जटिलताओं की सराहना करते हैं। यह अनुभवात्मक अधिगम मानव व्यवहार और सामाजिक मानदंडों को समझने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित होता है, जो सामाजिक विज्ञान शिक्षा के केंद्रीय तत्त्व है। भूमिका-अभिनय के माध्यम से विद्यार्थी न केवल परिवार के भीतर विशिष्ट भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं, बल्कि वे अपने निर्धारित परिदृश्यों की चुनौतियों का सामना करते हुए आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल भी विकसित करते हैं। लैंगिक संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाने का अर्थ केवल यह बताना नहीं है कि महिलाएं भी बाहर काम कर सकती हैं। इसका अर्थ यह समझाना भी है कि आर्थिक रूप से योगदान देने वाली महिला से घर की पूरी जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा करना असमानता है। इसी प्रकार पुरुषों को घरेलू काम से दूर रखना भी उन्हें देखभाल, संवेदनशीलता और पारिवारिक साझेदारी के अनुभव से वंचित करता है। साझा जिम्मेदारियां स्त्री और पुरुष दोनों को रूढ़िवादी भूमिकाओं की सीमाओं से बाहर आने का अवसर देती हैं। बच्चों के भीतर नए प्रकार के सामाजिक बदलावों के प्रति लचीलापन विकसित करना और उन्हें बदलते परिवेश से अवगत कराना बेहद जरूरी है। इससे वे केवल अपने परिवार की भूमिकाओं को अलग दृष्टि से नहीं देखते, बल्कि समानता, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को अपने जीवन से जोड़कर समझते हैं। यही समझ आगे चलकर उनके व्यक्तिगत संबंधों, कार्यस्थल और सामाजिक व्यवहार को अधिक न्यायपूर्ण बना सकती है। यह दृष्टिकोण न केवल पारिवारिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की गहरी समझ विकसित करता है, बल्कि वास्तविक जीवन के मुद्दों पर गतिशील और रोचक तरीके से आलोचनात्मक चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। इस तरह के सामाजिक प्रशिक्षण पारिवारिक गतिशीलता की जटिलताओं तथा साझा जिम्मेदारियों के महत्त्व को सिखाने में भूमिका-अभिनय की उपयोगिता को उजागर करते हैं, जो एक संतुलित पारिवारिक जीवन के निर्माण में योगदान देती हैं।

अगर शिक्षा बच्चों को रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं पर प्रश्न करना नहीं सिखाएगी, तो समाज में वास्तविक बदलाव कठिन होगा। केवल महिलाओं का आर्थिक रूप से सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है। परिवार और समाज की सोच तथा जिम्मेदारियों के बंटवारे में भी परिवर्तन आवश्यक है।

मक्का डिफेंस पैक्ट आग नहीं, धुआं निकला, मोदी की डिप्लोमेसी ने बिगाड़ दिया पाक का खेल

यही कारण है कि इस समझौते को एक मजबूत सैन्य गठबंधन की बजाय फिलहाल स्ट्रैटेजिक सिग्नलिंग और डिटरेंस का प्रयोग कहना अधिक उचित होगा। यहां इतिहास भी कई सवाल खड़े करता है। 2015 में हूती हमलों के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी अरब की रक्षा के लिए सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाई थी। 2019 में अबकैक और खुरैस के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले के समय भी कोई स्वचालित पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हुई।

(नीरज कुमार दुबे)

शुरुआत में ऐसा लगा था कि मक्का पैक्ट एक ऐसा भू-राजनीतिक प्रयोग बनकर उभर रहा है, जिसके तार पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और संभवतः बंगाल की खाड़ी तक फैल सकते हैं। समझौते का मूल संदेश यह था कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला, तीनों पर हमला माना जाएगा।

तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट की चर्चा पूरी दुनिया में हुई। मक्का पैक्ट पर हस्ताक्षर करने वाले तीनों देशों ने इसको लेकर ऐसी ऐसी बातें कहीं जिससे रक्षा रणनीति के क्षेत्र में इस समझौते की खबर आग की तरह फैल गयी। लेकिन जैसे जैसे समझौते के बिंदु सामने आने लगे वैसे वैसे दुनिया को समझ आ गया कि यहां आग से ज्यादा धुआं है। हम आपको बता दें कि बड़े-बड़े दावों और सामूहिक सुरक्षा के संदेश के बावजूद इस समझौते की सैन्य क्षमता और वास्तविक प्रभाव को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इसी बीच इस पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकालने के लिए मोदी सरकार की कूटनीति भी तेज हो गई है। भारत साफ तौर पर यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि पाकिस्तान इस समझौते का इस्तेमाल भारत के खिलाफ कोई रणनीतिक दबाव बनाने के लिए नहीं कर सके।

देखा जाये तो शुरुआत में ऐसा लगा था कि मक्का पैक्ट एक ऐसा भू-राजनीतिक प्रयोग बनकर उभर रहा है, जिसके तार पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और संभवतः बंगाल की खाड़ी तक फैल सकते हैं। समझौते का मूल संदेश यह था कि तीनों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला, तीनों पर हमला माना जाएगा। लेकिन इस घोषणा के पीछे जितनी बड़ी सामरिक महत्वाकांक्षा है, उतनी ही गहरी अस्पष्टता भी है। इसी अस्पष्टता में पाकिस्तान की सबसे बड़ी उम्मीद छिपी है और भारत के लिए सबसे बड़ा रणनीतिक सवाल भी है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में एक नया इस्लामिक नाटो बनने जा रहा है, या फिर यह राजनीतिक संदेश, सामरिक दबाव और प्रतिरोधक क्षमता का एक बड़ा लेकिन सीमित प्रयोग भर है?

देखा जाये तो मक्का समझौते की सबसे बड़ी कमजोरी इसकी भौगोलिक और सामरिक असंगति है। पाकिस्तान न तो पश्चिम एशिया का हिस्सा है और न ही खाड़ी क्षेत्र का। तुर्किये की सुरक्षा चिंताएं सीरिया, इराक, कुर्द उग्रवाद, शरणार्थियों और अपनी दक्षिणी सीमाओं से जुड़ी हैं। सऊदी अरब के सामने ईरान, यमन के हूती और क्षेत्रीय अस्थिरता की चुनौतियां हैं। पाकिस्तान की प्राथमिक चुनौती बिल्कुल

अलग है। ऐसे में सवाल उठता है कि तीनों देशों की साझा दुश्मन की परिभाषा आखिर क्या है?

यही कारण है कि इस समझौते को एक मजबूत सैन्य गठबंधन की बजाय फिलहाल स्ट्रैटेजिक सिग्नलिंग और डिटरेंस का प्रयोग कहना अधिक उचित होगा। यहां इतिहास भी कई सवाल खड़े करता है। 2015 में हूती हमलों के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी अरब की रक्षा के लिए सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाई थी। 2019 में अबकैक और खुरैस के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले के समय भी कोई स्वचालित पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हुई। दूसरी तरफ, जब पाकिस्तान और तालिबान के बीच सीमा तनाव हुआ, तब सऊदी अरब ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता नहीं दी। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि जब पुराने द्विपक्षीय समझौते संकट के समय सीधे सैन्य कार्रवाई में नहीं बदले, तो नया त्रिपक्षीय समझौता वास्तव में कितना असरदार साबित होगा?

लेकिन भारत के लिए खतरे का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि तुर्किये या सऊदी अरब वास्तव में पाकिस्तान के लिए युद्ध लड़ेंगे या नहीं? सामरिक गारंटी युद्ध शुरू होने से पहले ही राजनीतिक व्यवहार बदल देती है। पाकिस्तान को यह संदेश मिल सकता है कि उसके पीछे अब एक व्यापक सुरक्षा ढांचा खड़ा है। खासकर तब, जब तुर्किये लगातार पाकिस्तान का राजनीतिक और सैन्य समर्थन करता रहा है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसका रुख भारत के खिलाफ स्पष्ट था।

यही नहीं, 31 अगस्त को इस्तांबुल में हुई बैठक में इस समझौते को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। इसमें एक स्थायी सचिवालय बनाने, सैन्य सहयोग बढ़ाने, रक्षा उद्योग में साझेदारी करने और मिलकर रक्षा उपकरण तैयार करने की बात हुई। रियाद में सचिवालय बनाने और शुरुआती वर्षों में पाकिस्तानी महासचिव नियुक्त करने की योजना से साफ है कि इस समझौते को एक स्थायी और संगठित ढांचा देने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों से हालिया बातचीत भी बताती है कि इस दिशा में कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अब सबसे संवेदनशील मोर्चा है बांग्लादेश। यदि ढाका इस समझौते में शामिल होता है, तो मामला भारत के लिए पश्चिमी सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। पाकिस्तान से जुड़ा एक सामूहिक रक्षा ढांचा भारत की पूर्वी सीमा और बंगाल की खाड़ी तक पहुंच सकता है। भारत की 4096 किलोमीटर लंबी पूर्वी सीमा के संदर्भ में यह रणनीतिक समीकरण बदल सकता है। यही कारण है कि नई दिल्ली कथित रूप से बैकचैनल कूटनीति के जरिए ढाका की वास्तविक मंशा टटोल रही है कि क्या बांग्लादेश वास्तव में सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या इस मंच का उपयोग केवल कूटनीतिक और आर्थिक लाभ के लिए कर रहा है?

यहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की असली ताकत सामने आती है। भारत किसी एक खेमे में बंद देश नहीं है। वह स्ष्टह्र में चीन और पाकिस्तान के साथ बैठता है, अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के साथ गहरे सुरक्षा संबंध रखता है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड का सदस्य है। भारत की नीति साफ है। हर मंच पर मौजूद रहो, लेकिन किसी की रणनीतिक कैद में मत जाओ।

इसके अलावा, तुर्किये के एससीओ में पूर्ण सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा के बीच भारत के पास 'सहमति' नामक एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक हथियार है। दरअसल, एससीओ में किसी नए देश को सदस्य बनाने के लिए मौजूदा सदस्य देशों की सहमति जरूरी होती है। ऐसे में भारत का रुख साफ है। अगर तुर्किये नाटो, मक्का समझौते और एससीओ, तीनों का हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे यह भरोसा देना होगा कि पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा समझौता एससीओ के भीतर भारत के खिलाफ किसी दबाव या रणनीतिक फायदा उठाने का माध्यम नहीं बनेगा। माना जा रहा है कि भारत को तुर्किये से तीन स्पष्ट आश्वासन चाहिए। एक तो पाकिस्तान को तुर्किये के जरिए एससीओ में अप्रत्यक्ष प्रभाव नहीं मिलेगा। साथ ही स्ष्टह्र की सदस्यता किसी बाहरी रक्षा प्रतिबद्धता का विस्तार नहीं बनेगी और भारत-पाकिस्तान संकट में तुर्किये की संस्थागत स्थिति मक्का समझौते का हथियार नहीं बनेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार आतिशबाजी व्यापारियों के साथ — उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

फायरवर्क्स डीलर वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन में पटाखा व्यापारियों को सरकार के सहयोग का भरोसा

लखनऊ। फायरवर्क्स डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन लखनऊ में अटल बिहारी कनवेंशन सेंटर पर किया गया, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पटाखा व्यापारी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन में पटाखा व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों, व्यापारियों की समस्याओं, सुरक्षा मानकों तथा व्यापार को सुगम बनाने से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री ब्रजेश पाठक जी रहे। उन्होंने पटाखा व्यापारियों को स्पष्ट आश्वासन देते हुए कहा कि मैं सभी पटाखा वालों के साथ हूँ।ह्न उन्होंने व्यापारियों से अपनी दुकानों पर सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं नियमों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी को भी पटाखा दुकानदारों का उत्पीड़न अथवा शोषण नहीं करने दिया जाएगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री मोहसिन रजा जी ने पटाखा व्यापारियों को अपना परिवार बताते हुए कहा कि सभी पटाखा वाले मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों को जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वे उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर रात के 2 बजे भी मेरी जरूरत पड़ेगी, तो मैं उपलब्ध रहूँगा।

विधान परिषद सदस्य श्री सुधीर गुप्ता जी ने कहा कि प्रदेश सरकार सरल व्यापार के तहत व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पटाखा व्यापारियों की समस्याओं के साथ-साथ व्यापार से जुड़े तथ्यों और जमीनी वास्तविकताओं को केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के समक्ष रखा जाएगा, जिससे व्यापारियों की समस्याओं का उचित समाधान निकाला जा सके।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री मनीष गुप्ता जी ने कहा कि व्यापारियों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। उन्होंने आतिशबाजी

व्यापारियों को अपना पूर्ण सहयोग देते हुए कहा कि वे हमेशा संगठन और पटाखा व्यापारियों के साथ खड़े रहेंगे। विधान परिषद सदस्य श्री रजनीकांत माहेश्वरी जी ने भी अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि संगठन एवं उसके व्यापारियों के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहयोग करेंगे। अधिवेशन में उपस्थित व्यापारियों ने जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए आश्वासनों का स्वागत किया और कहा कि व्यापारी वर्ग सभी सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए सम्मानपूर्वक, सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण में अपना व्यवसाय करना चाहता है।

संगठन के पदाधिकारी एवं सभी जनपदों के प्रमुख व्यापारी उपस्थित रहे। अधिवेशन में संगठन के महासचिव महेश गुप्ता, संगठन मंत्री अनुभव अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अम्बरीश कुमार अग्रवाल, श्री ललित अग्रवाल, अखिलेश गुप्ता, रिजवान अहमद, वेद प्रकाश गुप्ता, दाऊ दयाल अग्रवाल, इमरान अली एवं सतीश चंद्र मिश्रा सहित संगठन के सचिव सचिन अग्रवाल मुजफ्फरनगर, तरुण मोटवानी एवं श्री तोषित प्रीत सिंह, श्री किशन सूद तथा कोषाध्यक्ष श्री रतन चौरसिया एवं मुजफ्फरनगर जनपद से ललित गोयल, मधुसूदन अग्रवाल सुमित अग्रवाल अरुण जैन संदीप कुमार रविकांत अग्रवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री अनुभव अग्रवाल जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में संगठन के अध्यक्ष हेमंत चांदना ने मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जी, विशिष्ट अतिथि मोहसिन रजा जी, विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता एवं रजनीकांत माहेश्वरी, व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता तथा प्रदेशभर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यापारियों एवं संगठन के पदाधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। श्री हेमंत चांदना जी ने कहा कि व्यापारियों की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी पटाखा व्यापारियों के सम्मान, अधिकार, सुरक्षित व्यापार एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य करता रहेगा अंत में सभी व्यापारियों एवं अतिथियों का धन्यवाद किया।

शामली में 9 साल की अनाथ बच्ची की जमीन पर कब्जे का आरोप! निर्माण रोकने और दबंगों पर कार्रवाई की मांग, डीएम से शिकायत

शामली। कैराना तहसील क्षेत्र के गांव गोगवान निवासी करीब नौ वर्षीय नाबालिग अनाथ बच्ची की पैतृक कृषि भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जे का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। बच्ची की संरक्षक मां समरीन पत्नी स्वर्गीय नौशाद ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर दबंग भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आपको बता दें पूरा मामला कैराना थाना क्षेत्र के गांव गोगवाननिवासी बच्ची के पिता की मृत्यु हो चुकी है और वह बेसहारा है। बच्ची के हिस्से की पैतृक कृषि भूमि गांव गोगवान में खसरा संख्या 544, 596 और 650 में स्थित है, जो उसके जीवनयापन का प्रमुख साधन बताई गई है। आरोप है कि विपक्षी पक्ष द्वारा पूर्व में बच्ची के फर्जी हस्ताक्षर कराकर एकतरफा आदेश प्राप्त करने का प्रयास किया गया, जिसके संबंध में वाद संख्या 9749/2026 उपजिलाधिकारी कैराना न्यायालय में विचाराधीन है।विधवा महिला व नाबालिक बच्चे

आरोप है कि मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा गांव गोगवान के गाटा संख्या 544 स्थित भूमि पर जबरन पक्का निर्माण कराया जा रहा है। मौके पर ईंट और रेत जैसी निर्माण सामग्री डालकर भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किए जाने की बात प्रार्थना पत्र में कही गई है। आवेदिका ने निर्माण कार्य और आंशिक अवैध निर्माण के जीपीएस फोटो भी अधिकारियों को उपलब्ध कराने का उल्लेख किया है। विधवा महिला ने आरोप लगाया गया है कि 3 सितंबर को जब समरीन ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण का विरोध किया तो दबंगों ने महिला को चारों ओर से घेर लिया और अभद्र गाली-गलौज व धक्का-मुक्की की। आरोप है कि दबंगों ने तमंचा, लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर महिला को धमकाया तथा बच्ची के हक की जमीन से दावा नहीं छोड़ने पर गोली मारने की धमकी दी। विधवा महिला का आरोप है कि 9 सितंबर को भी विपक्षियों ने न्यायालय की लंबित प्रक्रिया के बावजूद विवादित भूमि पर अवैध पक्का निर्माण जारी रखा। प्रार्थना पत्र में आशंका जताई गई है कि अंतिम फैसला आने से पहले मौके की स्थिति बदलकर अवैध कब्जा पक्का करने का प्रयास किया जा रहा है।

पीड़िता विधवा महिला ने जिलाधिकारी से नाबालिग बच्ची के हितों और पैतृक संपत्ति की सुरक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने, निर्माण रुकवाने, मौके पर यथास्थिति बनाए रखने तथा कथित दबंग भू-माफियाओं के खिलाफ कड़ी कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई करने की मांग की है।

थानाभवन में बाल श्रम के खिलाफ अभियान, 12 किशोर श्रम से कराए मुक्त

थानाभवन के मुख्य बाजार में आठ प्रतिष्ठानों की जांच, संचालकों को बच्चों से काम न कराने की हिदायत।

थानाभवन- बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को थानाभवन कस्बे के मुख्य बाजार में श्रम विभाग की टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जहां काम करते मिले 12 किशोरों को श्रम से मुक्त कराया गया। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में बच्चों से काम न कराने की हिदायत देते हुए बाल श्रम के प्रति जागरूक किया।

सहायक श्रम आयुक्त अरविंद मद्धेशिया के निर्देश पर श्रम परिवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान टीम ने विभिन्न दुकानों और

प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर बाल श्रम की स्थिति की जांच की। जहां किशोर श्रमिक काम करते मिले, उन्हें तत्काल कार्य से मुक्त कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराने के साथ ही प्रतिष्ठान संचालकों को जागरूक करना भी है। संचालकों को समझाया गया कि बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है। श्रम परिवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला ने बताया कि बाल श्रम के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाना है। सभी प्रतिष्ठान संचालकों से अपील है कि वे बच्चों से काम न कराएं और उन्हें विद्यालय भेजें, ताकि उनका भविष्य बेहतर बन सके।

अभियान के दौरान आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और वहां काम कर रहे 12 किशोरों को श्रम से मुक्त कराया गया। प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में बच्चों से काम नहीं कराने की हिदायत दी गई। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है। अभियान का उद्देश्य बाल श्रम पर रोक लगाने के साथ लोगों को जागरूक करना भी है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अभियान में थाना एएचटी प्रभारी उपेंद्र सिंह, अमरदीप, डोली, गौरव कुमार समेत टीम के अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को चेतावनी दी कि भविष्य में बाल श्रम कराते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

परमात्मा की प्राप्ति सच्ची भक्ति व प्रेम के द्वारा ही संभव : स्वामी राजदास जी महाराज

थानाभवन - थानाभवन कस्बे में चौक बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पाँचवे दिन स्वामी राजदास जी महाराज ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओ का वर्णन किया जिसको सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हुए।साथ ही गोवर्धन प्रसंग सुनाया। श्रीमद् भागवत कथा में राजदास जी महाराज ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया जिसे सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में लीन होकर झूम उठे।उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण भगवान से संस्कार की सीख लेनी चाहिए। भगवान श्री कृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा है उसके बाद भी वह अपने माता पिता के चरणों में प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे।आज के युग में बहुत कम लोग है जो सुबह उठकर अपने माता पिता को प्रणाम करते है। महाराज ने कहा धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती

है।

गोवर्धन प्रसंग में ब्रजवासियों ने इंद्र की पूजा छोडकर गिर्राज जी की पूजा शुरू कर दी तो इंद्र ने क्रोधित होकर ब्रजवासियों पर मूसलाधार वर्षा करनी शुरू की, तब कृष्ण भगवान ने गिर्राज को अपनी कनिष्ठ अंगुली पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की, तब इंद्र को अपनी गलती का अहसास हुआ, इंद्र ने भगवान से क्षमा मांगी और कहा हे प्रभु मैं भूल गया था की मेरे पास जो कुछ भी है वो सब कुछ आप का ही दिया है।

उन्होंने बताया कि हर बच्चे को अपने माता-पिता व गुरू की बातों को मानना चाहिए। जिन बच्चों के ऊपर माता-पिता का आशीर्वाद है, उन्हें संसार में सब कुछ प्राप्त है। हर एक माता-पिता को चाहिए कि अपने साथ बच्चों को भागवत कथा, सत्संग, कीर्तन में जरूर साथ लाएं। धर्म की कथा सुनने से बच्चों में अच्छे संस्कार आते है।इस अवसर पर योगेश कौशिक, नीरज शर्मा, सतीश भार्गव, संजय, दीपक कुमार, खुशी, रमा देवी, तनु आदि उपस्थित रहे।

शामली में नलकूप और बिजली तार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़! 3 आरोपी गिरफ्तार, 6 वारदातों का खुलासा; दो पिकअप समेत माल बरामद

शामली। बाबरी थाना पुलिस ने नलकूपों और विद्युत पोल से तार व अन्य उपकरण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए बिजली के तार, नलकूपों का सामान, चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, दो टाटा पिकअप वाहन और चोरी का सामान बेचकर हासिल की गई 1200 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से पूछताछ के बाद थाना क्षेत्र में हुई चोरी की छह घटनाओं का खुलासा हुआ है।गुरुवार को पुलिस लाइन में पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि बाबरी थाना क्षेत्र के ग्राम कंजरहेड़ी, हाथी करौंदा, बनतीखेड़ा, फतेहपुर और कुरमाली के जंगलों में स्थित नलकूपों तथा विद्युत पोल से तार और अन्य सामान चोरी होने की शिकायतें सामने आई थीं। इन मामलों में बाबरी थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए थे। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस टीम को गिरोह की तलाश में लगाया गया था।इसी अभियान के तहत 9 और 10 सितंबर की रात पुलिस टीम हाथी करौंदा से खानपुर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने तीन संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नलकूपों से केबल और कटआउट तथा विद्युत पोल से तार काटकर चोरी करने की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया सामान और वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों

ने हाथी करौंदा, कुरमाली, कंजरहेड़ी और बनतीखेड़ा के जंगलों के अलावा कैड़ी गांव के जंगल में स्थित नलकूपों से भी चोरी करने की बात बताई। इस तरह पुलिस ने गिरोह से जुड़ी छह घटनाओं का खुलासा होने का दावा किया है।पिकअप में सामान भरकर ले जाते थे, कबाड़ियों को बेच देते थे पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्य रात के समय नलकूपों और विद्युत पोल को निशाना बनाते थे। कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बिजली के तार और नलकूपों की केबल काटने के बाद चोरी का सामान पिकअप वाहनों में लादकर ले जाया जाता था। इसके बाद माल को चलते-फिरते कबाड़ियों को बेच दिया जाता था। पुलिस का कहना है कि दोनों टाटा पिकअप वाहनों का इस्तेमाल चोरी के सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में किया जाता था। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली और मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नदीम पुत्र तनवीर निवासी मोहल्ला शिवाजी/राजपूत मोहल्ला गोंडा, थाना जाफराबाद, नई दिल्ली, साजिद पुत्र जमील अहमद निवासी खाईखेड़ा, थाना ककरौली, मुजफ्फरनगर और अब्दुल आहद पुत्र मोहम्मद अकरम निवासी गली नंबर 24, मोहल्ला धर्मपुरी, थाना उस्मानपुर, नई दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के आपसी संपर्क और उनके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में की गई वारदातों की भी जांच की जा रही है। गिरोह के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

रंग संसार

सत्य निकेतन हादसे के बीच मनोज तिवारी का 'हिंद के सितारा' कॉन्सर्ट टला, वापस किए जाएंगे टिकट के पैसे

मुंबई। अभिनेता और राजनेता मनोज तिवारी का सितंबर में होने वाला लाइव कॉन्सर्ट 'हिंद के सितारा' दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दुखद हादसे के चलते स्थगित कर दिया गया है। मनोज तिवारी की टीम ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। साथ ही बताया कि जिन लोगों ने पहले ही टिकट खरीद लिए हैं, उन्हें टिकट की पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। फिलहाल कॉन्सर्ट की नई तारीख की घोषणा नहीं की गई है। मनोज तिवारी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए पोस्ट में लिखा, "दिल्ली के सत्य निकेतन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद दुखद घटना के कारण सितंबर में आयोजित होने वाला 'मनोज तिवारी लाइव इन कॉन्सर्ट - हिंद के सितारा' स्थगित किया जाता है।हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। सभी टिकट खरीदारों को उनके टिकट की राशि वापस कर दी जाएगी।" बता दें कि 6 सितंबर को दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में 'हॉस्टल डेज' नामक पांच मंजिला लड़कों का पीजी (पेइंग गेस्ट) हॉस्टल ढह गया था। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हुए थे। हादसे के बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और हॉस्टलों की सुरक्षा जांच तथा बेहतर बुनियादी सुविधाओं की मांग उठाई। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी इस मामले में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय से छात्रावासों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा है। इस बीच, बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "हर साल लाखों छात्र अपने सपनों को पूरा करने के लिए दूसरे शहरों में जाते हैं, लेकिन क्या हम उन्हें रहने के लिए सुरक्षित जगह दे पा रहे हैं? दिल्ली में करीब 7 लाख छात्र नामांकित हैं, जबकि छात्रावासों की क्षमता केवल 30 हजार के आसपास है। यानी 31 में से सिर्फ एक छात्र को ही हॉस्टल मिल पाता है।

राज काज

बाजार में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूटा, सेंसेक्स 138 अंक चढ़ा; मीडिया और बैंकों के शेयर चमके

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी लगातार भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय शेयर बाजार लगातार तीन कारोबारी सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए गुरुवार के सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच, बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक यानी 0.19 प्रतिशत बढ़कर 74,902.59 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 46.30 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 23,477.80 पर पहुंच गया। इस दौरान, करीब 1,802 शेयरों में तेजी, 2,224 शेयरों में गिरावट और 135 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।दिन के शुरूआत में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से 21.69 अंक की मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय इसने 146.73 अंकों यानी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,910.96 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि एक समय यह 165.75 अंक यानी 0.22 प्रतिशत फिसलकर 74,598.47 के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था। वहीं निफ्टी आज अपने पिछले बंद 23,431.50 से मामूली 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला।हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 63.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,494.95 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि एक समय 51.40 अंक यानी 0.21 प्रतिशत फिसलकर यह 23,380.10 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया था। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.38 प्रतिशत और 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली कंपनियां रहीं, जबकि एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। इस बीच, मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर बनी रहीं।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 11 सितम्बर 2026

मेष – व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग।

वृष – सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

मिथुन : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

कर्क – शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

सिंह– शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

तुला – स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

वृश्चिक – लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

धनु – सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

मकर – स्वविवेक से कार्य करें। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे।

कुंभ – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मीन – श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

दैनिक पंचांग

11 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

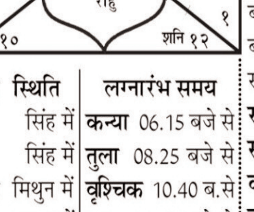

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.15 बजे से
तुला	08.25 बजे से
वृश्चिक	10.40 ब.से
धनु	12.56 बजे से
मकर	15.01 बजे से
कुंभ	16.48 बजे से
मीन	18.21 बजे से
मेष	19.51 बजे से
वृष	21.31 बजे से
मिथुन	23.29 बजे से
कर्क	01.43 बजे से
सिंह	03.59 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 254 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 13.16 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 17.02 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.57 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 20.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर $04^{\circ}38'$
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872829
जूलियन दिन 2461294.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 28
विशेष भाद्रपद अमावस्या, तान्हा पोला।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घर में एसी और फर्नीचर की मरम्मत कराने पहुंची महिला, 3 लाख 60 हजार रुपये गायब होने का आरोप

तहसील सदर का क्वार्टर खाली कर अलमासपुर स्थित मकान में रखे थे सामान और नकदी, मरम्मत के लिए बुलाए गए दो युवकों पर शक, एसएसपी से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गुहार

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के अलमासपुर में एक मकान में मरम्मत का काम कराने के दौरान कपड़ों की गठरी में रखे पर्सनुमा बैग से 3 लाख 60 हजार रुपये गायब होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एसी और फर्नीचर की मरम्मत के लिए बुलाए गए दो युवक काम के बीच में कई बार घर से बाहर गए और अगले दिन काम पर नहीं पहुंचे। रुपये गायब मिलने के बाद परिजनों ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कथित तौर पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच और रुपये बरामद कराने की गुहार लगाई है।

क्वार्टर खाली कर अलमासपुर के मकान में रखा था सामान

प्रार्थना पत्र के अनुसार अलमासपुर, बर्फखाने वाली गली, मोबाइल टावर के निकट रहने वाली संघम पत्नी अंकित कुमार ने तहसील सदर स्थित अपना क्वार्टर खाली किया था। क्वार्टर का सामान अलमासपुर स्थित अपने मकान में लाया गया था। घर में रखे एसी और फर्नीचर की मरम्मत तथा उन्हें व्यवस्थित कराने का काम चल रहा था। इसी काम के लिए महिला के पति ने अपने परिचित आंसू पुत्र ज्ञानसिंह निवासी विबिल कटारिया तथा एसी की मरम्मत के लिए शिवम पुत्र बलवीर निवासी ग्राम कवात नगर को बुलाया था।

दोपहर में शुरू हुआ था मरम्मत का काम

प्रार्थना पत्र में बताया गया कि घटना 20 अगस्त 2026 की दोपहर करीब दो बजे की है। उस समय महिला भी घर के नीचे वाले कमरे में अपना काम कर रही थी। इसी दौरान आंसू और शिवम वहां पहुंचे और एसी व अन्य सामान की मरम्मत का काम शुरू किया। आरोप है कि दोनों युवक कुछ देर काम करने के बाद घर से बाहर चले गए और करीब आधे घंटे बाद वापस लौटे। इसके बाद लगभग एक घंटे तक काम किया और फिर दोबारा काम बीच में छोड़कर बाहर चले गए। शाम को दोनों फिर वापस आए और रात करीब नौ बजे तक

काम करने के बाद अपने घर चले गए।

अगले दिन काम पर नहीं पहुंचे, फोन करने पर भी नहीं आया जवाब

शिकायतकर्ता के अनुसार अगले दिन 21 अगस्त को दोनों युवक काम पर नहीं आए। उन्हें कई बार फोन किया गया, लेकिन वह काम पर नहीं पहुंचे। इसी दौरान महिला ने घर का सामान व्यवस्थित करना शुरू किया। महिला का कहना है कि जब उसने कपड़ों की गठरी में रखे बड़े पर्सनुमा बैग को देखा तो उसमें रखी 3 लाख 60 हजार रुपये की नकदी गायब मिली। इतनी बड़ी रकम गायब मिलने से परिवार में हड़कंप मच गया।

रुपये गायब मिलने पर परिचितों से किया संपर्क

नकदी गायब मिलने के बाद महिला ने तत्काल अपने पति को जानकारी दी। इसके बाद आंसू से भी फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया। शिकायत के अनुसार कई बार फोन करने और बुलाने के बावजूद वह सामने नहीं आया। परिजनों को संदेह है कि घर में मरम्मत के लिए आए लोगों को ही नकदी के बारे में जानकारी हुई और इसी दौरान रुपये गायब किए गए। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस चौकी पर दी थी शिकायत

प्रार्थना पत्र के अनुसार रुपये गायब होने की जानकारी मिलने के बाद 21 अगस्त 2026 को महिला के पति ने कुकड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जानकारी दी थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि शिकायत दिए जाने के बावजूद अभी तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुकदमा दर्ज कराने की गुहार

पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि नई मंडी थाना पुलिस को मामले की रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच के आदेश दिए जाएं। साथ ही आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए कथित रूप से गायब हुए 3 लाख 60 हजार रुपये बरामद कराए जाएं। शिकायतकर्ता ने कहा है कि इतनी बड़ी धनराशि गायब होने के मामले में तत्काल जांच जरूरी है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके और यदि कोई दोषी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके।

मुजफ्फरनगर में आबकारी विभाग की अहम बैठक: राजस्व लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने के सख्त निर्देश, मदिरा दुकानों का हुआ औचक निरीक्षण

जागाहेड़ी टोल प्लाजा पर अवैध शराब की चेकिंगके बाद बाल कल्याण समिति के सामने किया पेश

मुजफ्फरनगर। शासन के निदेर्शों के अनुरूप जनपद में आबकारी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और राजस्व संग्रह में वृद्धि के उद्देश्य से जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अपर मुख्य सचिव व आबकारी आयुक्त (उत्तर प्रदेश, प्रयागराज) के निदेर्शों के क्रम में, जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन और जिला आबकारी अधिकारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समस्त आबकारी निरीक्षक, थोक एवं फुटकर अनुज्ञापी (विक्रेता) मौजूद रहे।

राजस्व लक्ष्य और यूपीएमएल लिफ्टिंग पर जोर

बैठक के दौरान जिला आबकारी अधिकारी ने निर्धारित राजस्व लक्ष्यों

की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने समस्त फुटकर विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि मदिरा की अधिक से अधिक बिक्री की जाए और यूपीएमएल (UPML) की लिफ्टिंग में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

स्टॉक और क्यूआर कोड की गहन जांच

बैठक के तुरंत बाद विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी निरीक्षकों की टीमों ने क्षेत्र की मदिरा दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों पर पीओएस (POS) मशीन के माध्यम से ही मदिरा की बिक्री सुनिश्चित कराई गई तथा मौके पर मौजूद मदिरा के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर से भौतिक सत्यापन किया गया। वहीं गोपनीय टेस्ट परचेजः दुकानों पर ओवररेटिंग रोकने और निर्धारित दर पर मदिरा की बिक्री की पुष्टि के लिए विभागीय टीम द्वारा गोपनीय 'टेस्ट परचेज' कराया गया।

इसके अलावा सीसीटीवी और क्यूआर कोड स्कैनिंगः सभी दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को 24/7 चालू रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, संचित स्टॉक से रैंडम आधार पर बोतलें निकालकर विभागीय मोबाइल ऐप के जरिए उनके क्यूआर (दफ) कोड को स्कैन कर प्रामाणिकता जांची गई। विभाग ने समस्त देशी मदिरा की दुकानों पर 42.8 प्रतिशत (100 एमएल) तीव्रता वाली मदिरा को मुख्य डिस्प्ले में प्रदर्शित करने और ग्राहकों को इसके प्रति जागरूक करने के कड़े निर्देश दिए गए।

जागाहेड़ी टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन चेकिंग

अवैध मदिरा के परिवहन और तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग की टीम ने जागाहेड़ी टोल प्लाजा पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों को रोककर उनकी गहन तलाशी ली गई। हालांकि, चलाए गए इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान किसी भी वाहन से कोई अवैध या गैर-प्रांत की मदिरा बरामद नहीं हुई। अधिकारियों का कहना है कि राजस्व वृद्धि और अवैध शराब की रोकथाम के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

मखियाली सीएचसी पहुंचे सीएमओ: नवजात शिशु और लेबर रूम का लिया जायजा, स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर दी चेतावनी

अस्पताल में तैनात स्टाफ से सीधी बातचीत कर कार्यप्रणाली की ली जानकारी

मुजफ्फरनगर। जनपद में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मखियाली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों, विशेष रूप से नवजात शिशु देखभाल इकाई, लेबर रूम और बाह्य रोगी विभाग का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

नवजात शिशुओं के जीवन रक्षा उपकरणों की जांच

निरीक्षण के दौरान सीएमओ का विशेष ध्यान नवजात शिशु स्थिरीकरण एवं देखभाल इकाई पर केंद्रित रहा। उन्होंने शिशुओं के उपचार के लिए उपलब्ध संसाधनों जैसे वार्मर, ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली, आवश्यक दवाओं और जीवन रक्षक उपकरणों की परिचालन स्थिति को स्वयं परखा। सीएमओ ने तैनात स्टाफ से सीधी बातचीत कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जन्म के तुरंत बाद जिन नवजात बच्चों को गंभीर स्थिति के कारण विशेष चिकित्सकीय निगरानी की

आवश्यकता होती है, उन्हें बिना किसी देरी के तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए।

प्रसव कक्ष में संक्रमण नियंत्रण और स्वच्छता पर जोर

लेबर रूम के निरीक्षण के दौरान डॉ. तेवतिया ने गर्भवती महिलाओं को दी जा रही प्रसव सुविधाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण के मानकों पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रसव कक्ष में स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने ओपीडी में उपस्थित मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिलने वाली दवाओं और परामर्श सेवाओं का फीडबैक भी लिया।

चिकित्सा अधीक्षक को दिए सख्त निर्देश

निरीक्षण की समाप्ति पर सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मखियाली के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप को सख्त हिदायत दी कि स्वास्थ्य केंद्र का संचालन शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिलना अस्पताल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सीएमओ ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और दूर-दराज से आने वाले मरीजों की सुविधाओं का ध्यान रखने के स्पष्ट निर्देश दिए।

खतौली के श्री अखंडानंद आश्रम में गूंजे श्रीकृष्ण के जयकारे: भजनों पर झूमे श्रद्धालु, भक्तिमय माहौल में मना छठी महोत्सव

भव्य भंडारे के साथ 19 सितंबर को राधा अष्टमी का ऐलान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री अखंडानंद आश्रम में गुरुवार को सर्वेश्वर भगवान श्रीराधा-कृष्ण का पावन 'छठी महोत्सव' अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। सुबह से ही आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया, जो देर शाम तक निरंतर चलता रहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान ठाकुर जी के जयकारों से आश्रम परिसर गुंजायमान रहा।

बाल स्वरूप का विधि-विधान से पूजन और महिला संकीर्तन

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का विद्वान आचार्यों के सानिध्य में विधि-विधान से पूजार्चन और श्रृंगार किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के दिव्य रूप के दर्शन कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की मंगल कामना की। इसके उपरांत महिला श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित भव्य संकीर्तन में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्ति रस में सराबोर श्रद्धालु भजनों की सुमधुर धुनों पर भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। धार्मिक अनुष्ठान एवं आरती के समापन के बाद आश्रम परिसर में विशाल भंडारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर अनुशासित तरीके से महाप्रसाद ग्रहण किया। आश्रम समिति के पदाधिकारियों

और स्वयंसेवकों ने मुस्तैदी से व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। आश्रम समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना और सौहार्द का प्रसार करना है। इस दौरान समिति की ओर से यह घोषणा भी की गई कि आगामी 19 सितंबर को आश्रम परिसर में 'राधा अष्टमी' का महापर्व अत्यंत धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति ने सभी धमार्नुरागी बंधुओं से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अखंडानंद आश्रम समिति के अध्यक्ष अमृतलाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश नागपाल, महासचिव विनीत कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष केशव अग्रवाल, संयुक्त सचिव सुनील भसीन, कीमती लाल और आश्रम व्यवस्थापक अशोक अहलावत सक्रिय रहे। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, महामंत्री प्रदीप शर्मा,

पुलिस ने कई सालों से वांछित आरोपी दबोचा: 2013 के मामले में चल रहा था वांछित

पिछले 13 साल पुराना आपराधिक इतिहास आया सामने

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराधियों और वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना खालापार पुलिस ने न्यायालय से लंबे समय से वांछित चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।

2013 के मुकदमे में चल रहा था वांछित

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आफताब पुत्र रियाज (निवासी रहमतनगर, थाना खालापार, जनपद मुजफ्फरनगर) के रूप में हुई है। अभियुक्त के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) मुजफ्फरनगर के न्यायालय में वाद संख्या 325/9/2013 (धारा 323, 504, 506 भादवि) के तहत मामला लंबित था, जिसमें वह लंबे

समय से गैरहाजिर चल रहा था और अदालत द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

आरोपी का पूर्व में भी रहा है आपराधिक इतिहास

थाना खालापार पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया अभियुक्त शातिर किस्म का व्यक्ति है। उसका पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। अभियुक्त आफताब के खिलाफ पूर्व में भी थाना खालापार पर मारपीट, घर में घुसकर हमला करने और धमकी देने जैसी संगीन धाराओं (धारा 323, 324, 452, 504 भादवि) के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने अभियुक्त का चालान कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मुजफ्फरनगर में दबंगों ने किया एक परिवार का सामाजिक बहिष्कार: हुक्का-पानी बंद और 500 लगाया जुमार्ना

मंदिर निर्माण विवाद में चंदा न देने पर दिखाई दबंगई, पीड़ित ने डीएम स लगाई न्याय की गुहार

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के ग्राम खुड्डा में मंदिर निर्माण के लिए चंदा न देने पर एक परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित दंपति का आरोप है कि चंदा देने से मना करने पर गाँव के दबंगों ने उनका हुक्का-पानी बंद कर दिया है और गाँव वालों को उनसे बातचीत न करने की हिदायत दी है। सार्वजनिक नल से पानी भरने पर रोक, 500 के जुमार्ने की धमकी

पीड़ित मीनाक्षी और उनके पति पवन कुमार ने कलेक्ट्रेट पहुँचकर जिलाधिकारी को सौंपे प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि गाँव के कुछ लोगों ने उनके खिलाफ लगभग 30 लोगों को भड़का दिया है।आरोप के मुताबिक, दंपति को न सिर्फ सार्वजनिक नल से पानी भरने से रोका जा रहा है, बल्कि यह फरमान भी जारी किया गया है कि यदि गाँव का कोई भी व्यक्ति उनसे बातचीत या कोई संबंध रखेगा, तो उस पर 500

का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, यदि वे किसी अन्य समाज के व्यक्ति से बात करते हैं, तो दबंग उस परिवार के घर पहुँचकर हंगामा और गाली-गलौज करते हैं।

मंदिर के चंदे के दुरुपयोग और मयार्दा भंग का आरोप

दंपति ने प्रार्थना पत्र में 5 ग्रामीणों को नामजद करते हुए मंदिर के चंदे को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंदिर में आने वाले पैसों का कुछ लोगों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही आरोप लगाया कि मंदिर परिसर में शराब और मांस का सेवन कर उसकी धार्मिक मयार्दा और प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाई जा रही है।

पुलिस ने की निरोधात्मक कार्रवाई

मामला तूल पकड़ने और कलेक्ट्रेट में शिकायत के बाद मुजफ्फरनगर पुलिस एक्शन में आई। पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ( ) के माध्यम से जानकारी दी कि मामले की जाँच और मिले तथ्यों के आधार पर थाना छपार पुलिस द्वारा दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।

कूड़ा और गोबर डालने को लेकर पड़ोसियों में खूनी संघर्ष, सरिया-हथौड़े से हमला

महिलाओं से भी मारपीट का आरोप; कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के रामपुरी में घर के सामने पशुओं का गोबर, घास और कूड़ा डालने को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि पड़ोसी परिवार के लोगों ने एक परिवार पर सरिया और हथौड़े से हमला कर दिया। हमले में शिकायतकर्ता, उसके भाई के सिर में चोट लगी, जबकि उसकी भतीजी की आंख पर भी हमला किए जाने का आरोप है। परिवार की महिलाओं के साथ भी मारपीट किए जाने की बात कही गई है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के सामने गोबर और घास डालने को लेकर चल रहा था विवाद

पुलिस को दी गई शिकायत में रामपुरी निवासी महेंद्र विक्रम सिंह पुत्र स्वर्गीय मुख्त्यार सिंह ने बताया कि उनके पड़ोसी आए दिन उनके घर के सामने घास और नालियों में गोबर डालते हैं। इसके अलावा सड़क पर पशु बांधे जाने से भी परेशानी होती है। आरोप है कि कूड़ा और गोबर इधर-उधर डालने से मना करने पर पड़ोसी परिवार के लोग आए दिन झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

कहासुनी के बाद सरिया और हथौड़े से हमला

शिकायतकर्ता का आरोप है कि 8 सितंबर 2026 को पड़ोसी प्रदीप पुत्र अतर सिंह और उसके परिवार के सदस्य गोलू, मिक्की, अवर्शा तथा संगीता ने मिलकर उनके परिवार के साथ झगड़ा किया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर हमलावरों ने सरिया और हथौड़े से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में महेंद्र और उनके भाई के सिर में चोट लगी।

भतीजी की आंख पर भी चोट, महिलाओं से मारपीट का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने परिवार की महिलाओं को भी नहीं बख्शा और उनके साथ मारपीट की। इसी दौरान परिवार की एक युवती की आंख पर भी चोट लगने की बात कही गई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल बन गया। परिजनों ने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई कर भविष्य में इस तरह की घटना रोकने की मांग की।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच में जुटी

घटना के संबंध में महेंद्र विक्रम सिंह ने 8 सितंबर 2026 को थाना कोतवाली नगर में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों की चोटों और मेडिकल रिपोर्ट को भी जांच का हिस्सा बनाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क निर्माण के विवाद में सभासद समेत दो नामजद, पांच अज्ञात पर मुकदमा

पुरानी नाली बंद कर सड़क बनाने का विरोध करने पर मारपीट का आरोप, लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर दोबारा हमला करने का भी दावा; जान से मारने की धमकी का आरोप

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कस्बे की नई बस्ती में सड़क निर्माण के दौरान नाली बंद किए जाने का विरोध करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। आरोप है कि सड़क निर्माण को निर्धारित मानकों के अनुसार कराने और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखने की मांग करने पर दो लोगों ने अभद्रता और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित को बचाया। आरोप है कि इसके बाद दोनों आरोपियों ने फोन कर पांच अज्ञात लोगों को बुला लिया, जो कथित तौर पर लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर पहुंचे और दोबारा मारपीट शुरू कर दी। मामले में बुढ़ाना पुलिस ने दो नामजद समेत पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क निर्माण के दौरान पुरानी नाली बंद करने का विरोध

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार नई बस्ती निवासी आसिफ कुरैशी पुत्र मौ. असगर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। 8 सितंबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे उनके मकान के सामने नगर पंचायत द्वारा सड़क निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। आरोप है कि निर्माण के दौरान पुरानी नाली को दबाकर बंद किया जा रहा था और सड़क बनाई जा रही थी, जबकि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की जा रही थी। पीड़ित का कहना है कि उसने और मोहल्ले के अन्य लोगों ने सड़क निर्माण का विरोध किसी व्यक्तिगत विवाद के चलते नहीं, बल्कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार कराने तथा नाली की उचित व्यवस्था करने की मांग को लेकर किया था।

विरोध पर इमरान और सलीम पर गाली-गलौज व हमले का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि सड़क निर्माण और नाली को लेकर सवाल उठाने से इमरान कुरैशी पुत्र हबीब उर्फ बीबा निवासी नई बस्ती, कांधला रोड बुढ़ाना और सलीम कुरैशी मेंबर निवासी मोहल्ला कस्साबान, कस्बा बुढ़ाना नाराज हो गए। आरोप है कि दोनों ने पीड़ित के साथ अभद्रता और गाली-गलौज शुरू कर दी और उसके साथ हमला कर दिया। मौके पर मौजूद मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव करते हुए किसी तरह पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद मामला शांत होने के बजाय और गंभीर हो गया।

ह्यमारो साले को, ज्यादा बड़ा बनता हैह्ल कहकर उकसाने का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान सलीम कुरैशी मेंबर ने इमरान कुरैशी को पीड़ित के साथ मारपीट करने के लिए उकसाया। आरोप है कि सलीम ने कथित तौर पर कहा कि ह्यमारो साले को, ज्यादा बड़ा बनता है ह्व इसके बाद पीड़ित के साथ हिंसा किए जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि सलीम ने हाथ मोड़ते हुए उसे नीचे की ओर धक्का दिया, जिससे उसके शरीर में गुम चोटें आईं। पांच अज्ञात लोगों को बुलाने का आरोप मामले में उस समय नया मोड़ आया जब पीड़ित ने आरोप लगाया कि इमरान कुरैशी और सलीम कुरैशी ने फोन करके करीब पांच अज्ञात लोगों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि कुछ देर बाद पांचों लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर वहां पहुंचे और पीड़ित के साथ दोबारा मारपीट शुरू कर दी ।बताया गया कि आसपास के लोगों ने एक बार फिर मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया और पीड़ित की जान बचाई। लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मौके से चले गए। जाते-जाते जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी जाते समय उसे जान से मारने की धमकी देकर गए। तहरीर में कहा गया है कि आरोपियों ने कथित तौर पर धमकी दी कि ह्लतू आज तो बच गया, तुझे जान से मारकर ही छोड़ेंगे ।ह्व इस धमकी के बाद पीड़ित ने अपने और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जताई है।

पुराने विवाद और धमकी भरे वीडियो का भी तहरीर में जिक्र

तहरीर में पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इमरान कुरैशी द्वारा पूर्व में भी उसके साथ अवैध हथियार लेकर हमला कर विवाद किया जा चुका है। इसके अलावा आरोप है कि इमरान कुरैशी और सलीम कुरैशी की ओर से धमकी भरे गानों के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए गए थे। पीड़ित ने ऐसे वीडियो अपने पास मौजूद होने की बात पुलिस को बताई है। पीड़ित ने पुलिस से कहा है कि इन घटनाओं के चलते उसे और उसके परिवार को अपनी जान-माल का गंभीर खतरा बना हुआ है। उसे आशंका है कि आरोपी भविष्य में उसके या परिवार के किसी सदस्य के साथ गंभीर घटना को अंजाम दे सकते हैं।

दूधली के ऐतिहासिक गोगा जाहरवीर मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीएम ने परखी तैयारियां

13 सितंबर से शुरू होगा तीन दिवसीय मेला, कई लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र के गांव दूधली में 13 सितंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय ऐतिहासिक जाहरवीर गोगा म्हाड़ी मेले को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में इस बार कई लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गुरुवार को एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने मेला स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और मेले के दौरान पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए।

13 सितंबर से तीन दिन तक चलेगा आस्था का बड़ा मेला

दूधली में जाहरवीर गोगा म्हाड़ी का मेला 13 सितंबर से शुरू होकर तीन दिनों तक चलेगा। मेले में मुजफ्फरनगर के अलावा आसपास के जिलों और दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन के सामने भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने की बड़ी चुनौती है।

राजस्थान के बागड़ के बाद दूधली में लगता है बड़ा मेला

जाहरवीर गोगा म्हाड़ी से जुड़ी आस्था के चलते दूधली का मेला क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। आयोजकों और क्षेत्रीय लोगों के अनुसार राजस्थान के बागड़ में लगने वाले बड़े मेले के बाद दूधली का मेला प्रमुख मेलों में शुमार होता है। मेले में दूर-दराज से श्रद्धालु जाहरवीर गोगा म्हाड़ी पर पहुंचकर मत्था टेकते हैं, प्रसाद और निशान चढ़ाते हैं तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर जानी व्यवस्थाओं की स्थिति

एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने मेला स्थल पर पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से मेले की

तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर रहेगा विशेष फोकस

मेले में भारी भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने विशेष तैयारी शुरू की है। पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के साथ-साथ मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता को रोकने पर जोर दिया जा रहा है।

एसडीएम ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान हुड़दंगबाजी, अराजकता या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल, पार्किंग, बैरिकेडिंग और चिकित्सा व्यवस्था पर जोर

कई लाख श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मेला स्थल पर पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग और चिकित्सा सुविधाओं को दुरुस्त रखने पर जोर दिया जा रहा है। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों को अपने स्तर से तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

यातायात व्यवस्था को लेकर भी तैयारी

मेले में बड़ी संख्या में वाहनों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही सुचारु रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मेले के दौरान जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। चोरी और असामाजिक तत्वों पर रहेगी नजर

भारी भीड़ के दौरान जेबकतरों, चोरों और अन्य असामाजिक तत्वों की सक्रियता की आशंका को देखते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मेला क्षेत्र में पुलिस की निगरानी और पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी। श्रद्धालुओं से भी अपने सामान और बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील की जा रही है।

निर्धना गांव में बिजली संकट का हुआ समाधान, विधायक पंकज मलिक के प्रयास से लगा नया ट्रांसफार्मर

ओवरलोड ट्रांसफार्मर के कारण ग्रामीणों को हो रही थी लो-वोल्टेज और अघोषित कटौती की परेशानी, नया ट्रांसफार्मर लगने से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

मुजफ्फरनगर। चरथावल विकासखंड के गांव निर्धना में लंबे समय से चली आ रही बिजली आपूर्ति की समस्या का आखिरकार समाधान हो गया। गांव में ओवरलोड चल रहे पुराने ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद ग्रामीणों को राहत मिली है। क्षेत्रीय विधायक पंकज मलिक के प्रयास से कराए गए इस कार्य के बाद ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया।

ओवरलोड के चलते आए दिन बिगड़ती थी बिजली व्यवस्था

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में पहले से लगा ट्रांसफार्मर क्षमता के मुकाबले अधिक लोड पर चल रहा था। गांव की बढ़ती बिजली जरूरत के चलते ट्रांसफार्मर पर लगातार दबाव बना रहता था। इसका सीधा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ रहा था। आए दिन लो-वोल्टेज की समस्या के साथ ही बिजली बार-बार गुल हो जाती थी, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

लो-वोल्टेज से घरेलू कामकाज भी हो रहा था प्रभावित

बिजली की अनियमित आपूर्ति और लो-वोल्टेज के कारण ग्रामीणों के बिजली से चलने वाले उपकरण भी ठीक से काम नहीं कर पा रहे थे। गर्मी के मौसम में समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती थी। ग्रामीणों का कहना था कि पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिलने से पंखे, कूलर समेत अन्य विद्युत उपकरण प्रभावित होते थे। इसके अलावा बार-बार ट्रिपिंग के कारण भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ती थी।

ग्रामीणों ने विधायक पंकज मलिक के सामने उठाई समस्या

बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने अपनी समस्या क्षेत्रीय विधायक पंकज मलिक के समक्ष रखी थी। ग्रामीणों ने बताया था कि गांव में बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाया जाना जरूरी है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए प्रयास किए।

नया ट्रांसफार्मर लगते ही ग्रामीणों को मिली राहत

विधायक के प्रयास के बाद गांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब गांव की बिजली आपूर्ति पहले की तुलना में बेहतर होगी और ओवरलोड के कारण होने वाली बार-बार की कटौती तथा लो-वोल्टेज की समस्या से भी निजात मिलेगी।

ग्रामीणों ने जताया विधायक का आभार

नया ट्रांसफार्मर लगने पर ग्रामीणों ने विधायक पंकज मलिक का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी समस्या को गंभीरता से लेकर उसका समाधान कराने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में गांव में बिजली आपूर्ति सुचारु रहेगी और गर्मी के दौरान भी लोगों को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

अन्य समस्याओं के समाधान की भी उम्मीद

ग्रामीणों ने कहा कि गांव में बिजली की समस्या का समाधान होने से काफी राहत मिली है। इसके साथ ही उन्होंने गांव की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान की भी उम्मीद जताई। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि इसी तरह क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाते रहें, तो गांव के विकास को और गति मिल सकती है।

नारायण निवास पर लगा जनसुनवाई का दरबार, सांसद चंदन चौहान ने सुनीं फरियादें

बिजनौर सांसद ने एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं, कई शिकायतों पर अधिकारियों से फोन पर की बातचीत, जल्द समाधान का दिया भरोसा

मुजफ्फरनगर। बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन चौहान ने मुजफ्फरनगर स्थित नारायण निवास पर जनसुनवाई करते हुए बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने सांसद के सामने अपनी समस्याएं रखीं। सांसद ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

नारायण निवास पर पहुंचे फरियादी

जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें और समस्याएं लेकर नारायण निवास पहुंचे। किसी ने क्षेत्रीय विकास से जुड़ी समस्या रखी तो किसी ने बिजली, सड़क, पानी, पुलिस-प्रशासन, राजस्व और अन्य विभागों से संबंधित शिकायत सांसद के सामने रखी। सांसद चंदन चौहान ने सभी लोगों को ध्यानपूर्वक सुना और उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

कई शिकायतों पर मौके से अधिकारियों से बात

जनसुनवाई के दौरान कई मामलों में सांसद ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए। सांसद ने स्पष्ट कहा कि आम जनता को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

ह्यजनता की समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकताह्ल

इस दौरान सांसद चंदन चौहान ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ह्लजनता ने जिस विश्वास के साथ अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी है। लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि उनका जल्द समाधान हो सके।ह्व

अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लें

सांसद ने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से ही जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और जो मामले संबंधित विभाग के स्तर पर हल हो सकते हैं, उनका बिना देरी निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा, ह्लकिसी भी फरियादी को निराश होकर वापस नहीं लौटना चाहिए। जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को उसके मामले की प्रगति की जानकारी भी दी जाए।ह्व

विकास कार्यों को लेकर भी हुई चर्चा

जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी सांसद ने लोगों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ संबंधित विभागों के समक्ष रखा जाएगा।

लोगों से सीधे संवाद का सिलसिला जारी

सांसद चंदन चौहान ने कहा कि जनता से सीधा संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सीधे सुनी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जनता को अपनी समस्याओं के लिए परेशान न होना पड़े और उनकी शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक समय से पहुंचें। जनसुनवाई के दौरान पहुंचे लोगों ने सांसद के समक्ष खुलकर अपनी बात रखी। सांसद द्वारा कई मामलों में मौके से ही अधिकारियों से बातचीत किए जाने पर फरियादियों ने संतोष जताया और समस्याओं के जल्द समाधान की उम्मीद जताई।

शिव सेना भवानी सेना महिला मोर्चा की जिला कमेटी का गठन

सदस्यता अभियान तेज कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर

मुजफ्फरनगर। शिव सेना भवानी सेना महिला मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी ने की, जबकि संचालन सविता गौतम ने किया। बैठक में संगठन के विस्तार, महिला मोर्चा की जिला कमेटी के गठन तथा सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से जिला कमेटी के विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इसमें निशा वर्मा को जिला कोषाध्यक्ष, पूनम चाहल को जिला उपाध्यक्ष तथा राखी प्रजापति को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिला स्तर पर कमेटी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शेष जिला कमेटी का गठन भी आगामी तीन से चार दिनों में पूरा कर लिया जाएगा और पदाधिकारियों की सूची कार्यालय में सौंप दी जाएगी।

बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर विशेष रूप से सदस्यता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि महिला मोर्चा को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को संगठन से जोड़कर उनकी समस्याओं और मुद्दों को मजबूती से उठाने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में सविता गौतम, पूनम गर्ग, सविता कश्यप, जिला महामंत्री सुमन प्रजापति, अनीता प्रजापति, आरती पाल, कमलेश, अनीता ठाकुर सहित अन्य महिला पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहीं।

दद्देडू में राशन वितरण पर लगा ब्रेक, सरकारी राशन लेने पहुंचे ग्रामीणों को लौटना पड़ा खाली हाथ

पुराने डीलर का कोटा निरस्त होने के बाद दूसरे डीलर को मिली जिम्मेदारी, लेकिन माप-तौल उपकरण और अंगूठा लगाने वाली मशीन समेत जरूरी सामान की नहीं हुई सुपुर्दगी

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र के गांव दद्देडू में सरकारी राशन वितरण की व्यवस्था को लेकर उस समय ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई, जब राशन लेने के लिए पहुंचे उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिल सका। राशन वितरण की जिम्मेदारी बदलने के बाद भी व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं आ सकी है। नए राशन डीलर के पास वितरण के लिए आवश्यक सामान उपलब्ध नहीं होने के कारण राशन वितरण पर ब्रेक लग गया। इससे गांव के पात्र राशन कार्ड धारकों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बताया गया कि गांव दद्देडू में पहले राशन वितरण की जिम्मेदारी एक राशन डीलर के पास थी। कुछ समय पूर्व संबंधित राशन डीलर का कोटा निरस्त कर दिया गया। इसके बाद विभागीय स्तर पर गांव में राशन वितरण के लिए दूसरे राशन डीलर को जिम्मेदारी सौंपी गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि उन्हें निर्धारित समय पर सरकारी राशन मिल जाएगा, लेकिन आवश्यक सामान की सुपुर्दगी

नहीं होने के कारण नई व्यवस्था शुरू होने से पहले ही अटक गई।

सामान की सुपुर्दगी नहीं होने से खड़ी हुई समस्या

ग्रामीणों के मुताबिक पुराने राशन डीलर के पास राशन वितरण से संबंधित माप-तौल के उपकरण, अंगूठा लगाने वाली मशीन तथा अन्य आवश्यक सामान मौजूद हैं। कोटा निरस्त होने के बाद यह सामान नए राशन डीलर को सौंपा जाना था, लेकिन अभी तक सामान की पूरी सुपुर्दगी नहीं हो सकी है।

नए राशन डीलर का कहना है कि जब तक उसे पुराने राशन डीलर से आवश्यक उपकरण और वितरण से संबंधित सामान नहीं मिलता, तब तक वह नियमानुसार राशन वितरण कैसे शुरू करे। मशीन और माप-तौल के उपकरण के अभाव में राशन वितरण करना संभव नहीं है। यही वजह रही कि राशन लेने पहुंचे ग्रामीणों को फिलहाल राशन नहीं मिल पाया।

राशन नहीं मिलने से ग्रामीणों में बढ़ी बेचैनी

सरकारी राशन पर निर्भर रहने वाले अनेक परिवारों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन वितरण की व्यवस्था में डीलर बदलने या सामान की सुपुर्दगी में जो भी समस्या है, उसका खामियाजा आम राशन कार्ड धारकों को नहीं भुगतना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि राशन वितरण की तिथि और व्यवस्था को लेकर लोग उम्मीद लगाए राशन की दुकान पर पहुंचे थे, लेकिन वहां वितरण नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पुराने और नए राशन डीलर के बीच सामान की सुपुर्दगी से जुड़ी समस्या को तत्काल दूर कराया जाए और पात्र परिवारों को उनका राशन उपलब्ध कराया जाए।

एसडीएम सदर ने लिया मामले का संज्ञान

मामले की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने के बाद एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने संज्ञान लेते हुए संबंधित आपूर्ति निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम ने राशन वितरण की व्यवस्था को सुचारु कराने और ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के लिए विभागीय स्तर पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

अंकित बालियान हत्याकांड में बड़ा खुलासा: करनाल जेल में बंद गैंगस्टर राकेश पंपू बना आरोपी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई कोर्ट में पेशी

दो महिलाओं की भूमिका रडार पर; साजिश के खुलासे के लिए पुलिस जल्द लेगी रिमांड, फरार इनामी शूटरों की तलाश में जुटी टीमें

शामली: हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करनाल जेल में बंद गैंगस्टर राकेश उर्फ पंपू को नया आरोपी बनाया है। बृहस्पतिवार को गैंगस्टर राकेश उर्फ पंपू की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामली की अदालत में कराई गई। पुलिस अब इस हत्याकांड में गैंगस्टर की भूमिका और उससे जुड़े तथ्यों का पता लगाने के लिए उसे अपनी कस्टडी में लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस का मानना है कि राकेश उर्फ पंपू से पूछताछ के बाद इस पूरे हत्याकांड की साजिश का पूरी तरह से खुलासा हो सकेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई गैंगस्टर राकेश की पेशीअंकित बालियान हत्याकांड की जांच कर रही शामली पुलिस ने मामले में नए तथ्य सामने आने के बाद गैंगस्टर राकेश उर्फ पंपू को आरोपी बनाया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करने के लिए बी-वारंट जारी करने का आवेदन दिया था। अदालत ने इस आवेदन को स्वीकार करते हुए आरोपी राकेश उर्फ पंपू को पेश करने के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की

थी। हालांकि, सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उसे सीधे तौर पर शामली की अदालत में पेश नहीं किया गया।करनाल जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए शामली की अदालत से अनुरोध किया था कि आरोपी राकेश उर्फ पंपू की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही कराई जाए। जेल प्रशासन के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उसकी पेशी कराई गई। शामली पुलिस अब राकेश उर्फ पंपू को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए अदालत में एक नया आवेदन देने की तैयारी कर रही है।अपर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि बृहस्पतिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राकेश उर्फ पंपू की अदालत में पेशी हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस अब उससे पूछताछ करने के लिए उसकी कस्टडी रिमांड की मांग करेगी। इसके लिए जल्द ही अदालत में आवेदन किया जाएगा। रिमांड मिलने के बाद पुलिस आरोपी से इस हत्याकांड से जुड़े हर एक पहलू पर गहनता से पूछताछ करेगी और साजिश की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास करेगी।हत्याकांड की साजिश और पुलिस की आगे की पूछताछ पुलिस के अनुसार, राकेश उर्फ पंपू संगठित अपराध से जुड़ा हुआ आरोपी है और वह वर्तमान में हरियाणा की करनाल जेल में बंद है। अंकित बालियान की हत्या के मामले में उसकी क्या भूमिका थी, इसकी जांच पुलिस बहुत ही बारीकी से कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एक बार कस्टडी रिमांड मिलने के बाद राकेश उर्फ पंपू से इस हत्याकांड की पूरी साजिश और उससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को लेकर पूछताछ की जाएगी। इस हत्याकांड की शुरूआत 26 अगस्त को हुई थी, जब शामली के कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुहल्ला आर्यपुरी में चार शूटरों ने हरियाणवी गायक अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात के तुरंत बाद कुख्यात गोगी गैंग ने इस हत्या की पूरी जिम्मेदारी ली थी। पुलिस तभी से इस मामले के सभी आरोपियों और साजिशकर्ताओं की तलाश में जुटी हुई थी।

अंकित बालियान हत्याकांड के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार शूटरों की तलाश शुरू कर दी थी। इसी कड़ी में 31 अगस्त की सुबह शामली पुलिस और शूटरों के बीच एक मुठभेड़ हुई थी।

मलूक नागर पर कार्रवाई की मांग को लेकर पाल समाज का मोर्चा, आंदोलन और चुनावी विरोध की चेतावनी

सहारनपुर की स्वाभिमान रैली में कथित टिप्पणी को लेकर आक्रोश, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, सार्वजनिक माफी की मांग

मुजफ्फरनगर। सहारनपुर के रामपुर मनिहारान में आयोजित स्वाभिमान रैली के दौरान पाल समाज के नेतृत्व को लेकर पूर्व सांसद मलूक नागर की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला अब मुजफ्फरनगर तक पहुंच गया है। कथित टिप्पणी के विरोध में अखिल विश्व क्षत्रिय पाल महासभा ने मोर्चा खोलते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा। समाज के प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोष सामने आने पर मलूक नागर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने और समाज की भावनाएं आहत होने को लेकर उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। महासभा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि मामले में प्रशासन ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की और मलूक नागर ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो पाल समाज आंदोलन का रास्ता अपनाएगा। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में मलूक नागर के विरोध को लेकर समाज अपनी रणनीति तय करेगा।

रामपुर मनिहारान की रैली में टिप्पणी का आरोप

ज्ञापन में कहा गया कि 3 सितंबर को सहारनपुर के रामपुर मनिहारान में राष्ट्रीय लोकदल की ओर से आयोजित स्वाभिमान रैली में पूर्व सांसद मलूक नागर ने पाल समाज के नेता और प्रदेश की राजनीति में सक्रिय श्याम लाल पाल को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी की। महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि रैली के बाद मीडिया में सामने आई खबरों और उपलब्ध सामग्री के माध्यम से कथित टिप्पणी की जानकारी समाज के लोगों तक पहुंची। इसके बाद पाल समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी फैल गई। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन किसी समाज और उसके सम्मानित नेतृत्व को लेकर

कथित तौर पर अमर्यादित टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी।

वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की मांग

पाल समाज ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि रैली की वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग, मीडिया रिपोर्टों तथा उपलब्ध अन्य सामग्री की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि कथित टिप्पणी वास्तव में क्या थी और किस संदर्भ में की गई थी। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि जांच में कानून का उल्लंघन सामने आता है तो मलूक नागर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके साथ ही समाज की भावनाएं आहत होने के कारण उनसे सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई जाए।

राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, समाज का अपमान स्वीकार नहीं

महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना स्वाभाविक है। अलग-अलग राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच विचारों का विरोध भी हो सकता है, लेकिन किसी समाज या उसके सम्मानित नेतृत्व के प्रति कथित अमर्यादित टिप्पणी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाल समाज अपने सम्मान और स्वाभिमान के मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट है। समाज ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

पैदल मार्च की थी तैयारी, अनुमति नहीं मिलने का आरोप

इस मामले को लेकर पाल समाज की ओर से अहिल्याबाई चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकालने की भी तैयारी की गई थी। समाज के लोगों का आरोप है कि स्थानीय खुफिया तंत्र की सक्रियता के चलते बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, बाद में सिविल लाइन पुलिस ने पैदल मार्च की अनुमति नहीं दी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन देने की अनुमति दी गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग प्रशासन के सामने रखी है और अब उन्हें कार्रवाई का इंतजार है।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल को भी शामिल होना था। समाज के लोगों का कहना है कि पिछले चार दिनों से पुलिस द्वारा उन्हें नजरबंद रखा गया है

नाश्ते में पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड

ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड

ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज

केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स

नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस

आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी

सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

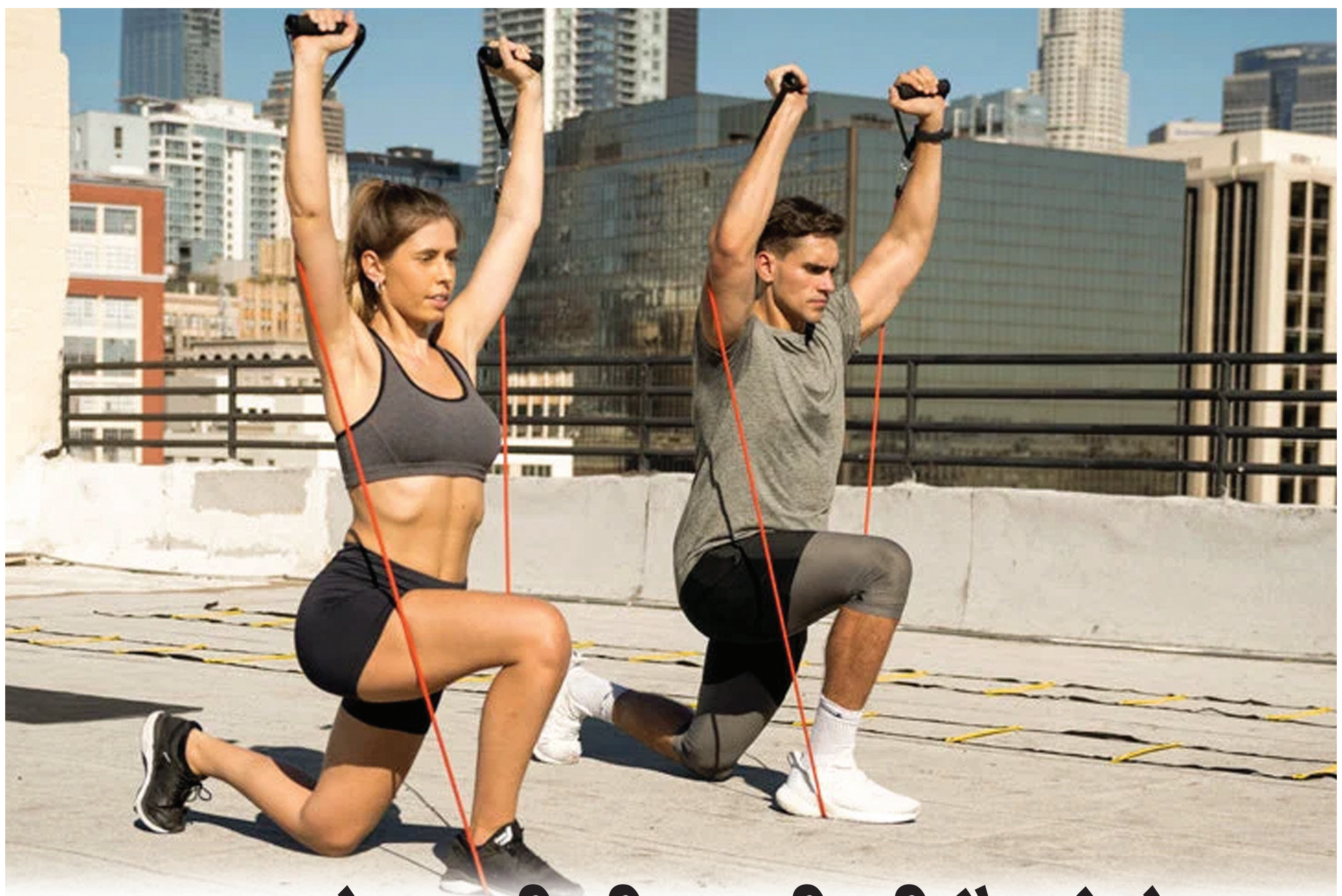

अगर रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपको रख सकता है स्वस्थ

एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है।

पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा, हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा, व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे। पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइकिलिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा, क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था। पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं। हालांकि, नींद की स्थिति की परवाह किए बिना, मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम ने सभी कार्यों में प्रदर्शन में सुधार किया। दूसरे प्रयोग में प्रतिभागियों को पूरी रात बिना नींद के गुजारनी पड़ी और फिर उन्हें विश्वविद्यालय के चरम पर्यावरण प्रयोगशालाओं में हाइपोक्सिक (ऑक्सीजन का निम्न स्तर) वातावरण में रखा गया। ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बावजूद, व्यायाम से मानसिक विकास में सुधार जारी रहा।

आंखों को राहत देगा गुलाब जल

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत: अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

इन 5 फूड से करें हाई बीपी को कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है, जो लंबे समय में हार्ट फेल जैसे गंभीर परिणाम देता है। इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि इसके होने पर कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। यह बीमारी खून की नलियों के सिकुड़ने से और गंभीर हो जाती है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने हाल ही में कुछ पोटेशियम युक्त फूड की लिस्ट शेयर की है जिसके सेवन से हाई बीपी की परेशानी को घर पर ही कंट्रोल किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताती हैं कि हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाने वाले हाई ब्लड प्रेशर को खानपान और जीवनशैली में बदलाव से ठीक किया जा सकता है।

केला

पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को कम करता है और खून की नलियों में तनाव को कम करता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम मौजूद होता है।

खजूर

खजूर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम के साथ-साथ सोडियम कम मात्रा में होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम दोनों ही नलियों में खून के फ्लो को सुगम बनाने और उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो इसे हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए सेहतमंद बनाता है। लेकिन यदि आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसके सेवन से बचें।

अमरनाथ का आटा

रोज चौलाई जैसे साबुत अनाज खाने से ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। अमरनाथ का आटा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, पोटेशियम, आहार फाइबर और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें पेप्टाइड्स भी होते हैं जिसमें एंटीहाइपरटेन्सिव गुण होते हैं।

मोठ दाल

मोठ दाल फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन से भरपूर होती है। यह बॉडी में उन एंजाइम को रोकने काम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मोठ दाल फायदेमंद होता है।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

महिला सशक्तिकरण एवं युवतियों को रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, पिंक रोजगार मेले का हुआ सफल आयोजन

गौतमबुद्धनगर। महिला सशक्तिकरण एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन विभाग, गौतमबुद्धनगर द्वारा आज राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर में पिंक रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले का शुभारंभ माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम, जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री, संस्थापिका आर्य फैशन्स खुशबू सिंह, प्रधानाचार्या कु0 मायावती महिला पॉलीटेक्निक बादलपुर दीपिका दुबे गरिमामयी उपस्थिति रही।

पिंक रोजगार मेले का उद्देश्य जनपद की शिक्षित एवं रोजगार की इच्छुक छात्राओं तथा युवतियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं प्रतिभा के अनुरूप निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना रहा। जिसमें जनपद की कुल 17 प्रतिष्ठित कम्पनियों ने प्रतिभाग किया एवं 300 से अधिक ऑनलाइन एवं 186 ऑफलाइन कुल 486 छात्राओं/युवतियों ने अपना पंजीकरण कराया। जिसमें से 263 छात्राओं / युवतियों को साक्षात्कार के उपरान्त चयनित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय विधायक दादरी एवं विशिष्ठ अतिथि जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम एवं जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रधानाचार्या, कु0 मायावती राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, बादलपुर तथा संस्थापक, आर्या फैशन द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। साथ ही जिला सेवायोजन कार्यालय, गौतमबुद्धनगर एवं युवा शक्ति फाउण्डेशन के मध्य रोजगार संवर्धन हेतु एम0ओ0यू0 हस्ताक्षर किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर ने कहा कि युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पिंक रोजगार मेले जैसे आयोजन युवतियों को रोजगार प्रदाताओं से सीधे जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने युवतियों एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि-

तुम्हें खुद को आम नहीं, खास बनाना है।

जागो, तुम्हें अपना इतिहास बनाना है।।

मंजिल दूर सही, लेकिन कदम बढ़ाते जाना है।

आज के सपनों को कल की पहचान बनाना है।।

याद रखो, सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए हम लगातार मेहनत करते हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक अनूठी पहल है। पिंक रोजगार मेला लगाया गया है। यह रोजगार मेला हमारी उन सभी बेटियों के लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो स्नातक की पढ़ाई करने जा रही हैं या विद्यालय से स्नातक की ओर बढ़ रही हैं। यहाँ विभिन्न कंपनियाँ आई हैं, जो आपकी प्रतिभा के अनुरूप आपको रोजगार के अवसर देंगी। आपके भविष्य को बनाने की दिशा में यह आपके लिए एक बहुत अच्छा कदम रहेगा।

जिलाधिकारी ने सभी कंपनियों को धन्यवाद करते हुए कहा आर्या फैशंस, युवा शक्ति फाउंडेशन, स्पेरी टेक्नो सॉल्यूशंस, आईएलजिन इलेक्ट्रॉनिक्स, मदरसन मेट, सनन, सिद्धी इंपोर्टेड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नवितस्य, फुरुकवा मिंडा, आर्टेमिस हॉस्पिटल, सथ्या विकास, मिंडा कॉर्पोरेशंस, युवा शक्ति स्किल इंडिया, कीटिंग प्रेस्टिज, दक्षिण राइटिंग इंस्ट्रूमेंट्स, गुजरात हेल्थकेयर और मिकम इंडिया आदि के द्वारा सभी कंपनियाँ के साथ आज इस पिंक रोजगार मेले की शुरुआत हुई है। यह जो अनूठी शुरुआत हुई है, इसे आगे भी जारी रखा जाएगा, ताकि हमारी बेटियों को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। यह आपके भविष्य के लिए एक पहला महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए आपको निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना है।

जिलाधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा आपके भीतर अपार शक्ति और क्षमता है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आप अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य को पहचानें तथा उसका सही दिशा में उपयोग करते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि आज यहाँ नागरिक समाज एवं उद्योग जगत के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित हैं, जो आप सभी से संवाद कर रहे हैं और आपके साथ जुड़कर आगे बढ़ने के इच्छुक हैं। हमारी शिक्षिकाएँ भी आपसे निरंतर संवाद एवं मार्गदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या का हर संभव प्रयास किया जाएगा। जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर में पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने प्रतिभाग कर युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों की योग्यता एवं प्रतिभा के आधार पर साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया संपन्न की गई।

रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, संबंधित विभागीय अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में छात्राओं एवं युवतियों की उपस्थिति रही।

नोएडा में जीबीयू छात्र को नोटिस देने वाले मजिस्ट्रेट सस्पेंड

नोएडा। नोएडा में गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के छात्र अक्षत त्रिपाठी को 5 लाख रुपए के निजी मुचलके का नोटिस जारी करने वाले ग्रेटर नोएडा के कार्यपालक मजिस्ट्रेट को निलंबित कर दिया गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसकी जानकारी दी।

अक्षत ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट की ओर से बीएनएसएस की धारा 130 के तहत जारी नोटिस को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले को वरिष्ठ अधिवक्ता पीवी दिनेश ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए।

एंटी-गवर्नमेंट बातें फैलाने का आरोप लगाया था: पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी नोटिस में अक्षत पर छात्रों के बीच सरकार विरोधी और भ्रामक बातें फैलाने का आरोप लगाया गया था। साथ ही छात्रों को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित धरने में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में आशंका जताई गई थी कि इससे छात्रों के बीच तनाव पैदा हो सकता है और शांति व कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। नोटिस में अक्षत से 6 महीने के लिए 5 लाख रुपए का निजी मुचलका और इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने को कहा गया था।

4 सितंबर को नोटिस, 5 सितंबर को पेश होने को कहा: अक्षत की याचिका में कहा गया कि नोटिस में उसके खिलाफ किसी खास तारीख, समय, बयान या ऐसी गतिविधि का जिक्र नहीं था, जिससे हिंसा या शांति भंग होने की वास्तविक आशंका साबित हो सके।

याचिका के मुताबिक, उसके खिलाफ इस्तेमाल की गई सामग्री भी उसे उपलब्ध नहीं कराई गई। 4 सितंबर को नोटिस जारी कर 5 सितंबर को पेश होने के लिए कहा गया। यानी छात्र को वकील करने, आरोपों को समझने और 5-5 लाख रुपए के दो जमानतदारों की व्यवस्था करने के लिए सिर्फ एक दिन का समय मिला।

सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का भी दिया हवाला: याचिका में सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर के उस आदेश का भी हवाला दिया गया, जिसमें छात्र प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द करने और छात्रों के खिलाफ भविष्य में दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की बात कही गई थी।

यमुना सिटी में स्पेशल इकोनॉमी जोन बनाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-28 में नोएडा के एनएसईजेड की तर्ज पर स्पेशल इकोनॉमी जोन (विशेष आर्थिक क्षेत्र) बनाने की तैयारी है। इसे सेमीकंडक्टर यूनिट परिसर में करीब 24 एकड़ में बनाने पर विचार किया जा रहा है, इसके लिए एचसीएल ने यमुना प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना सिटी के सेक्टर-28 में सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए एचसीएल एवं ताइवान की फॉक्सकोन कंपनी के ज्वाइंट वेंचर इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड को 48 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। 21 फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरभारत की पहली व देश की छठीं सेमीकंडक्टर इकाई के तौर पर इसकी आधारशिला रखी थी। कंपनी क्षेत्र में करीब 3706.15 करोड़ निवेश कर यहां स्मॉल पैनल ड्राइवर आईसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण करेगी। यूनिट डीडीआईसी व औसेट सुविधा से लैस होगी, जो एक प्रकार की खास सेमीकंडक्टर चिप होती है, जो मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर की स्क्रीन को चलाने का काम करती है। कंपनी की ओर से यहां विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने का भी प्रस्ताव दिया गया है, इस संबंध में जल्द बैठक कर निर्णय लिया जाना है।

सेमीकंडक्टर इको सिस्टम को मजबूती मिलेगी: माना जा रहा है कि विशेष आर्थिक क्षेत्र बनने से सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम को बड़ी मजबूती मिलेगी। यहां बनने वाली चिप के साथ ही अन्य उपकरण बनाने वाली कंपनियां एक ही परिसर में आ सकेंगी। इससे सप्लाई चेन आसान होगी और लॉजिस्टिक लागत घटेगी। साथ ही टैक्स छूट, ड्यूटी फ्री आयात-निर्यात और सिंगल विंडो क्लीयरेंस की सुविधा मिलने से निवेश आकर्षित होगा। जिसे शहर की पहचान अलग बनेगी।

यूनिट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ: सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास हुए करीब 6 माह से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन अभी तक मौके पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। हालांकि अधिकारी इसके पीछे औपचारिक कागजी प्रक्रिया का हवाला दे रहे हैं, साथ ही मौके पर मिट्टी की जांच इत्यादि कार्य होने बताए गए हैं। दावा है कि जल्द ही इकाई का निर्माण शुरू हो जाएगा, इसे तीन वर्ष में पूरा करना होगा। इसकी तैयारी जोरों पर है।

आईएमएस डीआईए के विद्यार्थियों ने किया हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी (आईएमएस-डीआईए) के विद्यार्थियों ने नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त ज्ञान को वास्तविक अनुभव से जोड़ते हुए भारतीय इतिहास, संस्कृति, कला एवं स्थापत्य की समृद्ध विरासत से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हुमायूं के मकबरे की वास्तुकला, निर्माण शैली, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक महत्व को करीब से समझा तथा ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों का समग्र विकास केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। उन्हें देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को अपने अतीत को समझने, वर्तमान से जोड़ने और भविष्य के प्रति अधिक जागरूक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर देता हैं।

आईएमएस डीआईए के डीन प्रोफेसर डॉ. एम.के.वी. नायर ने बताया कि डिजाइन के विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर विषयों को प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए हुमायूं के मकबरे का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थल विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास, कला और स्थापत्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ते हैं। हमारी कोशिश है कि इस अनुभव से विद्यार्थियों अपनी जिज्ञासा, रचनात्मक सोच और सीखने की क्षमता को विकसित करेंगे।

संस्थान द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मकबरे के परिसर का अवलोकन करते हुए मुगलकालीन स्थापत्य कला की विभिन्न विशेषताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। स्मारक की भव्य संरचना, चारबाग शैली, विशाल गुंबद, आकर्षक मेहराबों तथा लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर के कलात्मक प्रयोग ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने स्मारक की स्थापत्य संरचना के साथ-साथ इसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों को भी जाना।

14 सितंबर की किसान महापंचायत को लेकर सलारपुर ग्रामवासियों ने भरी हुंकार

नोएडा। सलारपुर स्थित खेड़ा देवत चौपाल पर 14 सितंबर को सेक्टर-96 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर भारतीय किसान यूनियन द्वारा आयोजित किसान महापंचायत की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कृपाल भगत जी ने की तथा संचालन गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया। बैठक में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी एवं एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने गांव में गंगाजल की आपूर्ति न होने की समस्या को प्रमुखता से उठाया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक में उपस्थित ग्रामवासियों ने 14 सितंबर को हजारों की संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली, बुग्गी- भैंसों के साथ नोएडा प्राधिकरण का घेराव करने का आह्वान किया। सभी ने किसान महापंचायत को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस दौरान योगेश भाटी, सोमेश भारद्वाज, बिंटू भड़ाना, अरुण भाटी, रविंद्र भाटी एवं पुरुषोत्तम भाटी सहित दर्जनों युवाओं ने अन्य संगठनों को छोड़कर (टिकैत) में आस्था जताते हुए संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

बैठक में झलकेस बाबूजी, भागमल शर्मा, सुखबीर प्रधान, ओमन भाटी, चरण सिंह भाटी, ताराचंद भाटी, सुभाष भाटी, मदन भाटी, गजराज नेताजी, सिंहराज गुर्जर, रतिराम ठेकेदार, राजेश सिंह, योगेंद्र मावी, जोगिंदर भड़ाना, श्रीपाल कसाना, मनोज त्यागी, विपिन प्रधान, महेश खटाना, नवल प्रधान, रोहतास खटाना, रविंद्र भगतजी, दिनेश बिधूड़ी और रहमत अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर 'टिकैत रसोई' द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

लगी जमीन की सबसे बड़ी बोली, एम3एम ने 1,839 करोड़ में खरीदा प्लॉट; डीएलएफ को पछाड़ा

नोएडा। सेक्टर-108 में 49,932 वर्गमीटर का कॉमर्शियल मिक्स्ड यूज प्लॉट रियल एस्टेट कंपनी एम3एम इंडिया ने 1,839 करोड़ में खरीदा। इसकी रिजर्व कीमत 836 करोड़ रखी गई थी, जिससे स्पष्ट है कि यह प्लॉट रिजर्व कीमत से दोगुने से अधिक में बिका।

नीलामी में एम3एम और डीएलएफ के बीच प्रतिस्पर्धा हुई। डीएलएफ ने अंतिम बोली 1,740 करोड़ लगाई, लेकिन एम3एम ने 1,839 करोड़ की बोली लगाकर प्लॉट अपने नाम कर लिया। उल्लेखनीय है कि नीलामी में तीसरी शॉर्टलिस्टेड कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने भाग नहीं लिया। यह जमीन मिक्स्ड यूज की है, जिससे यहां आलीशान होटल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, माल और स्टूडियो अपार्टमेंट का निर्माण संभव है। प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर सिंह ने बताया कि कंपनी ने अभी तक कोई योजना प्रस्तुत नहीं की है। योजना मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि यहां क्या निर्माण किया जाएगा।

सेक्टर-108 का यह सौदा नोएडा में अब तक के सबसे महंगे कॉमर्शियल जमीन सौदों में दूसरे स्थान पर है। इससे पहले 2008 में सेक्टर-94 के 95 एकड़ प्लॉट के लिए बीपीटीपी कैपिटल सिटी ने 5,006 करोड़ की पेशकश की थी, हालांकि बाद में कंपनी ने इसका कुछ हिस्सा सरेंडर कर दिया था।

करीब छह एकड़ जमीन भी 414 करोड़ में थी खरीदी: एम3एम ने इससे पहले भी नोएडा में बड़े जमीन सौदे किए हैं। कंपनी ने नवंबर 2022 में सेक्टर-94 में करीब 12 एकड़ जमीन 827 करोड़ में खरीदी थी, जहां एम3एम द कुलियन प्रोजेक्ट विकसित कर रही है। इस वर्ष कंपनी ने सेक्टर-98 में करीब छह एकड़ जमीन भी 414 करोड़ में खरीदी थी।

नोएडा में कामर्शियल जमीन सीमित है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे केवल कुछ बड़े भूखंड ही कामर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। सेक्टर-142 के आसपास भी जमीन की कमी है, यही कारण है कि सेक्टर-108 जैसे प्राइम लोकेशन वाले प्लॉट के लिए बड़ी कंपनियों ने बोली लगाई।

केवल एक-एक बोलीदाता सामने आया: प्राधिकरण ने चार अन्य बड़े कॉमर्शियल प्लॉट की भी नीलामी की, जिनमें से प्रत्येक के लिए केवल एक-एक बोलीदाता सामने आया। चारों प्लॉट से प्राधिकरण को लगभग 1,515 करोड़ की राशि प्राप्त हुई।

सेक्टर-96 में 24,000 वर्गमीटर का प्लॉट 410 करोड़ की रिजर्व कीमत के मुकाबले 414.8 करोड़ में बिका। सेक्टर-98 में 24-24 हजार वर्गमीटर के दो प्लाट 414-414 करोड़ में बिके, जिनकी रिजर्व कीमत भी 410 करोड़ थी। सेक्टर-132 में 22,403 वर्गमीटर के प्लॉट की भी नीलामी हुई।

एमबीए छात्र समेत दो ने घर में जान दी, एक छात्र को परीक्षा का तनाव था

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा और सेंट्रल नोएडा में बुधवार को तीन लोगों की मौत के मामले सामने आए। इनमें एक एमबीए छात्र भी शामिल है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्र परीक्षा पास न कर पाने को लेकर तनाव में था। वहीं, दो अन्य मामलों में भी मानसिक तनाव की बात सामने आई है। पुलिस तीनों मामलों की जांच कर रही है।

नॉलेज पार्क थाना पुलिस के मुताबिक, मेरठ निवासी मौर्य पटेल (26) सेक्टर-150 स्थित जेपी अमन सोसाइटी में दोस्त के साथ किराए पर रहते थे। वह नोएडा के एक विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे और ऑनलाइन काम भी करते थे।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को मौर्य पटेल सोसाइटी की 22वीं मंजिल से गिर गए। हादसे में उनकी मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि वह परीक्षा पास न कर पाने को लेकर तनाव में थे। पुलिस ने घटना की जानकारी उनके परिजनों को दे दी है।

सूरजपुर में युवक की मौत: सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में 26 वर्षीय आकाश की भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, आकाश झारखंड के हजारीबाग के रहने वाले थे। शुरुआती जांच में उनके मानसिक तनाव में होने की बात सामने आई है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

बीमारी के चलते तनाव में थी युवती: कुलेसरा कॉलोनी में रहने वाली आंचल की भी बुधवार को मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, आंचल बिहार के जमुई की रहने वाली थीं। वह कुछ समय से बीमार चल रही थीं और इसी वजह से मानसिक तनाव में थीं।

बुधवार सुबह घर में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तीनों मामलों में मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

जमीन कब्जाने और फर्जी रजिस्ट्री के आरोपों को लेकर प्रेस वार्ता, पीड़ितों ने लगाई न्याय की गुहार

नोएडा। सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान इलाहाबास गांव के रहने वाले नागेंद्र खारी ने गांव के ही रवि प्रधान पर जमीनों पर दबंगई से कब्जा करने और अपने हिस्से से अधिक जमीन बेचने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मामले को लेकर वह लगातार नोएडा प्राधिकरण और शासन-प्रशासन के अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

खसरा नंबर 122 को लेकर विवाद: नागेंद्र खारी के अनुसार, खसरा नंबर 122 में कुल करीब पांच बीघा जमीन है, जिसमें उनका हिस्सा ढाई बीघा है। उनका आरोप है कि रवि प्रधान ने अपने हिस्से की ढाई बीघा जमीन बेचने के बाद अब उनके हिस्से की जमीन पर भी कब्जा करने का प्रयास किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब वह अपनी ढाई बीघा जमीन पर निर्माण कार्य कराने जाते हैं तो पुलिस के माध्यम से काम रुकवा दिया जाता है तथा उनके साथ मारपीट भी की जाती है।

खसरा नंबर 121 में भी अधिक जमीन बेचने का आरोप: नागेंद्र खारी ने बताया कि खसरा नंबर 121 में करीब साढ़े चार बीघा जमीन उनके हिस्से में और साढ़े चार बीघा रवि प्रधान के हिस्से में बताई गई है। आरोप है कि रवि प्रधान ने अपने हिस्से की साढ़े चार बीघा जमीन दल्लूपुरा निवासी एक व्यक्ति को बेच दी। इसके अलावा, उन्होंने नोएडा प्राधिकरण से मिलीभगत कर एक बीघा जमीन का मुआवजा उठाने का भी आरोप लगाया।

खसरा नंबर 98 और 99 में भी विवाद: प्रेस वार्ता में खसरा नंबर 98 का उल्लेख करते हुए नागेंद्र खारी ने बताया कि करीब 2850 गज जमीन उनके हिस्से में और इतनी ही जमीन रवि प्रधान के हिस्से में आती है। उनका आरोप है कि रवि प्रधान ने करीब चार बीघा जमीन बेच दी, जिसमें उनका हिस्सा भी शामिल था।

वहीं, खसरा नंबर 99 में कुल करीब 3900 गज जमीन होने की बात कही गई। आरोप है कि इसमें 3300 गज जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई, जबकि रवि प्रधान का हिस्सा करीब 1950 गज ही था।

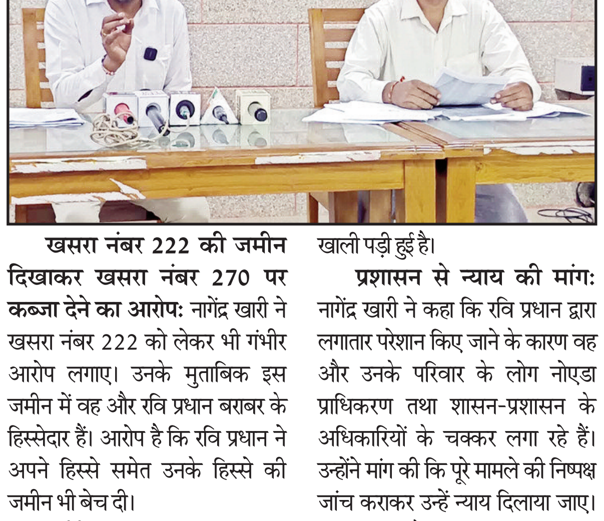

खसरा नंबर 222 की जमीन दिखाकर खसरा नंबर 270 पर कब्जा देने का आरोप: नागेंद्र खारी ने खसरा नंबर 222 को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनके मुताबिक इस जमीन में वह और रवि प्रधान बराबर के हिस्सेदार हैं। आरोप है कि रवि प्रधान ने अपने हिस्से समेत उनके हिस्से की जमीन भी बेच दी।

उन्होंने दावा किया कि खसरा नंबर 222 की जमीन दिखाकर रजिस्ट्री की गई, जबकि मौके पर कब्जा खसरा नंबर 270 की जमीन पर दिया गया। नागेंद्र खारी के अनुसार, खसरा नंबर 270 की जमीन नोएडा प्राधिकरण की है, जबकि खसरा नंबर 222 की जमीन फिलहाल खाली पड़ी हुई है।

प्रशासन से न्याय की मांग: नागेंद्र खारी ने कहा कि रवि प्रधान द्वारा लगातार परेशान किए जाने के कारण वह और उनके परिवार के लोग नोएडा प्राधिकरण तथा शासन-प्रशासन के अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उन्हें न्याय दिलाया जाए। उनका कहना है कि यदि स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हुई तो वह मुख्यमंत्री के जनता दरबार में जाकर अपनी शिकायत रखेंगे।

राजेंद्र फौजी ने भी लगाए जमीन कब्जाने के आरोप: प्रेस वार्ता के दौरान याकूबपुर निवासी राजेंद्र फौजी ने भी रवि प्रधान पर जमीन संबंधी विवाद में गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रामकरण ने 4 मार्च 1999 को नोएडा के इलाहाबास गांव में खसरा नंबर 134, 135, 139 और 154 में जमीन खरीदी थी।

राजेंद्र फौजी के अनुसार, वर्ष 1999 में सभी संबंधित लोगों की सहमति से यह तय हुआ था कि उन्हें खसरा नंबर 139 और 154 में एक स्थान पर जमीन दे दी गई थी जिस पर आज तक हम काबिज है उनका आरोप है कि बाद में रवि प्रधान ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

उन्होंने बताया कि राजेश तिवारी ने 31 दिसंबर 2009 को दूसरे खातेदार से जमीन खरीदी थी। आरोप है कि रवि प्रधान ने राजेश तिवारी से कहा कि उनकी जमीन खसरा नंबर 139 और 154 में है, न कि उस स्थान पर जहां उन्होंने जमीन खरीदी थी।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराने का भी आरोप: राजेंद्र फौजी ने आरोप लगाया कि राजेश तिवारी ने उनके खिलाफ फेस-2 थाने में एक मामला दर्ज कराया था, जिसमें बाद में एफआर लग गई। उनका कहना है कि उन्होंने रवि प्रधान, राजेश तिवारी और कथित भूमाफियाओं के खिलाफ अदालत के माध्यम से मुकदमा दर्ज कराया है।

राजेंद्र फौजी ने कहा कि वह पूरे मामले में न्याय चाहते हैं और प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अनिल रॉयल
फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में सक्रिय एक बड़े अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए इन आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके साथ ही पुलिस को इनके पास से दो अवैध चाकू और एक फर्जी नंबर प्लेट भी मिली है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि ये आरोपी चोरी की गई इन बाइकों का इस्तेमाल मोबाइल झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने के लिए भी करते थे।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार सिंह ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने स्थानीय खुफिया जानकारी और गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने 10 सितंबर को हिंडन नदी के पुल के नीचे 25 फुटा रोड के पास घेराबंदी करके शौकत अली और पवन कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब इन दोनों आरोपियों से पूछताछ की, तो इनके कब्जे और निशानदेही से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें, दो अवैध चाकू और एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई।

रेकी कर उड़ाते थे बाइक, फिर करते थे झपटमारी: पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में घूमकर पहले रेकी करते थे और फिर मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। चोरी करने के बाद वे बाइक को किसी पार्किंग, सड़क के किनारे या फिर ग्रीन बेल्ट जैसे अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर खड़ा कर देते थे। इसके बाद वे इन्हीं चोरी की मोटरसाइकिलों को बदल-बदलकर मोबाइल झपटमारी की घटनाओं में इस्तेमाल करते थे। वारदातों को अंजाम देने के बाद वे इन चोरी की बाइकों को कम कीमत में राह चलते अनजान लोगों को बेच देते थे।

बदायूं और तिगरी के रहने वाले हैं आरोपी: पकड़े गए आरोपियों में से शौकत अली मूल रूप से बदायूं जिले का रहने वाला है। उसकी उम्र करीब 32 वर्ष है और वह वर्तमान में चिपियाना खुर्द उर्फ तिगरी में रह रहा था। वहीं, इस गिरोह का दूसरा आरोपी पवन कुमार चिपियाना खुर्द उर्फ तिगरी का ही निवासी है और उसकी उम्र करीब 27 वर्ष है।

पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-63 में बीएनएस की धाराओं 317(2), 317(5), 345(3) और आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली के भजनपुरा और न्यू अशोक नगर थानों में भी पहले से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने बुलेरो पिकअप से चार लाख रुपये के अवैध पटाखे पकड़े, दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दादरी पुलिस ने अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और परिवहन करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के करीब चार लाख रुपये कीमत के 20 कार्टून पटाखे बरामद किए हैं। पटाखों को ले जाने में इस्तेमाल की जा रही महेंद्रा बुलेरो पिकअप भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। दोनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार बुधवार को दादरी थाना पुलिस लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के आधार पर संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एनटीपीसी कट के पास पुलिस ने एक बुलेरो पिकअप को रोककर जांच की। तलाशी लेने पर वाहन में अलग-अलग कंपनियों के पटाखों से भरे 20 कार्टून मिले।

पुलिस ने पटाखों को कब्जे में लेकर वाहन में सवार दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवकुमार (30) निवासी गांव चमनपुरा थाना सिकंदराराऊ जिला हाथरस वर्तमान पता गांव अच्छेजा थाना बादलपुर और रामकुमार (19) निवासी टॉटपुर कर्सरी थाना सहसवान जिला बदायूं वर्तमान पता गांव अच्छेजा थाना बादलपुर के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी बुलेरो पिकअप में पटाखे लेकर जा रहे थे। पुलिस ने बरामद पटाखों की कीमत करीब चार लाख रुपये बताई है। इसके अलावा पटाखों के परिवहन में प्रयुक्त महेंद्रा बुलेरो पिकअप संभी बरामद की है। पुलिस अब बरामद पटाखों के स्रोत और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था, इसकी जानकारी जुटा रही है।

नोएडा सेफ सिटी के टेंडर जारी

नोएडा। शहर को देश के सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल करने के लिए प्राधिकरण ने 217 करोड़ रुपए की सेफ सिटी योजना तैयार की है। इसके तहत शहर में 2200 हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों को करीब 20 हजार स्थानों के सीसीटीवी कैमरों से जोड़ा जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। 17 सितंबर को इसकी प्रि बिड बैठक होगी। जिसमें कंपनियों के सवालों से जवाब दिए जाएंगे।

इनमें ग्रुप हाउसिंग, मकान, दुकान, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, मंदिर-मस्जिद, सिनेमाघर, पब-बार, शॉपिंग मॉल, बाजार और औद्योगिक-व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर लगे कैमरे शामिल होंगे। सेफ सिटी प्रोजेक्ट के लिए सेक्टर-94 में बने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के ऊपर नया कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इसे मौजूदा कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र को भी इस व्यवस्था से जोड़ने की सुविधा रखी जाएगी। इससे सड़कों के साथ गलियों और जिले के दूसरे इलाकों पर भी निगरानी रखी जा सकेगी।

एक साल में पूरा होगा प्रोजेक्ट: एक महीने में कंपनी को काम अवार्ड कर दिया जाएगा। योजना को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना की आईआईटी से पहले ही जांच कराई जा चुकी है। सेफ सिटी का कंट्रोल रूम सीधे पुलिस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से जुड़ा रहेगा। किसी घटना की जानकारी मिलने पर नजदीकी थाना, चौकी, पीआरवी और डायल-112 को तुरंत सूचना भेजी जा सकेगी।

कैमरे पहचानेंगे संदिग्ध बदमाश: कैमरों में फेस डिटेक्शन की सुविधा होगी। पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज बदमाश कैमरे की जद में आते हैं तो उनकी पहचान और लाइव लोकेशन कंट्रोल रूम में दिखाई देगी। इससे पुलिस को उन्हें पकड़ने में मदद मिलेगी।

1700 मीटर तक जूम कर सकेंगे कैमरे: पैन-टिल्ट-जूम कैमरे को किसी भी दिशा में घुमाया जा सकेगा। इनसे करीब 1700 मीटर तक जूम कर फुटेज साफ देखी जा सकेगी। बुलेट कैमरे तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहनों की भी फुटेज रिकॉर्ड कर सकेंगे। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद कंपनी पुलिसकर्मियों को पूरे सिस्टम के संचालन की ट्रेनिंग भी देगी।

भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा सामाजिक सरोकार एवं मानव सेवा की भावना को साकार करते हुए मंगलमय इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मंगलमय इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के चेयरमैन श्री अतुल मंगल जी के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने कहा कि 'रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे में नियमित रक्तदान न केवल सामाजिक जिम्मेदारी है, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा भी है। उन्होंने युवाओं एवं समाज के सभी स्वस्थ नागरिकों से रक्तदान के लिए आगे आने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया।

रक्तदान शिविर में परिषद के सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, पूर्व अध्यक्ष केशव गंगल, श्री संजय गोयल, अनुज मंगल , राजेन्द्र गर्ग, रामरतन शर्मा, सुमित अग्रवाल सहित परिषद के अनेक सदस्य एवं सहयोगी नवीन अग्रवाल उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए मंगलमय इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के चेयरमैन अतुल मंगल एवं संस्थान के समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद समाज में 'सेवा, संस्कार, समर्पण एवं संगठन' के मूल भाव के साथ निरंतर सेवा गतिविधियों का आयोजन कर रही है और भविष्य में भी जनहित एवं मानव सेवा के ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।,

संक्षिप्त समाचार

नौकरी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का प्रयास

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के मामूरा गांव स्थित एक फ्लैट में युवती को नौकरी का झांसा देकर युवक अपने साथ ले आया। एक सप्ताह पूर्व आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जिला कन्नौज निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वर्ष 2022 से सूरजपुर में रहकर नौकरी कर रही हैं। सेक्टर-85 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में एचआर के पद पर थीं। 13 अगस्त 2026 को उन्होंने वहां नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद वह नई नौकरी की तलाश कर रही थीं।
इसी दौरान उन्हें मोनू नामक युवक ने नौकरी के लिए बतौर कांट्रेक्टर फोन किया। आरोप है कि कई बार बातचीत होने के बाद उसने झांसा देकर फेज-दो स्थित बस स्टैंड पर बुलाया। वहां पहुंचने के बाद उसने कंपनी दिखाने की बात कहकर अनजान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने जबरदस्ती करने का प्रयास किया। विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने चार-पांच लड़कों को बुलाकर उनके द्वारा भी जबरदस्ती करने की धमकी दी। पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर बालकनी में पहुंच गई। पीड़िता का बैग कमरे में छूट गया और उन्होंने बालकनी से शोर मचाना शुरू कर दिया। तभी आरोपी ने डर के चलते बैग दे दिया और भाग गया। पीड़िता के मुताबिक, उन्होंने फोन करके अपने भाई को पूरी जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि घटना मामूरा गांव की है। युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

फ्लैट का दरवाजा तोड़कर लाखों के जेवर चुरा ले गए

नोएडा। शहर की सीनियर सिटिजन सोसाइटी में एक फ्लैट का दरवाजा तोड़कर चोर सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। परिवार के लोग घर का ताला बंद कर मनाली घूमने गए थे। इसी बीच चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक सोसाइटी में विकास कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह 30 अगस्त को अपने परिवार के साथ मनाली घूमने के लिए गए थे। इसके बाद एक सितंबर को उनके भाई अमित का फोन आया कि उनके फ्लैट का दरवाजा टूटा पड़ा है।
घर में सामान बिखरा हुआ है। इसके बाद दो सितंबर को पीड़ित परिवार के साथ घर वापस लौटे और अंदर जाकर देखा तो पता चला की अलमारी में रखे सोने के लाखों रुपये के आभूषण चोरी कर लिए गए। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। बीटा दो कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी की फुटेज देखी जा रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

जापान के समझौते की सरहाना की

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर और यामानाशी यूनिवर्सिटी के साथ गलगोटियास विश्वविद्यालय द्वारा किए गए सहमति पत्र (एमओयू) की सराहना की है। प्रदेश के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक व औद्योगिक सहयोग की दिशा में इसे अहम कदम भी बताया। इस सहमति पत्र पर जापान के दो सौ से अधिक सदस्यों वाले उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अपने हस्ताक्षर किए हैं, जिसका नेतृत्व यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर महामहिम कोतारो नागासाकी ने किया। यह सहयोग भारत और जापान के बीच शैक्षणिक व औद्योगिक सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

किसान 15 को पैदल मार्च निकालेंगे

नोएडा। किसानों की जमीन का अधिग्रहण नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किया जाए। साथ ही 20 फीसदी आबादी भूखंड और उचित पुनर्वास का लाभ दिया भी जाए। इन मांगों को लेकर किसान 15 सितंबर को यमुना प्राधिकरण दफ्तर तक पैदल निकालेंगे। इसके लिए संयुक्त किसान अधिकार मोर्चा का गठन किया गया है। संयोजक भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि संयुक्त किसान अधिकार मोर्चा में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) सर छोटू राम, भाकियू कृषक शक्ति, भाकियू संपूर्ण भारत, भारतीय किसान मजदूर यूनियन (अ) आदि किसान संगठन शामिल हैं।इनके अलावा और भी किसान संगठन शामिल होंगे। जिले में चार प्राधिकरण नोएडा, ग्रेटर नोएडा, न्यू नोएडा और यमुना प्राधिकरण द्वारा जमीन खरीदी जा रही है।
इन सबके मुआवजे रेट अलग- अलग हैं, जिनमें यमुना प्राधिकरण का मुआवजा सबसे कम है। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को पैदल मार्च निकाल यमुना प्राधिकरण के सीईओ को ज्ञापन दिया जाएगा।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र में पर्थला फ्लाईओवर के पास एक सप्ताह पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल स्कूटी सवार की मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अंकित पाल ने बताया कि वह वर्तमान में गाजियाबाद की सुदामापुरी में रहते हैं। चार सितंबर को पिता विमल कुमार अपनी स्कूटी द्वारा सेक्टर-29 से घर जा रहे थे। पर्थला पुल के पास अज्ञात वाहन के चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें लोगों ने पहले जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। छह सितंबर को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। घटना स्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

होटल में युवती से तेजाब डालने की धमकी

नोएडा। इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई दोस्ती के बाद युवक दिल्ली से युवती लेकर नोएडा आ गया। सेक्टर-71 स्थित एक होटल के कमरे में युवक ने मनमानी करने का प्रयास किया। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। युवती के पिता की शिकायत पर फेज-तीन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से हिमाचल की राजधानी शिमला निवासी युवती व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी दिल्ली में पिछले तीन वर्ष से रहती है। वह दिल्ली में नौकरी करती है। कुछ समय पहले उनकी बेटी की इंस्टाग्राम पर भविष्य शर्मा नामक युवक से दोस्त हो गई।

इसकी जानकारी परिवार के लोगों को नहीं हुई। युवती ने परिजन को बताया कि एक सितंबर को भविष्य शर्मा दोस्ती का झांसा देकर वह उसे नोएडा के सेक्टर-71 स्थित एक होटल में ले आया।

हिंडन डूब क्षेत्र पर चला पीला पंजा, सेक्टर-144 पुस्ता रोड के पास 27,800 वर्ग मीटर जमीन कराई गई मुक्त

नोएडा। हिंडन डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने एक बहुत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को इस पूरे इलाके में बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। यह बड़ी कार्रवाई सेक्टर-144 पुस्ता रोड के पास की गई है, जहां बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किया गया था। प्राधिकरण की इस अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर मौजूद अतिक्रमण करने वाले लोगों में भारी हड़कंप मच गया।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश के निर्देशों के बाद अमल में लाई गई है। उनके आदेशों का पूरी तरह से पालन करते हुए प्राधिकरण की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची। इस टीम ने सेक्टर-144 पुस्ता रोड के पास स्थित हिंडन डूब क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई सभी संरचनाओं को हटाने का काम शुरू किया। सीईओ कृष्णा करुणेश के सख्त रुख के कारण ही इस अवैध निर्माण को हटाने के लिए तुरंत कदम उठाए गए।

इस कार्रवाई के दौरान नोएडा प्राधिकरण की टीम ने एक बहुत बड़े हिस्से से अवैध कब्जा हटाया है। अधिकारियों के मुताबिक, सेक्टर-144 पुस्ता रोड के पास हिंडन डूब क्षेत्र में करीब 27,800 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण किया गया था। टीम ने मौके पर पहुंचकर इस पूरी 27,800 वर्ग मीटर जमीन पर बने अवैध ढांचों को बुलडोजर की मदद से पूरी तरह से गिरा दिया। इस बड़ी कार्रवाई के बाद प्राधिकरण ने इतनी बड़ी जमीन को पूरी तरह से अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है।

कार्रवाई पूरी होने के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वाले लोगों को सख्त चेतावनी दी। अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों से साफ शब्दों में कहा कि इस खाली कराई गई जमीन पर दोबारा किसी भी तरह का अवैध निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। प्राधिकरण की तरफ से यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया है कि अगर इस चेतावनी के बाद भी किसी ने दोबारा निर्माण करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ और भी ज्यादा सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। दोबारा कब्जा करने वालों पर नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई इस बार से भी ज्यादा कड़ी हो सकती है।

गुरुवार को हुई इस अचानक कार्रवाई से हिंडन डूब क्षेत्र में अवैध कब्जा करने वाले लोगों के बीच खलबली मच गई। जब प्राधिकरण का बुलडोजर पुस्ता रोड के पास पहुंचा, तो वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टीम ने बिना किसी देरी के अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू की और पूरी जमीन को अपने नियंत्रण में ले लिया। प्राधिकरण की इस सख्ती से यह साफ हो गया है कि हिंडन डूब क्षेत्र में अवैध कब्जों को लेकर अब किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

कोर्ट में चल रही सुनवाई, फिर भी फर्जी दस्तावेज बनाकर बेची जमीन

नोएडा। जमीन के विवाद में फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति हड़पने और विरोध करने पर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर कोर्ट के आदेश पर कोतवाली सेक्टर-24 पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। सेक्टर-113 क्षेत्र निवासी सुखपाल यादव ने कोर्ट में दी शिकायत में बताया कि उनका जमीन को लेकर सुनील से विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि मामला कोर्ट में चलने के बावजूद सुनील ने 12 मार्च को विवादित जमीन प्रवीण के नाम कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी आरोपियों ने जमीन से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उसके साथ धोखाधड़ी कर रुपये हड़पे।

शिकायत के मुताबिक, सुखपाल ने आरोपियों से फर्जीवाड़ा बंद करने और पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो वे नाराज हो गए। आरोप है कि उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। घटना में उसे चोटें आईं।

सेक्टर-82 में सीवर ओवरफ्लो पर एक्शन

नोएडा। सेक्टर-82 के पॉकेट-7 में पिछले करीब ढाई साल से बनी सीवर ओवरफ्लो की गंभीर समस्या का जायजा लेने के लिए जीएम आरपी सिंह गुरुवार को अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर सीवर का पानी बहता हुआ पाया गया। इस अव्यवस्था को देखकर जीएम ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को सीवर की इस समस्या का तुरंत समाधान करने के सख्त निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा भी अधिकारियों के साथ मौके पर मौजूद रहे।

ढाई साल से सीवर ओवरफ्लो की समस्या से परेशान हैं लोग: आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि पॉकेट के निवासी पिछले करीब ढाई साल से सीवर ओवरफ्लो की समस्या से बेहद परेशान हैं। वे लोग लंबे समय से लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। बुधवार को भी उन्होंने फोनरवा ग्रुप पर इस समस्या को काफी सख्त शब्दों में रखा था। ग्रुप पर मामला उठाए जाने के बाद उसी दिन प्रबंधक और अवर अभियंता स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे थे।

जीएम ने अधिकारियों के साथ किया मौका मुआयना: इसके बाद गुरुवार को जीएम आरपी सिंह ने वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम चंद सैन, प्रबंधक विवेक कुमार सिंह और अवर अभियंता अशोक कुमार के साथ खुद मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जीएम ने अधिकारियों को दबी हुई सीवर लाइन को ऊपर उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने पॉकेट की सीवर लाइन को सेक्टर-92 स्थित एसपीएस से जोड़ने और वहां सम्पवेल बनाने का आदेश दिया। जीएम ने अधिकारियों से इन सभी कामों को तत्काल प्रभाव से शुरू कराने को कहा।

बाहरी सीवर लाइन चोक होने से बनी है स्थिति: आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के अनुसार, सीवर ओवरफ्लो का मुख्य कारण पॉकेट के बाहर मौजूद सीवर लाइन का चोक होना है। बाहर की लाइन चोक रहने की वजह से सीवर का पानी आगे नहीं निकल पाता और पॉकेट के अंदर ही ओवरफ्लो की स्थिति बन जाती है। उन्होंने बताया कि इसी समस्या को लेकर करीब दो वर्ष पहले भी जीएम आरपी सिंह ने पॉकेट का दौरा किया था और उस समय भी समाधान कराने का आश्वासन दिया था।

डूब क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधायक पंकज सिंह

नोएडा। आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से नोएडा विधायक पंकज सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पंकज सिंह जी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के अन्नदाताओं (किसानों) के हितों, हिंडन क्षेत्र की कॉलोनियों में विद्युत कनेक्शन देने तथा क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों व जन-समस्याओं के समाधान हेतु विस्तृत चर्चा हुई।

सर्वप्रथम, मुख्यमंत्री जी से 31 अगस्त 2026 को हिंडन क्षेत्र की कॉलोनियों में विद्युत विभाग द्वारा विद्युत कनेक्शन काटने की कार्रवाई को रोकने के लिए आग्रह किया था। उस पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कार्रवाई तुरंत रोकने के आदेश देने के लिए उनका धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री जी को पंकज सिंह ने अवगत कराया कि हिंडन क्षेत्र की कई कॉलोनियों में लंबे समय से नए विद्युत कनेक्शन देने की प्रक्रिया बंद होने के कारण आज भी हजारों परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। यदि इन परिवारों को मानवीय दृष्टिकोण से सशर्त/अस्थायी विद्युत कनेक्शन दे दिए जाएं, तो स्थानीय नागरिकों को रोजमर्रा की कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी।

इससे न सिर्फ बिजली चोरी पर पूर्ण विराम लगेगा, बल्कि सरकार के राजस्व (ऋ1द्गठ्ठद्व) में भी भारी वृद्धि होगी। साथ ही, बिजली चोरी जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी की।

मुख्यमंत्री जी ने सभी विषयों को अत्यंत गंभीरता से सुना और सकारात्मक निर्णय का आश्वासन दिया। विशेषकर हिंडन क्षेत्र के निवासियों के लिए उन्होंने राहत भरी बात कही कि सरकार द्वारा वैधानिक विद्युत कनेक्शन देने हेतु विधि-सम्मत अग्रिम कार्रवाई कर विद्युत कनेक्शन दिए जाएंगे। विधायक पंकज सिंह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही इस पर सकारात्मक निर्णय आएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली को संवारने के लिए अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का ही इंतजार क्यों रखरखाव न होने से दोबारा करोड़ों हो रहे खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स सम्मेलन के लिए राजधानी दिल्ली को एक बार फिर सजाकर तैयार किया गया है। सड़कों को गड्ढामुक्त करने से लेकर फुटपाथ और साइनेज दुरुस्त करने, फव्वारों की सफाई, फूलों के गमले लगाने और लाइटिंग तक की व्यवस्था की गई है। प्रमुख मार्गों से गुजरने पर दिल्ली का बदला हुआ स्वरूप दिखाई दे रहा है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि जब बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त हो सकती हैं तो सामान्य दिनों में क्यों नहीं। लोगों के बीच चर्चा है कि काश दिल्ली में बार-बार जी-20 और ब्रिक्स जैसे आयोजन हों, तभी राजधानी इसी तरह सजी-संवरी नजर आए। राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान राजधानी में बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे का विकास हुआ था। इसके बाद 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया गया। सड़कों, फुटपाथ और हरित पट्टियों से लेकर फव्वारों, मूर्तियों और रोशनी तक पर बड़े पैमाने पर काम हुआ। लेकिन आयोजन खत्म होने के बाद धीरे-धीरे वही पुरानी स्थिति लौटती गई। जी-20 के दौरान लगाए गए फव्वारों में बाद में काई जम गई थी। ब्रिक्स से पहले इनकी सफाई कराई गई है। वहीं, करीब 6.75 लाख गमलों की व्यवस्था की गई थी। इनमें से बड़ी संख्या में गमले चोरी हो गए या बेहतर रखरखाव नहीं होने के कारण उन्हें विभाग की नर्सरियों में वापस रख दिया गया। समय पर देखरेख नहीं होने से इनमें से कई गमले कबाड़ में बदल गए। सड़कें भी कुछ समय बाद खराब होने लगीं। आयोजन के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों और आयोजन स्थलों से हटाए गए आवारा कुत्ते और बेसहारा पशु भी बाद में फिर उन्हीं इलाकों में दिखाई देने लगे। जी-20 के दौरान करीब 66 प्रमुख सड़कों का कायाकल्प किया गया था। करीब 6.75 लाख गमले लगाए गए, करीब नौ लाख पौधे लगाने की योजना थी, 2200 पेड़ों पर फूलों की सजावट की गई और 125 फव्वारे तथा 70 से अधिक बड़ी मूर्तियां लगाई गई थीं। प्रमुख मार्गों पर करीब 730 लैंप पोस्ट सजाए गए और दीवारों पर म्यूरल बनाए गए।

ओखला में सिलेंडर विस्फोट में पांच घायल, एक की मौत; क्या कहता है सिलिंडर रखरखाव का नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। ओखला फेज-1 में सिलिंडर विस्फोट में घायल पांच मरीजों को एम्स के जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। इनमें चार मरीजों उमेश, अरविंद, मनोज और पंकज का उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय मोहित सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। मोहित को मूल रूप से गांव गढ़िया जगन्नाथ, विकासखंड अलीगंज, जिला एटा, उत्तर प्रदेश का निवासी बताया गया है। वह अभी 20 दिन पहले टाइफाइड से पीड़ित अपने पिता कर्मवीर सिंह को उपचार के लिए दिल्ली लेकर आए थे। व्यावसायिक आक्सीजन सिलिंडरों के निर्माण, भराव, भंडारण और परिवहन को पीएएसओ (पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी आर्गनाइजेशन) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के कड़े नियमों के तहत रेगुलेट किया जाता है। इसके लिए गैस सिलिंडर नियम, 2016 लागू होते हैं। भारतीय मानक के अनुसार सिलिंडर की बाडी काली और ऊपरी हिस्सा सफेद होना अनिवार्य है। सिलिंडर पर अंग्रेजी या हिंदी में ''आक्सीजन'' और गैस का प्रकार एवं खतरा संकेतक स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। हालांकि ओखला फेज-एक जिन सिलिंडरों को उतारते समय हादसा हुआ, उनमें इन मानकों का पूरा पालन नहीं हो रहा था। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर पांच वर्ष में एक बार सिलिंडरों की हाइड्रो-स्टेटिक या हाइड्रो-स्ट्रैच टेस्टिंग कराना अनिवार्य है। पास करने के बाद सिलिंडरों के ऊपरी हिस्से पर टेस्टिंग की तारीख और परीक्षण केंद्र का कोड पंच किया जाता है। एक्सपायरी या बिना टेस्ट वाले सिलिंडरों में गैस भरना अवैध है। सिलिंडरों को हमेशा सीधा रखा जाना चाहिए और उन्हें चेन या विशेष सांचों से बांधना अनिवार्य है। यात्रा के दौरान वाल्व को नुकसान से बचाने के लिए सुरक्षात्मक कैप हमेशा टाइट रखें। कम से कम छह मीटर दूर रखा जाना चाहिए। सिलिंडरों को सीधे धूप और बारिश से बचाने के लिए एक अच्छी हवादार, गैर-ज्वलनशील सामग्री से बने शेड के नीचे रखा जाना चाहिए।

जूते में बम का रिमोट छिपाने से लेकर यूरिन जमा करने तक... लाल किला ब्लास्ट की चार्जशीट में खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास हुए वाहन बम विस्फोट की साजिश में अहम तथ्य सामने आया है। (एनआईए) की ओर से पूर्व में दाखिल आरोपपत्र के अनुसार, विस्फोट करने वाले उमर-उन-नबी ने लाल किले को निशाना बनाने से पहले चांदनी चौक स्थित लाल मंदिर के पास कार खड़ी करने की कोशिश की थी। उमर-उन-नबी ने वहां भारी यातायात और पुलिस की मौजूदगी के कारण वह अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सका और कार मोड़कर लाल किले की ओर चला गया।

सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, उमर 10 नवंबर की शाम 6.37 बजे लाल मंदिर के पास कार पार्क करने की कोशिश करता दिखाई दिया। वहां हालात अनुकूल नहीं मिलने पर उसने यू-टर्न लिया और करीब 13 मिनट बाद शाम 6.50 बजे लाल किले के गेट नंबर चार के पास विस्फोट कर दिया। एनआईए ने इसे दिल्ली में सामने आया पहला वाहन आधारित आईईडी हमला बताया है। आरोपपत्र के अनुसार, उमर ने आईईडी को रिमोट कमांड तंत्र के जरिए विस्फोट किया। यह तंत्र उसके एक जूते में लगाया गया था।

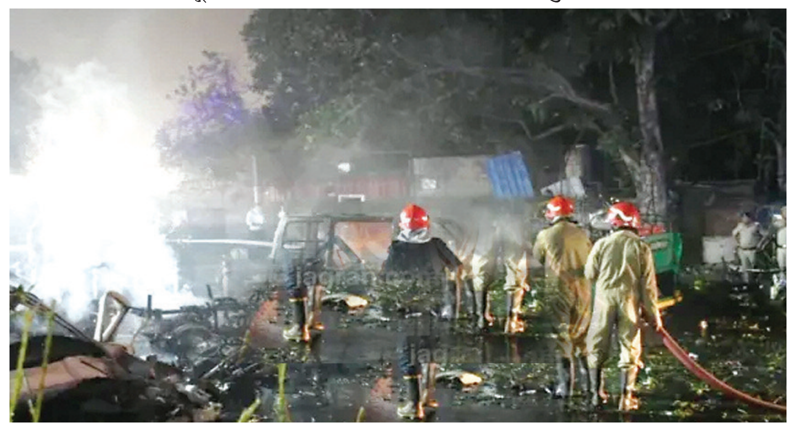

कार के पास मिले जूते की एड़ी से जुड़ा धातु का टुकड़ा फोरेंसिक जांच में टीएटीपी, पोटैशियम और अमोनियम नाइट्रेट की मौजूदगी वाला पाया गया। कार से मिले नमूने के डीएनए का मिलान उमर के माता-पिता से भी हुआ, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हुई। जांच में यह भी सामने आया कि उमर विस्फोटक को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतता था। आरोपपत्र के मुताबिक, वह अपने कमरे को बेहद ठंडा रखता था और वहां से दुर्गंध आती थी। तैयार टीएटीपी को सुरक्षित रखने के लिए उसने पानी भरने वाले बैग भी खरीदे थे। गवाहों के अनुसार, विस्फोटक मिश्रण को स्थिर रखने के लिए उसमें नियमित रूप से पानी डाला जाता था।

पेशाब कमरे में जमा करता रहा: एनआईइऔ के अनुसार, पुलिस की कार्रवाई के बाद फरार उमर ने नूंह में जिस घर में शरण ली थी, वहां भी संदिग्ध व्यवहार किया। मकान मालिक की महिला सदस्य ने बताया कि वह बाहर जाकर पेशाब नहीं करता था, बल्कि उसे पालीथिन में जमा करता था। इससे कमरे में दुर्गंध फैलने लगी थी।

वहीं, जांच एजेंसी को मिले एक दस्तावेज में यूरिया नाइट्रेट आधारित विस्फोटक तैयार करने की विधि का उल्लेख भी मिला, जिसमें यूरिया के स्रोत के तौर पर पेशाब से यूरिया निकालने का विकल्प बताया गया था।

11 लोगों की मौत, 29 घायल: एनआईए के आरोपपत्र के मुताबिक, विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई और 29 लोग घायल हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हाई-इंटेंसिटी ब्लास्ट वेव इफेक्ट बताया गया है। आसपास की संरचनाओं को करीब 17.7 लाख रुपये का नुकसान होने का भी आकलन किया गया है।

दिल्ली-लखनऊ की 3 सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर युवतियां एएसआई के जाल में फंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक और लखनऊ की दो सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर युवतियों को एक एएसआई ने फॉलोअर बढ़ाने के नाम पर जाल में फंसा लिया। इसके बाद तीनों के साथ घिनौना काम किया। दिल्ली की एक इनफ्लुएंसर ने बिहार के मुजफ्फरपुर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में तैनात एएसआई पर ब्लैकमेलिंग और उसके साथी पर रेप का आरोप लगाया है। एएसआई ने लखनऊ की दो इनफ्लुएंसर को भी अश्लील मैसेज भेजकर उनका शोषण किया। पीड़िता ने यह आरोप लगाते हुए एसएसबी मुख्यालय और नगर थाने में आनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता दिल्ली के आभा नगर एक्सटेंशन में रहती है। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक एएसआई ने उसे सोशल मीडिया पर वायरल कराने और फॉलोअर बढ़ाने का झांसा दिया। सात दिसंबर 2025 को मुजफ्फरपुर बुलाया।

दिल्ली में 3 दिन के लिए 22 प्वॉइंट पर डायवर्जन और 35 सड़कें बंद, ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस मौके पर राष्ट्राध्यक्षों और अतिथियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 35 प्रमुख सड़कों पर पाबंदियां लगाई गई हैं। आम जनता, यात्रियों, एयरपोर्ट तथा रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए पुलिस ने 22 सड़कों पर डायवर्जन करने के साथ ही वैकल्पिक रास्तों का रूट प्लान तैयार किया है। यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट के विभिन्न टर्मिनलों तक पहुंचने के लिए दिल्ली मेट्रो का उपयोग करने की सलाह दी गई है। सड़क मार्ग से जाने वाले को ट्रैफिक पुलिस ने ये मार्ग सुझाएं हैं। दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के मद्देनजर नागरिकों

और यात्रियों की सुविधा तथा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आपातकालीन एवं चिकित्सा वाहनः पूरी दिल्ली में आपातकालीन और चिकित्सा वाहनों को 24×7 प्राथमिकता दी जाएगी और उनका बिना किसी बाधा के आवागमन सुनिश्चित किया जाएगा। आवश्यक सेवाएं एवं उपयोगिताएंः सभी क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और उपयोगिता सेवाओं के संचालन के लिए निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आईएसबीटी की ओर जाते समय अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें। सार्वजनिक परिवहन एवं मार्गः यात्रा के लिए सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों व डायवर्जन प्वॉइंट का पालन करें। वाणिज्यिक यातायातः जिन वाणिज्यिक वाहनों का गंतव्य दिल्ली नहीं है, उनके दिल्ली में प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निर्धारित पार्किंगः अपने वाहन केवल अधिकृत स्थानों पर ही पार्क करें; नियंत्रित मार्गों के 200 मीटर के दायरे में सड़क किनारे पार्किंग सख्त रूप से प्रतिबंधित है।

दिल्ली मतदाता सूची से छह नाम हटाने पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 31 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची को लेकर उठे विवाद के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने छह मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर स्पष्टीकरण दिया है। बताया गया कि 5 सितंबर को एक सिविल सोसाइटी समूह की ओर से आयोजित जन सुनवाई में आरोप लगाया गया था कि मंगोलपुरी की नीलम, सुनीता देवी, लक्ष्मी देवी, कांता प्रसाद, रेहाना और गुड्डी देवी के नाम गलत तरीके से एएसएसडी (स्थायी रूप से स्थानांतरित/मृत) सूची में शामिल किए गए हैं। सीईओ कार्यालय ने कहा कि नामों से संबंधित कार्रवाई बीएलओ की ओर से 30 जून से 17 अगस्त के बीच घर-घर जाकर की गई स्थानीय जांच के आधार पर की गई है। वहीं, कार्यालय के अनुसार लक्ष्मी देवी, नीलम और सुनीता देवी के स्थायी रूप से स्थानांतरित होने की पुष्टि हुई थी। वहीं रेहाना के मामले में उनके पति मोहम्मद शेर द्वारा गणना फार्म लेने से इनकार करने की बात रिकॉर्ड में दर्ज है। कांता प्रसाद के मामले में परिवार के सदस्य शिवांशु से मिली जानकारी के आधार पर उन्हें मृत श्रेणी में रखा गया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में जिन कामता प्रसाद का उल्लेख है, वह अलग व्यक्ति हैं और उन्होंने अब फार्म-6 भर दिया है।
गुड्डी देवी के मामले में मतदाता रिकॉर्ड का विवरण मेल नहीं खाया, जबकि स्थानीय जांच में उनके स्थानांतरित होने की पुष्टि हुई।

पत्नी पर तेजाब फेंकने वाले पति को दिल्ली कोर्ट ने सुनाई 14 साल की कठोर सजा, 1 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्नी पर तेजाब फेंकने के मामले में दिल्ली की एक कोर्ट ने पति को दोषी मानते हुए 14 साल की सजा सुनाई। सजा सुनाने के दौरान अदालत ने कहा 'एसिड अटैक के निशान सिर्फ शारीरिक चोटों तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि यह जिंदगी भर भी पीड़ित के साथ रह सकते हैं।' एडिशनल सेशन जज प्रयांक नायक ने दोषी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट कहा कि यह रकम पीड़ित को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। मुआवजे की रकम न देने पर दोषी को एक साल और जेल की सजा काटनी होगी। अदालत ने केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी कानून के हिसाब से महिला को मुआवजा तय करने और देने का निर्देश दिया है। बताया गया कि पति-पत्नी दोनों अलग रह रहे थे, इसी दौरान महिला पर 8 अगस्त, 2022 को तेजाब से हमला हुआ था। वह अपने पति से मिलने गई थी और उनके बीच झगड़ा हो गया था। शाम करीब 5.30 बजे घर लौटने के बाद, पति तेजाब लेकर आया और उस पर फेंक दिया। इसके बाद मां और एक पड़ोसी महिला को अस्पताल लेकर गए। महिला का चेहरा और कान बुरी तरह झुलस गया था। इतना ही नहीं तेजाब की बूंदों से पास में खेल रहे बच्चे भी घायल हो गए थे। घटना के दो दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। परमानेंट या थोड़ा नुकसान पहुंचाना, डिफॉर्मिटी या बदरूप बिगाड़ना) के तहत दोषी ठहराया और जुर्म की गंभीरता, चोटों की गंभीरता और उनके लंबे समय तक असर को देखते हुए यह सजा सुनाई है।

दिल्ली के निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस दाखिले शुरूः दूसरी से नौवीं कक्षा के लिए 20 सितंबर तक करें आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दूसरी से नौवीं कक्षा तक ईडब्ल्यूएस व डीजी श्रेणी में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शिक्षा निदेशालय की निजी स्कूल शाखा ने इसके लिए दिशानिर्देश जारी कर आनलाइन आवेदन की तारीख तय कर दी है। इसके तहत उपलब्ध सीटों पर दाखिला कंप्यूटरीकृत लाटरी के माध्यम से किया जाएगा।

ईडब्ल्यूएस व डीजी श्रेणी के लिए आनलाइन आवेदन आठ सितंबर से शुरू हो चुके हैं। अभिभावक 20 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे। निदेशालय ने कंप्यूटरीकृत ड्रा की संभावित तारीख 24 सितंबर निर्धारित की है। आवेदन के लिए निदेशालय के ईडब्ल्यूएस एडमिशन पोर्टल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि निजी स्कूलों में प्रवेश स्तर से ऊपर की कक्षाओं में उपलब्ध सीटों में ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों के लिए 20 प्रतिशत सीटों का प्रविधान है। दूसरी कक्षा से आगे की कक्षाओं में खाली ईडब्ल्यूएस सीटों को आनलाइन प्रक्रिया के जरिए भरने की व्यवस्था की गई है। कंप्यूटरीकृत ड्रा में आवंटित स्कूल को बाद में किसी भी परिस्थिति में बदला नहीं जा सकेगा। ड्रा के तुरंत बाद शिक्षा निदेशालय के 29 जोनल दल सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच करेंगे।

दिशा-निर्देशों के मुताबिक एक मोबाइल नंबर से केवल एक पंजीकरण किया जा सकेगा। एक बच्चे के लिए भी केवल एक आवेदन स्वीकार किया जाएगा। यदि किसी स्तर पर एक से अधिक या डुप्लीकेट आवेदन पाए जाते हैं तो लाटरी में चयन होने के बाद भी बच्चे की उम्मीदवारी या दाखिला रद किया जा सकता है। साथ ही, दूसरी कक्षा या उससे ऊपर ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत दाखिले का लाभ बच्चे को केवल एक बार मिलेगा। जो बच्चा पहले ही ईडब्ल्यूएस, डीजी (वंचित समूह) व सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी में निजी स्कूल में दाखिला ले चुका है, वह दोबारा आवेदन नहीं कर सकेगा। ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आवेदन के लिए दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग से जारी आय प्रमाणपत्र जरूरी होगा।

परिवार की सभी स्रोतों से कुल वार्षिक आय पांच लाख रुपये से कम होनी चाहिए। खास बात यह है कि आय प्रमाणपत्र आवेदन की अंतिम तारीख से पहले जारी होना चाहिए। केवल प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर देना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। 20 सितंबर तक जारी प्रमाणपत्र ही मान्य होगा। इसके अलावा दिल्ली सरकार द्वारा अंतिम तारीख से पहले जारी बीपीएल राशन कार्ड या फूड सिक्योरिटी कार्ड धारक भी ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आवेदन कर सकेंगे। दाखिले में बच्चे का वर्तमान आवासीय पता अहम भूमिका निभाएगा। निदेशालय ने कहा है कि स्कूल का आवंटन अभिभावकों की ओर से आनलाइन भरे गए आवासीय पते के आधार पर उपलब्ध विकल्पों में से कंप्यूटरीकृत ड्रा से होगा। दस्तावेज की जांच के दौरान आनलाइन दर्ज पते और वास्तविक निवास प्रमाण में अंतर मिलने पर स्कूल आवंटन रद कर दिया जाएगा।

दिल्ली में अब डीडीए बनाएगा पीजी और हॉस्टल, सत्य निकेतन हादसे के बाद उठाया कदम; जमीन की तलाश शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन हादसे के बाद असुरक्षित भवनों में चल रहे पीजी में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। छात्रों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की चुनौती के बीच दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने डीडीए को पीजी तैयार करने के लिए उपयुक्त भूमि तलाशने और एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया है।

उपराज्यपाल ने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष सरवन कुमार और अन्य अधिकारियों के साथ लोक निवास में बैठक की। इसमें छात्रों के लिए सुरक्षित आवास और पीजी की वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने एक्स पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि छात्रों को सुरक्षित, गरिमापूर्ण और उचित दर पर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में डीडीए को पीजी तैयार करने के लिए उचित भूमि की पहचान करने को कहा गया। इसके साथ ही अधिकारियों को इस संबंध में एक एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इस योजना पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों को साथ लेकर अमल किया जाएगा, ताकि छात्रों के लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की जा सके। उपराज्यपाल ने शहर में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नए मास्टर प्लान के तहत काम शुरू करने का भी निर्देश दिया है। सत्य निकेतन हादसे के बाद असुरक्षित पीजी में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर उठे सवालों के बीच इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा जैसा एक और केस, सीजेपी नेता सौरभ दास की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर टिप्पणियों को लेकर पहले ही आपराधिक अवमानना के केस का सामना कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास की मुश्किलें बढ़ बढ़ने लगी हैं। अब उनके खिलाफ ऐसी ही शिकायत पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में की गई है। दास के खिलाफ आपराधिक अवमानना की शिकायत ऐसे समय पर दायर की गई है जब गुरुवार को ही दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा नेता गौरव भाटिया की मानहानि शिकायत पर सुनवाई करते हुए सीजेपी नेताओं को तलब किया है। अदालत ने दास के साथ ही आशुतोष रांका और अभिजीत दीपके के नाम भी समन जारी किया है।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक नेता ने पंजाब और हरियाणा कोर्ट में याचिका दायर करके सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास के खिलाफ अपमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। पंजाब में लंबित डीए जारी करने को लेकर दिए गए एक आदेश को लेकर सौरभ दास पर अदालत की अवमानना करने वाली टिप्पणियां करने का आरोप लगाया है। यह आदेश चीफ जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की बेंच ने 3 अगस्त को पारित किया था। जस्टिस मिश्रा तब हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस थे। याचिका वकील नितिन गर्ग ने दायर की है जो भाजपा युमा मोर्चा के राज्य महासचिव भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दास ने 20 अगस्त को फैसले की आलोचना की और दावा किया कि रोस्टर का उल्लंघन करते हुए मामले को चुपके से एक अन्य स्वतंत्र बेंच से हटा लिया गया। गौरतलब है कि अगस्त में हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा था कि 31 अगस्त तक सभी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लंबित डीए/डीआर को जारी किया जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि जब तक भुगतान नहीं कर दिया जाता है सरकार बड़े पैमाने पर विज्ञापन कैंपेन जैसे अनुत्पादक खर्च ना करे। केस को रोस्टर का उल्लंघन करते हुए उस बेंच से वापस ले लिया जिसकी प्रतिष्ठा स्वतंत्र होने की है।

दिल्ली को मिला अपना इंजीनियरिंग कैडर, अब पीडब्ल्यूडी के अधिकार में 3,214 पद; 30 साल बाद सीपीडब्ल्यूडी पर निर्भरता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को अब अपना अलग इंजीनियरिंग कैडर मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार ने 3,214 स्वीकृत इंजीनियरिंग पदों की स्वीकृति के साथ केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के कैडर से अलग कर पीडब्ल्यूडी के स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

करीब 30 साल से लंबित इस व्यवस्था के लागू होने से दिल्ली सरकार को अपने इंजीनियरों की नियुक्ति, तैनाती और कामकाज की निगरानी में पूरे अधिकार मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र की इस मंजूरी को दिल्ली के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। विशेषज्ञ भी इस मंजूरी को दिल्ली के

लिए बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं।

दिल्ली लोक निर्माण विभाग का गठन एक जुलाई 1961 को किया गया था। अभी तक यहां अभियंताओं सहित पूरा स्टाफ केंद्र सरकार के तहत सीपीडब्ल्यूडी से आता है।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी में इंजीनियरिंग विंग के 36 वर्गों में कुल 3,214 पद हैं इन सभी पर सीपीडब्ल्यूडी का स्टाफ कार्यरत है। इन पदों पर नियुक्ति और अधिकारियों की व्यवस्था में दिल्ली को केंद्रीय व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता था।

दिल्ली सरकार का तर्क है कि राजधानी में लगातार सड़क, पुल, सरकारी भवन और अन्य सार्वजनिक ढांचे बनाने तथा उनके रखरखाव की जरूरत रहती है। ऐसे में यहां की जरूरतों के अनुसार स्वतंत्र इंजीनियरिंग व्यवस्था जरूरी है। दिल्ली सरकार आने वाले समय में नया सचिवालय, सभी 11 जिलों में मिनी सचिवालय, मंडियों, खेल मैदानों और दूसरे सरकारी भवनों के निर्माण की योजना पर काम कर रही है।

सार-समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।' उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी संशय बना हुआ है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेगी।

'वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे'

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। चैंपियंस लीग में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हूटिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सैंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सब्स्टीट्यूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, 'वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।'

पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूं। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।'
मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती है।'
रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कपः शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया।

मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया।

इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

जूनियर एशिया कप हॉकी

अनमोल एक्का के छह गोल की मदद से भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 15-0 से आसानी से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत की तरफ से कप्तान कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल किए। एक्का ने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से किए। एक्का के गोलों की वजह से हीं भारत ने बिना गोल वाले शुरुआती क्वार्टर को एकतरफा मुकाबले में बदल दिया। इस जीत से भारत तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 पॉइंट्स के साथ पूल ए में टॉप पर पहुंच गया। मैच में भारत ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए, लेकिन चीनी ताइपे के मजबूत डिफेंस को भेद नहीं पाया। आखिरकार 17वें मिनट में

सफलता मिली जब आर्यन जेस ने पहला गोल किया, और एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। 22वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदला। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में एक और गोल किया, और कुछ ही देर बाद एक्का ने फिर गोल किया, जिससे भारत हाफ-टाइम में 6-0 की बढ़त के साथ गया।
तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से भारत के नाम रहा। एक्का ने अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए दो शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले और फिर एक और गोल करके अपनी संख्या चार कर ली। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 45वें मिनट में फिर से गोल करके अपना स्कोर पांच कर दिया और भारत को डबल फिगर में पहुंचा दिया।
आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने 48वें मिनट में गोल किया, जिसके तीन मिनट बाद एक्का ने एक और सफल पेनल्टी कॉर्नर के साथ अपना शानदार छह गोल का आंकड़ा पूरा किया। हरपाल ने इसके तुरंत बाद अपना दूसरा गोल किया, जबकि आर्यन जेस ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत को 15-0 से जीत दिलाई।

एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में 'सदर्न ब्रेव' के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।'

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में 'वन डे कप' में 'वार्विकशायर' के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह, एन. श्री चरणी और नंदिनी शर्मा।

वनडे रिकॉर्डः डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' की बराबरी

विंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने बुधवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीत्जके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नामीबिया की तरफ से रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकाबले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा।

टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हर बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है।

टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया।

टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।